ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

धर्म परिवर्तन के प्रयासों के खिलाफ कानून के दायरे में कार्रवाई की जाएगी... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 05 फरवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-35

खुफिया एजेंसियां हुईं चौकन्ना, गृह मंत्रालय को खतरे से अवगत कराया

भारत में हिज्ब-उत-तहरीर के आतंकियों का पकड़ा जाना खतरनाक संकेत

एचयूटी को बढ़ावा दे रहा मोहम्मद यूनुस, साथ दे रहे हैं षडयंत्रकारी

बांग्लादेश में तेजी से सक्रिय हुए आतंकी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) से जुड़े आतंकियों की भारत में लगातार हो रही गिरफ्तारी ने खुफिया एजेंसियों को चौकन्ना कर दिया है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस भारत के खिलाफ माहौल बनाने और हिंदुओं पर जुल्म कराने में लगे हुए हैं। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी और आतंकी संगठनों से साठगांठ कर मोहम्मद यूनुस भारत को अस्थिर करने का कुचक्र रच रहे हैं। इस कुचक्र में अमेरिकी षडयंत्रकारी और भारत के विपक्षी दल के कुछ नेता शामिल हैं। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने गृह मंत्रालय को इन गतिविधियों से पैदा हो रहे खतरे के बारे में विस्तार से अवगत करा दिया है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने तमिलनाडु में हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) के दो और आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम कबीर अहमद अलियार और बावा बहरुदीन उर्फ मन्नई बावा है। दोनों पर कट्टरपंथी विचारधारा का प्रचार करने का आरोप है। दोनों आतंकी कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित है और उन्होंने इस्लामी खिलाफत स्थापित करने के लिए युवाओं का ब्रेनवॉश करने के लिए गुप्त बैठकें की थीं। वे इस्लामी देशों की सैन्य शक्ति को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रदर्शनी के आयोजन में भी शामिल थे, जिसका उद्देश्य हिंसक जेहाद और युद्ध के माध्यम से भारत सरकार को उखाड़ फेंकना है। एनआईए ने पिछले साल

सोशल मीडिया पर भारत विरोधी सामग्री पोस्ट करने के आरोप में चेन्नई पुलिस द्वारा छह साजिशकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद एचयूटी पर कार्रवाई शुरू की थी। एजेंसी ने अगस्त में मामला अपने हाथ में लिया था और तब से अजीज अहमद उर्फ जलील अजीज अहमद और तमिलनाडु के एचयूटी नेता फैजुल रहमान सहित कई अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। अब तक इस मामले में 10 आतंकियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। नवीनतम गिरफ्तारियां पहले से गिरफ्तार लोगों के इकबालिया बयानों के आधार पर की गईं। एनआईए ने मुस्लिम युवकों की भर्ती करने और एचयूटी की हिंसक जेहादी विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए धार्मिक प्रमुखों के साथ बैठकें आयोजित करने के आरोप में छह गिरफ्तार व्यक्तियों के खिलाफ भी आरोपपत्र दाखिल किया है। एचयूटी एक अंतरराष्ट्रीय अखिल-इस्लामी और कट्टरपंथी संगठन है जिसका उद्देश्य इस्लामी खिलाफत को पुनः स्थापित करना और अपना संविधान लागू करना है।

शुभ-लाभ विमर्श

हिज्ब उत तहरीर बांग्लादेश में नरक की आग की तरह फैलकर पूरे दक्षिण एशिया में गंभीर खतरा पैदा कर रहा है। हिज्ब उत तहरीर (एचयूटी), एक अखिल इस्लामी आतंकवादी संगठन है ▶10 पर

नेता विपक्ष के बयान पर बरसे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

गैर जिम्मेदार राजनीति में लिप्त हैं राहुल गांधी

नई दिल्ली, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 3 फरवरी को संसद में दिए भाषण में झूठ बोलने का गंभीर आरोप लगाया है। राजनाथ ने कहा है कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता के पद को फूहड़ बना रहे हैं और गैर जिम्मेदार राजनीति कर रहे हैं। राहुल गांधी ने भारत-चीन सीमा की स्थिति को लेकर सेना प्रमुख के बयान के बारे में झूठ कहा है। राहुल गांधी ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान कहा था कि चीन ने भारतीय सीमा में घुसपैठ की है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इससे इन्कार रहे हैं, लेकिन सेना प्रमुख इस बात से सहमत नहीं है। राहुल गांधी के इस बयान पर राजनाथ सिंह ने कहा कि यह गलत आरोप है। राहुल गांधी को अपने इतिहास और भूगोल के ज्ञान के बारे में आत्ममंथन करना चाहिए।

विपक्ष के नेता पद को हल्का और फूहड़ बना रहे

रक्षा मंत्री ने कहा, सेना प्रमुख की टिप्पणी में केवल दोनों पक्षों की तरफ से पारंपरिक गश्त में व्यवधान का उल्लेख था। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हाल ही में हुई सैन्य वापसी के हिस्से के रूप में इन प्रथाओं को उनके पारंपरिक स्वरूप में बहाल किया गया है। सरकार ने संसद में भी इसका पूरा विवरण साझा किया है। राजनाथ सिंह ने कहा, राहुल गांधी की तरफ से सेना प्रमुख के लिए कहे गए शब्द कभी भी सेना प्रमुख की तरफ से नहीं कहे गए थे। यह बहुत खेद की बात है कि राहुल गांधी राष्ट्रीय हित के मामलों ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और असम सरकार को लगाई फटकार

घुसपैठियों को क्यों नहीं भेज रहे उनके देश?

नई दिल्ली, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को लम्बे समय तक हिरासती शिविरों में रखे जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और पश्चिम बंगाल से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा है कि आखिर इन घुसपैठियों को वापस उनके देश क्यों नहीं भेजा जा रहा है। यह टिप्पणियां सुप्रीम कोर्ट ने इन घुसपैठियों की वकालत करने वाले एक समूह की जनहित याचिका पर की हैं।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, हम यह समझना चाहते हैं कि एक बार बांग्लादेश या म्यांमार से आए घुसपैठिए को किसी अपराध के लिए दोषी ठहराए जाने के बाद क्या यह साबित नहीं हो जाता कि वह भारतीय नहीं है? ऐसे सैकड़ों अवैध प्रवासियों को अनिश्चित काल के लिए डिटेंशन सेंटर या सुधार गृह में रखने का क्या मतलब बनता है? केंद्र सरकार को हमारे द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने अवैध बांग्लादेशियों को वापस भेजे जाने में देरी पर भी सवाल उठाए।

घुसपैठियों को शिविरों में रखने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त नाराज

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने कहा, हमारे मन में केवल एक यह कन्फ्यूजन है कि एक बार जब किसी घुसपैठिए पर मुकदमा चलाया जाता है और उसे दोषी ठहरा दिया जाता है तो फिर विदेश मंत्रालय से उसकी नागरिकता के सत्यापन की क्या जरूरत पड़ती है? इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल से भी जवाब तलब किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम पश्चिम बंगाल से भी जानना चाहेंगे कि क्या इस मामले में उनकी कोई भूमिका है? ▶10 पर

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मिलेंगे पीएम मोदी

13 फरवरी को वाशिंगटन डीसी में होगी अहम वार्ता

नई दिल्ली, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पेरिस के दो दिवसीय दौरे के बाद अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी के दौरे पर जाएंगे। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद पीएम मोदी का यह पहला अमेरिकी दौरा होगा। मोदी उन कुछ विदेशी नेताओं में शामिल होंगे, जो ट्रंप प्रशासन के दूसरे कार्यकाल के शुरू होने के कुछ हफ्ते बाद वॉशिंगटन की यात्रा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जरूरी मसलों पर बैठकें निर्धारित हैं। 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात होगी। ▶10 पर

थलसेना के पूर्वी कमान मुख्यालय का नाम बदला गया

फोर्ट विलियम अब विजय दुर्ग के नाम से जाना जाएगा

कोलकाता, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

थलसेना की पूर्वी कमान का कोलकाता स्थित मुख्यालय अब फोर्ट विलियम के बजाय विजय दुर्ग के नाम से जाना जाएगा। रक्षा मंत्रालय कोलकाता के प्रमुख जनसंपर्क अधिकारी विंग कमांडर हिमांशु तिवारी ने बताया कि फोर्ट विलियम के भीतर स्थित कुछ अन्य ऐतिहासिक संरचनाओं के नाम भी बदले गए हैं।

फोर्ट विलियम के अंदर स्थित किचनर हाउस का नाम बदलकर मानेक शॉ हाउस कर दिया गया है, जबकि साउथ गेट, जिसे पहले सेंट जॉर्ज गेट कहा जाता था, अब शिवाजी गेट के नाम से जाना जाएगा। पूर्वी कमान मुख्यालय जिसे फोर्ट विलियम के नाम से जाना जाता था, लगभग 177 एकड़ में फैला हुआ है और यह 1757 में सिराज-उद्दौला की सेना द्वारा नष्ट किए गए मूल किले का स्थान लेता है। ब्रिटिश शासन ने 1758 में इस नए किले का निर्माण शुरू किया और इसका पहला चरण 1781 में पूरा हुआ। पुराने किले की हार से सबक लेते हुए, अंग्रेजों ने इस नए किले को और मजबूत सुरक्षा उपायों के साथ बनाया। इसे आठ दरवाजों के साथ अष्टकोणीय आकार में डिजाइन किया गया था, जिसमें चारों ओर खाई (मोट) बनाई गई थी। इनमें से तीन दरवाजे हुगली नदी की ओर थे, जबकि अन्य खुले मैदान की ओर थे, जिसे उस समय ग्लेसिस कहा जाता था और आज इसे कोलकाता मैदान के नाम से जाना जाता है। ▶10 पर

जॉर्ज गेट अब होगा छत्रपति शिवाजी महाराज गेट

चुनाव आयोग की छवि खराब करने की कोशिश कर रही आपा

सीएम ने झूठ बोल कर भाजपा नेता के बेटे पर करा दिया केस

नई दिल्ली, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली में विधानसभा चुनाव के बीच चुनाव आयोग का बड़ा बयान सामने आया है। चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए जा रहे आरोपों का करारा जवाब दिया है। चुनाव आयोग ने कहा कि तीन सदस्यीय आयोग ने सामूहिक रूप से चुनावों में चुनाव आयोग को बदनाम करने के लिए बार-बार जानबूझकर दबाव बनाने की रणनीति पर ध्यान दिया। चुनाव आयोग ने कहा कि कुछ राजनीतिक दलों के दबाव में आए बगैर आयोग ने संवैधानिक संयम बरतते हुए अपना दायित्व निभाया है। चुनाव आयोग ने गैर जिम्मेदाराना आक्षेपों को बुद्धिमत्ता पूर्वक और धैर्यपूर्वक सहन किया एवं इससे प्रभावित नहीं हुआ। ▶10 पर

उत्तराखंड के बाद गुजरात में भी यूसीसी की तैयारी

मसौदा तैयार करने के लिए पांच सदस्यीय समिति गठित

गांधीनगर, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

उत्तराखंड के बाद अब गुजरात में भी समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की तैयारी शुरू कर दी गई है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करने और कानून बनाने के लिए सुप्रीम कोर्ट की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना देसाई की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति गठित की गई है। समिति 45 दिनों में राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी, जिसके आधार पर सरकार निर्णय लेगी।

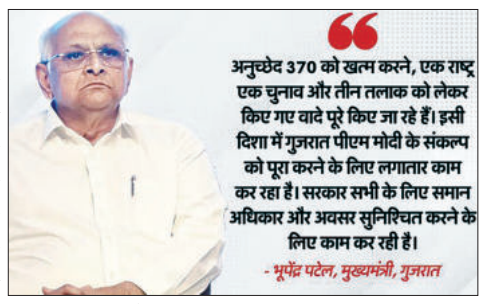

गुजरात के मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का संविधान नागरिकों के कर्तव्यों को पूरा करने के लिए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस साल हम संविधान के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। उनका लक्ष्य पूरे देश में समान नागरिक संहिता लागू करना है, ताकि सभी को समान अधिकार मिले। अनुच्छेद 370 को खत्म करने और तीन तलाक पर रोक लगाने का हवाला देते हुए सीएम पटेल ने कहा कि अनुच्छेद 370 को खत्म करने, एक राष्ट्र एक चुनाव और तीन तलाक को लेकर किए गए वादे पूरे किए जा रहे हैं। इसी दिशा में गुजरात पीएम मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए लगातार काम कर रहा है। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 84,140/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 95,330/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31°

न्यूनतम : 21°

आखिरी बचे दो नक्सलियों के आत्मसमर्पण के साथ

नक्सल मुक्त घोषित हुआ कर्नाटक

बेंगलुरु, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

कर्नाटक में दो दिन पहले ही आखिरी बचे दो नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें एक श्रींगेरी के किगा गांव में रहने वाला नक्सल कोथेहुंडा रविंद्र (44) और दूसरा कुंडापुरा का रहने वाला थोंबुटु लक्ष्मी उर्फ लक्ष्मी पूजार्थी (41) थे। इनमें से एक ने चिकमंगलूर, जबकि दूसरे ने उडुपी जिले में सरेंडर किया। इसी के साथ राज्य की सिद्धारमैया सरकार ने दावा किया कि कर्नाटक अब नक्सल मुक्त राज्य बन चुका है।

कर्नाटक में नक्सलवाद से जुड़ी हिंसक घटनाओं का इतिहास करीब पांच दशक पुराना है। कर्नाटक में नक्सलवाद के हिंसक बनने की अधिकतर घटनाएं 2000 के दौर में हुईं। 2005 में कबिनाले के हेब्री में पुलिस जीप में बमबारी का मामला हो या 2007 में अगुंबे में एक सब-इंस्पेक्टर की हत्या का मामला हो या फिर बात हो 2008 में नादपलु में भोज शेट्टी और उनके रिश्तेदार सदाशिव शेट्टी की हत्या की। कर्नाटक में नक्सली घटनाएं लगातार सिर उठाती रहीं। हालांकि, पुलिस की चौकसी और सरकार की माओवाद को खत्म करने की कोशिशें लगातार जारी रहीं और 2010 में ही केंद्र सरकार ने कर्नाटक को नक्सल प्रभावित से आजाद करार दिया। मुख्यतः मलनाड क्षेत्र में कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़ दिया जाए तो कर्नाटक में इसका प्रभाव काफी कम रहा।

कर्नाटक में अलग-अलग सरकारों के नेतृत्व में नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ने की कोशिशें जारी रहीं। इन कोशिशें के चलते 2016 में नौ नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया। इसके ठीक बाद 19 नक्सलियों का एक समूह पड़ोसी राज्य- केरल में चला गया। पुलिस ने इनकी खोज की कोशिश जारी रखीं। कर्नाटक लौटने की कोशिश के दौरान सुरक्षाबलों ने नक्सल नेतृत्व के कई चेहरों को मार गिराया गया। इतना ही नहीं केंद्र सरकार ने भी नक्सलियों के खिलाफ अभियान में तेजी दिखाई और 2023 में पश्चिमी घाट जोनल कमेटी के प्रमुख संजय दीपक राव को हैदराबाद से गिरफ्तार कर लिया। दो महीने बाद ही आंध्र प्रदेश की नक्सल कविता उर्फ लक्ष्मी को एनकाउंटर में मार गिराया गया।

एक के बाद एक नाकामी की वजह से कर्नाटक के नक्सल संगठन को केरल के माओवादी संगठनों से मदद मिलनी बंद हो गई। इस फूट का कर्नाटक के नक्सल-रोधी दस्ते को फायदा मिला। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

मर्यादा का उलंघन करने वालों का समाज और राष्ट्र में कोई अस्थित्व नहीं

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
हासन तेरापंथ सभा भवन में 161वां मर्यादा महोत्सव आचार्य श्री महाश्रम जी की सुशिष्या साध्वी उदितयशा जी के सानिध्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार महामंत्र से हुई।

साध्वी ने मर्यादा की परिभाषा का उल्लेख करते हुए कहा कि मर्यादा सिर्फ साधु - संतों के लिए नहीं श्रावक समाज के लिए भी होती है। हमें जब इतना लम्बा विहार देते है तो गुरुदेव को ये पता है कि उनके श्रावक धर्म के प्रति कितने समर्पित है। साध्वी जी ने पूछा मर्यादा बड़ी या इसको बनाने वाला बड़ा, या इसका पालन करने वाला बड़ा, इसको साध्वी जी ने एक कहानी के माध्यम से समझाया कि जो इसका पालन करता है वहीं बड़ा होता है। जो मर्यादा का उलंघन करता है उसका समाज और राष्ट्र में कोई अस्थित्व नहीं होता। इससे पहले सभा अध्यक्ष सोहनलाल तातेड ने सभी का स्वागत किया। साध्वी संगीप्रभा जी ने इस कार्यक्रम का सुन्दर संचालन किया। साध्वी भव्ययशाजी एवं शिक्षाप्रभा जी ने गीत के माध्यम से आचार्य भिक्षु की मर्यादा का उल्लेख किया।

खागा सदस्यों ने गृहमंत्री से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटका होजरी एवं गारमेंट्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मंगलवार को कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौंपा। अपने ज्ञापन में खागा अध्यक्ष प्रकाश भोजानी ने बताया कि उगादी व रमजान त्योहार के सीजन को देखते हुए चिकपेट मेट्रो स्टेशन के आसपास स्थित मामुलपेट, सुल्तान पेट, ओल्ड तरगुपेट के क्षेत्रों में रेडिमेड गारमेंट्स का होलसेल बाजार होने से दक्षिण भारत के विभिन्न क्षेत्रों से व्यापारी खरिदारी करने के लिए आते हैं, जिसमें अधिकांश महिलाएं भी होती है। उस समय इस क्षेत्र में बहुत ही भीड़ भाड़ रहती है जिसमें चोरी व लूटपाट की पूरी संभावना होती है। इसलिए व्यापारियों एवं महिलाओं की समुचित सुरक्षा व्यवस्था के लिए चिकपेट मेट्रो स्टेशन के आसपास पुलिस चौकी बनाई जाए, ताकि इस क्षेत्र में बाहर से आने वाले लोगों को कोई परेशानी न हो और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। सचिव कैलाश बालर ने निवेदन किया कि सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए इस क्षेत्र में महिला पुलिस कर्मियों को भी लगाया जाएं, ताकि व्यापार में और अधिक बढ़ोतरी हो सके। इस अवसर पर खागा उपाध्यक्ष राजेश खैरा, संयुक्त मंत्री बिशनसिंह विराणा और जोगसिह पुरोहित उपस्थित रहे।

परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी से अपील

बेंगलूरु में दिल्ली-एनसीआर जैसा प्रदूषण रोकने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों का हो इस्तेमाल: स्वास्थ्य मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने मंगलवार को अपने समकक्ष परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी से अपील की कि वे बेंगलूरु में प्रदूषण के स्तर को उत्तर भारत के कुछ प्रमुख शहरों के समान होने से रोकने के लिए केवल इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खरीदें।

इस मुद्दे को संबोधित करते हुए एक पत्र में, मंत्री राव ने जोर देकर कहा बेंगलूरु के प्रदूषण के लिए दिल्ली-एन-सीआर की तरह कुख्यात होने से पहले हमें कार्रवाई करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पारंपरिक ईंधन से वाहनों से होने वाला उत्सर्जन वैश्विक चिंता का विषय है, जिसका सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसे देखते हुए, मंत्री राव ने प्रस्ताव दिया कि बेंगलूरु में केवल इलेक्ट्रिक ऑटो, कैब, टैक्सी, माल वाहक और ठोस अपशिष्ट संग्रह वाहनों को ही चलने की अनुमति दी जाए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने शहर के भीतर परिवहन के लिए केवल इलेक्ट्रिक बसें खरीदने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा यह स्वास्थ्य विभाग का रुख है और इस संदर्भ में, मैं आपसे आवश्यक निर्णय लेने का आग्रह करता हूं। महानगरीय शहर के रूप में बेंगलूरु

को सड़कों पर वाहनों की भारी मात्रा के कारण भारी प्रदूषण का सामना करना पड़ता है। उच्च जनसंख्या घनत्व समस्या को और भी बदतर बना देता है, जिससे निवासियों को वायु प्रदूषण का अधिक खतरा होता है। इसके अलावा, शहर की भौगोलिक स्थिति और जलवायु परिस्थितियाँ इस मुद्दे को और भी जटिल बनाती हैं। पर्यावरण को होने वाले नुकसान को कम करने के लिए हमारी पीढ़ी को वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए, और सरकार इस प्रयास के लिए जवाबदेह है।

सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। इस उपाय के साथ-साथ, इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाना भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा परिवहन बुनियादी ढांचे के लिए नीतियां बनाते समय, पारंपरिक ईंधन से दूर जाना न केवल एक विकल्प है, बल्कि एक आवश्यकता है जिसे युद्ध स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, नवंबर 2024 तक, निजी दोपहिया वाहनों और कारों की कुल संख्या 1.05 करोड़ से अधिक हो गई थी, जबकि शहर की सड़कों पर वाहनों की कुल संख्या 1.20 करोड़ से अधिक थी। जनवरी से अक्टूबर 2024 के बीच, बेंगलूरु शहर में 1.25 लाख नई निजी कारें पंजीकृत की गईं। सितंबर, 2024 तक, बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन के बेड़े में इलेक्ट्रिक बसों सहित 6,340 वाहन थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक राज्य अनुदानित प्राथमिक शाला शिक्षक संघ द्वारा शासक भवन में शिक्षक सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व सचिव कृष्णाप्पा, विधान परिषद सदस्य पुट्टन्ना, विशेष अतिथि महेंद्र मुणोत ने उत्तम शिक्षकों एवं सेवानिवृत शिक्षकों को पुरस्कृत किया। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया सूर्य सप्तमी पर्व

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शाकद्वीपीय मग ब्राह्मण समाज के मुख्य आराध्य भगवान भास्कर का प्राकट्योत्सव पर्व सूर्यसप्तमी महामहोत्सव मंगलवार को शहर के जेपी नगर स्थित सूर्यनारायण मंदिर पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

प्रातः सूर्य भगवान के महाभिषेक के पश्चात करीब 55 जोड़ों की उपस्थिति में विद्वान पंडितों द्वारा वेद मंत्रों के साथ मुख्य यजमान सुनील शर्मा एवं चंद्रा शर्मा के सानिध्य में यज्ञ वेदी में आहुतियां दी गयी। जिससे वातावरण जय भास्कर के जयकारों से गुंजायमान होता रहा। सूर्य भगवान की उत्सव प्रतिमा को रथ में विराजमान कर आयोजन प्रमुख सुनील शर्मा, संतोष शर्मा एवं चंद्रा शर्मा की अगुवाई में जय भास्कर के जयकारों के साथ

श्रद्धालुओं ने अपने हाथों से रथ को खींचकर शोभायात्रा निकाली। रथयात्रा में सिर पर कलश धारण कर रंगबिरंगी पोशाक में मंगलगीत गाती महिलाएं आगे आगे चल रही थी। राजस्थान से आये कलाकार प्रवीण सूर्यवंशी एवं पार्टी ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। समारोह में सांडेसर गोत्र के परिवार ने महाप्रसादी का लाभ लिया।

समारोह के अंत में सुनील शर्मा ने सभी लाभार्थियों का माला एवं शॉल के साथ बहुमान किया। इस अवसर पर सत्यनारायण शर्मा, जे. बाबूलाल शर्मा, महेंद्र शर्मा, एम. रमेश शर्मा, अशोक शर्मा, घनश्याम शर्मा, सुरेश शर्मा, चेतन शर्मा, बी.एल. शर्मा बेड़ा, राजेश शर्मा, संजय शर्मा, भूपेश कश्यप, राकेश शर्मा, धर्मेश भोजक, अविनाश शर्मा, दिनेश सांडेसर, विजयकुमार, अरुण शर्मा सहित सैकड़ों समाज बंधु उपस्थित थे।

समुद्र तट पर दुर्लभ ओलिव रिडले समुद्री कछुए देखे गए

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
लुप्तप्राय ओलिव रिडले समुद्री कछुए इस साल फिर से मेंगलूरु तट पर देखे गए हैं, जहाँ उन्होंने अंडे दिए हैं। कछुए शहर के बाहरी इलाके में ससिहिथलू बीच पर पहुँचे और किनारे पर घोंसला बनाया। अंडे देने के लिए किनारे पर आने वाले कछुओं की फुटेज कैमरों में कैद हुई है। स्थानीय मछुआरों ने अंडों की सुरक्षा के लिए विशेष

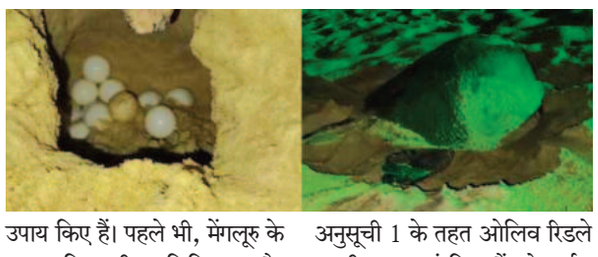

उपाय किए हैं। पहले भी, मेंगलूरु के पास तन्निरबावी, ससिहिथलू और बेंगरे सहित लगभग 12 स्थानों पर कछुओं के घोंसले पाए गए थे। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की अनुसूची 1 के तहत ओलिव रिडले समुद्री कछुए संरक्षित हैं। ये दुर्लभ कछुए अपने अंडे देने के लिए उसी स्थान पर लौटने के लिए जाने जाते हैं जहाँ वे पैदा हुए थे।

महिला से बलात्कार और हत्या के आरोप में पानी के टैंकर चालक गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राममूर्ति नगर पुलिस ने एक पानी के टैंकर चालक को गिरफ्तार किया है जिसने एक बांग्लादेशी घरेलू नौकरानी के साथ बलात्कार किया और उसकी बेरहमी से हत्या कर दी और घटनास्थल से फरार हो गया। गिरफ्तार आरोपी मदकन्ना उर्फ उपेंद्र उर्फ दस्तगीर (30) मूल रूप से बागलकोट का रहने वाला है। वह सरायपाल्या में रहता था। राममूर्ति नगर पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत कालकेरे में एक बांग्लादेशी परिवार रहता था और महिला नाजा (28) एक अपार्टमेंट में हाउसकीपर के रूप में काम करती थी। इसी इलाके में आरोपी मदकन्ना टैंकर से पानी की सप्लाई कर रहा था। उसने उस समय उस औरत को देखा। इसके बाद वह उससे बातचीत करता रहा। 22 जनवरी को जब महिला घर का काम करके दोपहर में घर लौट रही थी, तो आरोपी ने सड़क किनारे पानी की टंकी वाली गाड़ी रोकी, उसका पीछा किया, उसका मुंह बंद किया और जबरन अपने पास खींच लिया।

कालकेरे झील के एक सुनसान इलाके में ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। इसके बाद उसने उसके घूंघट से उसका गला घोंट दिया, उसके शव को झाड़ी में फेंक दिया, उसके सिर पर पत्थर फेंक दिया और मौके से भागकर अपने काम पर लौट गया। जिसके बाद महिला घर वापस नहीं लौटी। उसके पति ने उसकी तलाश शुरू की और बाद में राममूर्तिनगर पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। लेकिन सुबह होते-होते महिला का शव बरामद हो गया। राहगीरों ने महिला का शव देखा और पुलिस को सूचना दी। जब पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की तो पता चला कि महिला के साथ बलात्कार किया गया था और उसकी हत्या कर दी गई थी। इसके बाद शव को अस्पताल भेज दिया गया और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर महिला के पति और उसके भाई से पूछताछ की, जानकारी हासिल की और उसके मोबाइल फोन की जांच की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। पुलिस ने आरोपियों की तलाश के लिए तीन विशेष टीमें गठित की थी, घटनास्थल के आसपास की सड़कों पर लगे सीसीटीवी कैमरों और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच की और आरोपी को गिरफ्तार किया।

खाद्यान्न मजदूरों के हितों की बलि देने वाली कांग्रेस पार्टी का असली रंग सामने आया: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य सरकार ने कर्नाटक कृषि मूल्य आयोग को निर्देश दिया है कि वह भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा वापस लिए गए तीन कृषि कानूनों को लागू करके किसानों की आय बढ़ाने के लिए सिफारिशें करे। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कांग्रेस पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए खाद्य श्रमिकों के हितों की बलि दी और निहित स्वार्थों से हाथ मिलाया। उन्होंने कहा कि अब उसका असली चेहरा सामने आ गया है। अतीत में जब केंद्र की एनडीए सरकार ने कृषि कानूनों में संशोधन करने का कदम उठाया, तो उसका विरोध करने वाली, सड़कों पर दंगे करने वाली और अपने राजनीतिक लाभ के लिए अपने निहित स्वार्थों की रक्षा करने वाली कांग्रेस पार्टी ने अब सीएम सिद्धरामैया सरकार को उन्हीं तीन कृषि कानूनों के तहत किसानों की आय बढ़ाने की सिफारिश करने का निर्देश दिया है।

मगसम में सरस्वती वंदना प्रतियोगिता आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मंजिल ग्रुप साहित्यिक मंच ने अपनी शाखाओं के साथ रविवार को बसंत उत्सव मनाया जो व्हाट्सऐप एवं संध्या में गूगल मीट पर प्रतियोगिता स्वरूप संपन्न हुआ।

व्हाट्सऐप पर ऑडियो या लिखित पोस्ट करना था जो एक ट्रेलर था। जिसके माध्यम से प्रत्येक पटल से तीन - तीन रचनाकारों का चयन किया गया।

उन चयनित रचनाकारों के साथ शाम 6 बजे से गूगल मीट पर प्रतियोगिता कराई गई। वरिष्ठ साहित्यकार अंजनी कुमार तिवारी सुधाकर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ व्यंगकार प्रशांत करण मौजूद रहे। संस्था के प्रतिनिधि स्वरूप राष्ट्रीय संयोजक सुधीर सिंह सुधाकर उपस्थित थे। स्वागत - संचालन वीणा मेदनी ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना एवं राष्ट्रीय गीत से हुई। दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती माँ के श्लोक के साथ कार्यक्रम आगे बढ़ा। सभी की प्रस्तुति नाम से न होकर सदस्य संख्या से हो रही थी जिससे निष्पक्षता बरकरार रही।

अंत में मुख्य अतिथि प्रशांत करण ने बसंत पंचमी पर अच्छी जानकारी देते हुए लेखन पर सभी का मार्गदर्शन किया।

देशप्रेम और वसंतोत्सव से सजी काव्य संध्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राष्ट्रीय चेतना परिवार अभिव्यक्ति काव्य मंच की 35वीं काव्य गोष्ठी रविवार को ऑनलाइन गूगल मीट पर आयोजित हुई। सचिव स्वीटी सिंघल ने संचालन की बागडोर सँभालते हुए सभी का स्वागत किया।

राष्ट्रीय चेतना परिवार की संरक्षिका डॉ. मैथिली पी. राव ने संस्था के उद्देश्यों की जानकारी दी। गोष्ठी की अध्यक्षता डॉ. मंजु गुप्ता ने की। कनु सिंह ने मुख्य अतिथि गुरुग्राम के वरिष्ठ कवि और साहित्यकार नरेंद्र शर्मा खामोश का परिचय दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ कवि अशोक गोयल तथा पंजाब के वरिष्ठ साहित्यकार कश्मीर सिंह चाहल रहे, जिनका परिचय क्रमशः राधेश्याम यादव और मीना गुप्ता ने दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ मंजु रुस्तगी की सुमधुर सरस्वती वंदना से हुआ। काव्य गोष्ठी में वरिष्ठ कवि राम गोपाल भारतीय, डॉ. शारदा मिश्रा, डॉ. उर्मिला श्रीवास्तव उर्मि, राधेश्याम यादव सुदर्शन, डॉ. मंजु रुस्तगी, डॉ अनीता पंडा अन्वी, मीना गुप्ता, उषा उमेश गुप्ता, भगवती सक्सेना गौड़ आदि ने बसंत पंचमी की शुभकामनाओं के साथ देशभक्ति और वसंत पर सुन्दर गीत, जगल और कविताओं से समां बाँध दिया। मुख्य अतिथि नरेंद्र शर्मा और विशिष्ट अतिथि अशोक गोयल तथा कश्मीर सिंह चाहल ने सभी की प्रशंसा करते हुए अपनी उत्कृष्ट रचनाएँ प्रस्तुत कीं।

नि:शुल्क मधुमेह एवं रक्त चाप शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ युवक परिषद राज-राजीनगर के तत्वावधान में आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम के अंतर्गत विश्व कैंसर दिवस एवं तेरापंथ धर्मसंघ के 161वें मर्यादा महोत्सव के उपलक्ष में नि:शुल्क मधुमेह एवं रक्तचाप परीक्षण शिविर का आयोजन मरिय्यापनपल्या स्थित गायत्री पार्क में किया गया। शिविर की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। सभी सदस्यों का रैंडम ब्लड शुगर लेवल ग्लूकोमीटर के माध्यम से एवं रक्त चाप परीक्षण किया गया। इस शिविर से कुल 73 लोग लाभान्वित हुए। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया ने स्थानीय लोगों से वार्तालाप करते हुए सभी को एटीडीसी श्रीरामपुरम द्वारा प्रदत्त विभिन्न चिकित्सा सम्बंधित सेवाओं, डॉक्टरों की उपलब्धता एवं अन्य जानकारी से अवगत कराया। शिविर में एटीडीसी स्टाफ दीपाश्री एवं श्यामला का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। तेयुप परिवार से तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया, राजेश देरासरिया, जयंतीलाल गाँधी एवं विनोद कोठारी ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

धर्म परिवर्तन के प्रयासों के खिलाफ कानून के दायरे में कार्रवाई की जाएगी: परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मंगलवार को बेंगलूरु में डिजिटल धर्म परिवर्तन के प्रयासों की खबरों के बीच चेतावनी दी और कहा कि अगर जबरन धर्म परिवर्तन के बारे में कोई शिकायत मिलती है तो पुलिस कानूनी ढांचे के भीतर कार्रवाई शुरू करेगी।

क्यूआर कोड का उपयोग करके धर्म परिवर्तन के एक नए तरीके के बारे में पूछे जाने पर परमेश्वर ने कहा मुझे मामले की जानकारी नहीं है। हम विकास के बारे में नहीं जानते हैं। भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान 2020-21 में धर्म परिवर्तन विरोधी अधिनियम लाया गया था और हमने अधिनियम को वापस लेने के लिए कार्रवाई की है। हमें देखना होगा कि कानून विभाग में यह किस चरण में है। बाइबिल की शिक्षाओं की ओर ले जाने वाले क्यूआर कोड वाले कार्ड के वितरण पर जनता की आपत्तियों से जुड़ी एक घटना सोमवार को बेंगलूरु में सामने आई। हिंदू कार्यकर्ताओं और स्थानीय निवासियों ने डिजिटल माध्यमों से धर्म परिवर्तन के प्रयास का आरोप लगाया है। यह घटना बेंगलूरु के बेगुर इलाके में हुई। पुलिस के अनुसार, बेगुर मेन रोड पर महिलाओं का एक समूह व्यक्तिगत विजिटिंग कार्ड जैसे कार्ड बांट रहा था, जिनमें से प्रत्येक में क्यूआर कोड था। महिलाओं ने दावा किया कि अगर लोगों को जीवन की समस्याओं, बेरोजगारी या शादी करने में कठिनाई जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, तो क्यूआर कोड को स्कैन करने से उन्हें समाधान मिल जाएगा। एक महिला ने समूह को राहगीरों से बातचीत करते और कार्ड बांटते हुए देखा, तो वह उनकी गतिविधियों के बारे में पूछताछ करने के लिए उनके पास पहुंची। समूह ने उसे बताया कि अगर उसे जीवन में कोई कठिनाई है, तो वह क्यूआर कोड को स्कैन करके समाधान पा सकती है। जब महिला ने मौके पर क्यूआर कोड को स्कैन किया, तो उसमें पवित्र बाइबिल की शिक्षाएँ थीं। धार्मिक सामग्री का पता चलने पर, महिला ने समूह का सामना किया, लेकिन क्यूआर-कोड वाले कार्ड बांटने वाली महिलाएं तुरंत चली गईं।

हिंदू कार्यकर्ताओं ने बेंगलूरु में डिजिटल धार्मिक धर्मांतरण प्रयासों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने कहा है कि अगर कोई औपचारिक शिकायत दर्ज की जाती है तो वे तथ्यों की पुष्टि करेंगे। मामले के बारे में और जानकारी अभी सामने आनी बाकी है। संबंधित घटनाक्रम में, कर्नाटक पुलिस ने 22 जुलाई, 2024 को बल्लारी जिले में हिंदू तीर्थयात्रियों को निशाना बनाकर कथित धर्म परिवर्तन के प्रयास के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। कथित तौर पर आरोपी मंत्रालय में हिंदू तीर्थस्थल पर जाने वाले श्रद्धालुओं को निशाना बना रहा था। इसके अलावा, नवंबर 2022 में, रामनगर जिले के कनकपुरा तालुक में आदिवासी लोगों को दूसरे धर्म में परिवर्तित करने के प्रयास के लिए कम से कम 12 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया था। अभी हाल ही में, 3 सितंबर, 2024 को, कर्नाटक पुलिस ने उडुपी जिले में 27 वर्षीय स्नातकोत्तर मेडिकल छात्र मोहम्मद दानिश खान को अपने सहपाठी को जबरन दूसरे धर्म में परिवर्तित करने के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार किया।

कर्नाटक सरकार ने हिजाब मुद्दे पर कोई निर्णय नहीं लिया है: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के स्कूली शिक्षा और साक्षरता मंत्री मधु बंगारप्पा ने सोमवार शाम को कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों के हिजाब पहनने के अधिकार का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने इस मुद्दे पर कोई निर्णय नहीं लिया है। मधु ने कहा कि वह गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर के साथ चर्चा करने के बाद इस मुद्दे पर अधिक स्पष्टता प्रदान कर पाएंगे। हालांकि, मधु की टिप्पणियों ने शैक्षणिक संस्थानों के शिक्षकों और प्रधानाचार्यों के बीच भ्रम को दूर करने में बहुत कम मदद की है।

बेंगलूरु के एक सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक ने कहा चूंकि परीक्षाएं नजदीक हैं, इसलिए हम परीक्षा के दिन अंतिम समय में होने वाली समस्याओं को रोकने के लिए सरकार से इस मुद्दे पर अधिक स्पष्टता की उम्मीद करते हैं। सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने मामले पर विभाजित फैसला सुनाया, जिसके कारण इसे देश की सर्वोच्च अदालत की एक बड़ी बेंच के समक्ष सुनवाई के लिए आवश्यक बना दिया गया। यह मुद्दा 2022 का है, जब मुस्लिम समुदाय की महिला छात्राओं को उडुपी के पीयू कॉलेज में हिजाब पहनने से रोक दिया गया था। इसने सरकार को इस मुद्दे पर विचार करने के लिए एक समिति गठित करने के लिए प्रेरित किया। सरकार ने छात्रों के बीच एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए। दिशा-निर्देशों में छात्रों से उनके संबंधित शैक्षणिक संस्थानों द्वारा निर्धारित वर्दी पहनने के लिए कहा गया था, जिसका छात्रों के एक वर्ग ने विरोध किया, जिन्होंने इसे उच्च न्यायालय में चुनौती दी। जब उच्च न्यायालय ने सरकार के दिशा-निर्देशों को बरकरार रखा, तो फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई। इस बीच, मधु बंगारप्पा ने स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग के प्रमुख सचिव को उन स्कूलों के कुछ मुद्दों को हल करने का निर्देश दिया, जो राजस्व विभाग के साथ समस्याओं में फंस गए हैं। उन्होंने अधिकारी को अगले छह महीनों के भीतर सभी मुद्दों को सुलझाने का निर्देश दिया। मंत्री ने कहा मैं स्कूलों को बंद नहीं कर सकता और छात्रों को परेशान नहीं कर सकता। विभिन्न विभागों से प्राप्त होने वाले प्रमाणपत्रों को लेकर समस्याएं हैं। हम इसे सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं और हम इसे जल्द ही सुलझा लेंगे।

निजी स्कूल को ईमेल के जरिए बम की मिली धमकी

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के एक निजी स्कूल को मंगलवार को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, जिसके बाद छात्रों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने बताया कि स्कूल परिसर में गहन तलाशी ली गई, और यह एक झूठी खबर निकली। कलबुर्गी के पुलिस आयुक्त शरणप्पा एस डी ने बताया कलबुर्गी शहर के एक निजी शिक्षण संस्थान को एक धमकी भरा ईमेल मिला। जैसे ही संस्थान ने हमें सूचित किया, स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और छात्रों को बाहर निकाला। हमने तुरंत एक एंटी-सैबोटेज टीम के साथ-साथ बम का पता लगाने और उसे नष्ट करने वाले दस्ते को तैनात किया, ताकि इलाके का गहन निरीक्षण और उसे सेनेटाइज किया जा सके। उन्होंने बताया कि व्यापक जांच के बाद, यह पुष्टि हुई कि यह एक झूठी बम की धमकी वाला ईमेल था। उन्होंने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जाएगी।

ईमेल के बारे में और जानकारी साझा करते हुए शरणप्पा ने बताया कि विषय में स्कूल में आरडीएक्स बम विस्फोट का उल्लेख किया गया था, लेकिन पूरी सामग्री तमिल में थी। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी में अनुवाद करने पर पता चला कि ईमेल में तमिलनाडु की राजनीति पर चर्चा की गई थी।

कर्नाटक माइक्रोफाइनेंस अध्यादेश में उल्लंघन पर 10 साल तक की जेल का प्रावधान: गृह मंत्री

राज्यपाल की मंजूरी लंबित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

माइक्रोफाइनेंस संस्थानों (एमएफआई) द्वारा उधारकर्ताओं को उत्पीड़न से बचाने के उद्देश्य से, कर्नाटक सरकार ने एक अध्यादेश का मसौदा तैयार किया है, जिसमें उल्लंघन के लिए दस साल तक की जेल की सजा और पांच लाख रुपये तक के जुर्माने सहित दंडात्मक प्रावधान हैं। इसकी पुष्टि करते हुए, राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा, कर्नाटक माइक्रो फाइनेंस (जबरदस्ती कार्रवाई की रोकथाम) अध्यादेश 2025 को राज्यपाल थावरचंद गहलोत के पास उनकी मंजूरी के लिए भेजा गया है। परमेश्वर ने कहा यह तीन साल (शुरुआती मसौदे में) था, अब हमने इसे बढ़ा दिया है। जुर्माना भी बढ़ाकर पांच लाख कर दिया गया है। यह सुनिश्चित करने के लिए है कि कानून की मार (उल्लंघन करने वालों को) महसूस हो। अगर कानून को ऐसे ही लापरवाही से बनाया जाता है, तो ऐसी घटनाएं नहीं रुकेंगी। इसलिए, जुर्माना (राशि) और कारावास (अवधि) बढ़ा दिया गया है, ताकि यह एक तरह से निवारक बन जाए।

यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा राज्यपाल शहर से बाहर थे, और वापस आने के बाद वे इसे देखने के बाद अपनी सहमति दे सकते हैं। सूचनाओं की बढ़ती संख्या और राज्य के विभिन्न हिस्सों से माइक्रोफाइनेंस फर्मों द्वारा ऋण वसूली के तरीकों के खिलाफ कई शिकायतों के जवाब में सरकार ने अध्यादेश लागू करने का फैसला किया। एक सवाल के जवाब में गृह मंत्री ने कहा कि अध्यादेश का पहला मसौदा तैयार होने के बाद सरकार में इस बात पर चर्चा हुई थी कि एमएफआई इसके खिलाफ अदालत में जाए और मुख्यमंत्री ने विधि विभाग को इस संबंध में सभी आवश्यक सावधानियां बरतने के निर्देश दिए थे। उन्होंने कहा इससे थोड़ी देरी हुई। अब सभी बातों को ध्यान में रखते हुए मसौदा तैयार किया गया है।

इससे पहले उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा सरकार ने माइक्रोफाइनेंस कंपनियों द्वारा कर्जदारों को परेशान किए जाने से रोकने के लिए अध्यादेश बनाया है। मुख्यमंत्री आराम करने के बाद जल्द ही इस संबंध में पुलिस अधिकारियों और आयुक्तों के साथ बैठक करेंगे। बाद में वे जिलाधिकारियों के साथ अलग से बैठक करेंगे। यहां सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा हम लोगों को कानून अपने हाथ में लेने और कर्ज वसूलने के लिए गुंडों के जरिए गरीबों को डरा-धमकाकर उनका उत्पीड़न करने की इजाजत नहीं देंगे। इस पर नियंत्रण के लिए पुलिस को और अधिक अधिकार दिए जाएंगे। उन्होंने कहा बेलगावी, बीदर, मैसूरु, रामनगर समेत कई जिलों में ऐसे मामलों में एफआईआर दर्ज हो चुकी है। मुख्यमंत्री और सहकारिता मंत्री ने ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इस पर नियंत्रण के लिए अध्यादेश तैयार किया गया है और एक-दो दिन में इसे राज्यपाल के पास भेज दिया जाएगा। इस तरह के उत्पीड़न के मामलों की शिकायत करने के लिए हर जिला कार्यालय में हेल्पलाइन शुरू की गई है। मैं सभी से अपील करता हूं कि अगर ऐसे मामले उनके संज्ञान में आते हैं तो तुरंत इस हेल्पलाइन पर संपर्क करें और गरीबों की मदद करें।

कर्नाटक में राज्य, राष्ट्रीय राजमार्गों पर

यातायात उल्लंघन की निगरानी के लिए लगेंगे एआई-आधारित कैमरे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

परिवहन विभाग मोटर चालकों द्वारा यातायात उल्लंघन की निगरानी के लिए राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित कैमरे लगाने पर विचार कर रहा है। सर्विलांस कैमरों की कमी के कारण राजमार्गों पर यातायात उल्लंघनों पर नजर रखना चुनौतीपूर्ण रहा है। इस समस्या से निपटने के लिए परिवहन विभाग ने एआई तकनीक को लागू करने का फैसला किया है। कर्नाटक के पांच जिलों में राजमार्गों पर एआई आधारित कैमरे पहले से ही लगाए जा रहे हैं, जिसमें विशिष्ट स्थानों की पहचान की गई है। उल्लंघन करने वालों को ऑनलाइन सिस्टम के जरिए जुर्माना भरना होगा। ये कैमरे बेंगलूरु ग्रामीण, मैसूरु, तुमकुरु, कोलार और रामनगर जिलों में लगाए जा रहे हैं। इन स्थानों की पहचान केंद्रीय परिवहन और राजमार्ग विभाग ने दुर्घटना संभावित क्षेत्रों और अक्सर यातायात उल्लंघन वाले क्षेत्रों के रूप में की है। पांच जिलों में कुल 20 ब्लैक स्पॉट की पहचान की गई है। एआई आधारित कैमरे विभिन्न उल्लंघनों का पता लगाएंगे, जिसमें तेज गति से गाड़ी चलाना, लाल बत्ती पार करना, दोपहिया वाहन चालकों द्वारा हेलमेट न पहनना और चार पहिया वाहन चालकों द्वारा सीट बेल्ट न पहनना शामिल है। कैमरे वाहन पंजीकरण संख्या को स्कैन करेंगे और आपराधिक गतिविधियों में शामिल वाहनों की पहचान करने में भी मदद करेंगे। फुटेज की निगरानी और भंडारण के लिए एक कमांड सेंटर स्थापित किया जाएगा। ई-चालान अपराधियों को ईमेल या एसएमएस के माध्यम से भेजे जाएंगे और जुर्माना वसूली की निगरानी कमांड सेंटर द्वारा की जाएगी। शुरुआत में, पांच जिलों में विभिन्न स्थानों पर एआई-आधारित कैमरे लगाए जाएंगे। बेंगलूरु ग्रामीण जिले में, उन्हें देवनहल्ली-चिक्कबल्लापुर रोड, नेलमंगला, डबस्पेट, होसकोटे, होसकोटे-गौरीबिदनूर रोड, एच-क्रॉस और डोड्डबल्लापुर पर लगाया जाएगा। मैसूरु जिले में ऊटी रोड, कडाकोला एपीएमसी, टी नरसीपुरा, मैसूरु-एचडी कोटे रोड और मैसूरु-हुनसूर रोड पर कैमरे लगाए जाएंगे। कोलार जिले में, कोलार सिटी, कोलार-बंगरपेट रोड और कोलार-श्रीनिवासपुरा रोड पर कैमरे लगाए जाएंगे। तुमकुरु जिले में कुनिगल रोड, सिरा और कुनिगल-तुमकुरु रोड पर मारलू केरे के पास कैमरे लगाए जाएंगे। वहीं, रामनगर जिले में रामनगर-चन्नपटना रोड, रामनगर-कनकपुरा रोड और हारोहल्ली-सथानूर रोड पर कैमरे लगाए जाएंगे।

हाईकमान का दौरा महज अफवाह: गृह मंत्री परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि किसी प्रतिनिधिमंडल को दिल्ली नहीं ले जाया जा रहा है। ऐसा कोई राजनीतिक घटनाक्रम नहीं हुआ है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा मुझे नहीं पता कि यह खबर किसने फैलाई कि आलाकमान की बैठक होगी। मैं विभागीय कार्य से दिल्ली जा रहा हूँ। जाने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। लेकिन जब जरूरत होगी तो वे जाएंगे। उन्होंने कहा मैं इस बारे में ज्यादा बात नहीं करूंगा। अगर हमें दिल्ली में कर्नाटक भवन के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया जाता है, तो हम जाएंगे। जब मैं डीसीएम था, तब मैंने स्वयं उस भवन की आधारशिला रखी थी। उन्होंने पूछा कि वह बिना निमंत्रण के कैसे जा सकते हैं। गुब्बी विधायक श्रीनिवास के तुमुल को लेकर परेशान होने के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने कहा हम ईमानदार कार्यकर्ता हैं। हमारी भी समस्याएं अधिक हैं। हम सब दोस्त हैं, हम एक ही पार्टी में हैं। राजनीति में ऐसे सभी मुद्दे सामने आते हैं। मैं उनसे बात कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि इसमें कोई राजनीति की बात नहीं है। मुझे गाय चुराने वालों के बारे में मंत्री मंकल वैद्य के बयान की जानकारी नहीं है। यह उनका निजी बयान है। उन्होंने कहा कि उन्होंने किसी अवसर पर यह बात कही थी। एसएसएलसी परीक्षाओं में हिजाब की अनुमति देने के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए परमेश्वर ने कहा हम इस पर लंबी चर्चा करेंगे। अभी एक महीना बाकी है।

अगर गाय चोरी की घटनाएं दोबारा हुईं तो आरोपियों को सरेआम गोली मार दी जाएगी: मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मंत्री मंकल वैद्य ने कहा कि अगर गाय चोरी की घटनाएं दोबारा हुईं तो आरोपियों को सरेआम गोली मार दी जाएगी। मत्स्य एवं बंदरगाह मंत्री मंकल एस. वैद्य ने चेतावनी दी है कि अगर कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में गाय चोरी की घटनाएं दोबारा हुईं तो वह आरोपियों को सड़क पर गोली मारने का आदेश देंगे। मंत्री उत्तर कन्नड़ जिले के प्रभारी हैं। कारवार में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि जिले में पिछले कुछ सालों से गाय चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं और उन्होंने पुलिस को सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा उन्हें गाय चोरी के मामलों में सख्त कार्रवाई करने के लिए कहा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा के शासनकाल में भी जिले में गाय चोरी के कई मामले सामने आए थे। हालांकि, उन मामलों को भूलकर कुमता विधायक दिनाकर शेट्टी कांग्रेस सरकार में गृह मंत्री की आलोचना कर रहे थे। उन्होंने कहा उनके (भाजपा) शासनकाल में कोई कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन अब हम कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे जिले में ऐसी गतिविधियों को जारी नहीं रहने देंगे, साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रशासन गायों और उन्हें पालने वालों के हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहा है। होन्नावर के पास एक गर्भवती गाय की हत्या पर आक्रोश के मद्देनजर उनका यह बयान आया है। गाय की चोरी कई सालों से हो रही है। मैंने एसपी (पुलिस अधीक्षक) से कहा है कि यह बंद होना चाहिए और किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं होना चाहिए। यह गलत है। हम गायों की पूजा करते हैं। हम इस जानवर को प्यार से पालते हैं। हम इसका दूध पीकर बड़े हुए हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने पुलिस को निर्देश दिया है कि वे इसके पीछे जो लोग हैं, उनके खिलाफ निर्दयी कार्रवाई करें, चाहे वे कोई भी हों। उन्होंने कहा गिरफ्तारियाँ कुछ मामलों में की गई हैं। अगर ऐसी चीजें जारी रहीं तो शायद मेरा यह कहना गलत होगा मैं यह सुनिश्चित करूँगा कि आरोपियों को सड़क पर या सर्कल पर गोली मार दी जाए। काम करो, कमाओ और खाओ। हमारे जिले में पर्याप्त नौकरियाँ उपलब्ध हैं। हम किसी भी कीमत पर ऐसे लोगों का समर्थन नहीं करेंगे। अगर हम ऐसी गतिविधियों का समर्थन करते हैं, तो एफआईआर और गिरफ्तारी कैसे होती है? हम चुप नहीं बैठे हैं, विभाग (पुलिस) इसे नियंत्रित करने के लिए कार्रवाई कर रहा है, सरकार वहाँ है। मैं यहाँ हूँ, सभी कार्रवाई की जा रही है। न तो सरकार, न ही मुख्यमंत्री या गृह मंत्री इस मुद्दे पर किसी का समर्थन करेंगे। हम गाय पालने वालों की रक्षा के लिए काम करेंगे, डरने की कोई जरूरत नहीं है।

पीएसआई भर्ती घोटाला मामला

पूर्व उपमुख्यमंत्री अश्वथ नारायण एसआईटी के समक्ष पेश हुए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के भाजपा विधायक और पूर्व उपमुख्यमंत्री सी.एन. अश्वथ नारायण पुलिस सब-इंस्पेक्टर (पीएसआई) भर्ती घोटाले के सिलसिले में सोमवार शाम को यहां विशेष जांच दल (एसआईटी) के समक्ष पेश हुए। कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने घोटाले की फिर से जांच के आदेश दिए हैं, जिसमें आरोप है कि अश्वथ नारायण ने अपने रिश्तेदारों सहित मगदी क्षेत्र के उम्मीदवारों की भर्ती में भूमिका निभाई थी।

सूत्रों ने बताया कि जांच अधिकारियों के सवालों का जवाब देते हुए अश्वथ नारायण ने कहा कि उनका इस घोटाले से कोई संबंध नहीं है और दावा किया कि उनके खिलाफ आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने घोषणा की थी कि वह पीएसआई भर्ती घोटाले की फिर से जांच करेगी। पुलिस ने राज्य के इतिहास में पहली बार एडीजीपी रैंक के एक अधिकारी सहित 30 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पीएसआई के 545 रिक्त पदों के लिए 3 अक्टूबर, 2021 को आयोजित परीक्षा में 54,041 उम्मीदवार शामिल हुए थे। परीक्षाएं राज्य भर के 92 केंद्रों पर आयोजित की गई थीं।

जनवरी में नतीजे घोषित किए गए थे। बाद में आरोप सामने आए कि वर्णनात्मक लेखन में बहुत खराब प्रदर्शन करने वाले उम्मीदवारों को पेपर 2 में अधिकतम अंक मिले। हालांकि, पुलिस और तत्कालीन गृह मंत्री अरगा ज्ञानेंद्र ने पीएसआई भर्ती परीक्षा में किसी भी तरह की अनियमितता से इनकार किया। एक उम्मीदवार ने आरटीआई आवेदन दायर कर एक उम्मीदवार की ओएमआर शीट के बारे में जानकारी मांगी।

हालांकि आवेदन खारिज कर दिया गया, लेकिन उम्मीदवार की ओएमआर शीट सार्वजनिक डोमेन में आ गई। पुलिस सूत्रों का कहना है कि उम्मीदवार वीरेश ने पेपर 2 में केवल 21 सवालों के जवाब दिए थे, लेकिन उसे 100 अंक मिले।

उसे 7वां स्थान दिया गया। वर्तमान आरडीपीआर, आईटी और बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने तब आरोप लगाया था कि 545 उम्मीदवारों में से 300 से अधिक ने पीएसआई बनने के लिए अधिकारियों और मंत्रियों को 70 से 80 लाख रुपये की रिश्वत दी थी। सत्तारूढ़ भाजपा ने तब उन्हें सीआईडी के सामने सबूत पेश करने की चुनौती दी थी। तब कांग्रेस नेताओं ने गृह मंत्री ज्ञानेंद्र के इस्तीफे की जोरदार मांग की थी। उन्होंने अश्वथ नारायण पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और अप्रत्यक्ष रूप से पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा के बेटे और भाजपा विधायक बीवाई विजयेंद्र की भूमिका का भी जिक्र किया। इस मामले में पूर्व एडीजीपी अमृत पॉल को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि जांच अभी भी अटकी हुई है और अधिकारियों ने जांच को आगे बढ़ाने की जहमत नहीं उठाई है, क्योंकि इसमें भाजपा के ताकतवर नेताओं की संलिप्तता है। जांच एजेंसी ने घोटाले के संबंध में पहले ही अदालत में दो आरोप पत्र दाखिल कर दिए हैं।

गदग में नाबालिग लड़की से बलात्कार वीडियो में कैद हुई घटना, दो गिरफ्तार

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में सोमवार को एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार की चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसका वीडियो भी बनाया गया है। कर्नाटक पुलिस ने इस अपराध के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान सुलेमान और अल्ताफ के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि यह घटना पिछले साल दिसंबर के महीने में नरेगाल पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई थी। आरोपी सुलेमान ने लड़की के साथ बलात्कार किया था और उसके साथी अल्ताफ ने पूरी घटना को रिकॉर्ड किया था। लड़की के माता-पिता को हाल ही में अपनी बेटी पर हुए हमले के बारे में पता चला और उन्होंने सोमवार को नरेगाल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले के बारे में अभी और जानकारी सामने आनी बाकी है। रविवार को एक और चौंकाने वाली घटना में कर्नाटक के मांड्या पुलिस स्टेशन की सीमा में 8 साल की बच्ची के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना सामने आई है। यह घटना एक सरकारी स्कूल के परिसर में हुई थी, इसलिए लोगों में चिंता बढ़ गई है। पुलिस के अनुसार, यह घटना 31 जनवरी को हुई थी, जब तीनों आरोपियों ने लड़की को केक का लालच दिया था। उन्होंने चाकू से डराकर उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया और पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना तब प्रकाश में आई, जब लड़की गंभीर रक्तस्राव के कारण दर्द बर्दाश्त नहीं कर पाई और उसने अपनी मौसी को यह बात बताई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। भाजपा ने सोमवार को कर्नाटक सरकार पर राज्य के मांड्या जिले में 8 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना को लेकर निशाना साधा। राज्य भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा मांड्या में एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना सबसे जघन्य और विकृत मानसिकता वाले अपराधियों का अमानवीय कृत्य है। इस घटना ने सभ्य समाज को शर्मसार कर दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है और असामाजिक तत्व स्थिति का फायदा उठाकर नाबालिगों के साथ बलात्कार, महिलाओं पर अत्याचार और दिनदहाड़े डकैती की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

आटे में दबा कच्चा बम फटा भैंसा गंभीर रूप से घायल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के बाहरी इलाके में बंगलूर-कनकपुरा मुख्य मार्ग पर आटे से भरा एक देशी बम फटने से एक भैंस के मुंह में गंभीर चोट आई है। पुलिस को संदेह है कि यह जंगली सूअर शिकारियों का काम है और वे उनकी तलाश कर रहे हैं। शिकारी शहर के बाहरी इलाके में बंगलूर-कनकपुरा मुख्य मार्ग पर जंगली सूअरों का खूब शिकार कर रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने देशी बम फेंके थे। जब भैंस ने उसे भोजन समझकर चबाया, तो उनके द्वारा छिपाया गया देशी बम फट गया, जिससे भैंस गंभीर रूप से झुलस गई। पिछले एक साल में यह चौथी घटना है। घटना करीब साढ़े पांच बजे उय्यंबल्ली के यालागल्ली गांव में हुई। उय्यंबल्ली निवासी डी. गोविंदप्पा ने अज्ञात जंगली सूअर शिकारियों के खिलाफ सतानूर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता गोविंदप्पा के भतीजे संपत ने बताया कि भैंस आटा खाने जा रही थी, तभी बम फट गया, जिससे भैंस के चेहरे पर चोट लग गई। आरोपी ने घास में आटा छिपाकर खुले में फेंक दिया था। जब हम सब घर से बाहर निकल रहे थे, तभी एक बड़ा विस्फोट हुआ। हमारा गांव उय्यंबल्ली संगमा वन क्षेत्र के करीब है, इसलिए जंगली सूअर के शिकारी उनका शिकार करने के लिए आटे में लिपटे विस्फोटक फेंकते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि आरोपी ने जंगली सूअर का मांस और खाल निकालने के लिए बारूद से बना एक कच्चा बम फेंका। जंगली सूअर के अधिकांश शिकारी पड़ोसी तमिलनाडु से आते हैं। स्थानीय लोगों की संलिप्तता से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। एक अधिकारी ने कहा कि 2-3 किलोमीटर के दायरे में जंगल होने के कारण जंगली सूअर बहुतायत में हैं। अज्ञात आरोपी के खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 1908 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

भाजपा विवाद मामला : नेतृत्व परिवर्तन की मांग को लेकर राज्य के वरिष्ठ नेता जाएंगे दिल्ली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का एक दल, जिसमें विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल, कुमार बंगारप्पा और पूर्व मंत्री रमेश जारकीहोली शामिल हैं, राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा से मिलने और राज्य पार्टी अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र को बदलने की मांग करने के लिए नई दिल्ली जाने वाले हैं।

सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, दल के सदस्य राज्य में 23 जिला अध्यक्षों के चुनाव पर अपनी आपत्ति दर्ज करा रहे हैं। उनका कहना है कि चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी नहीं थी और विजयेंद्र को एक और कार्यकाल के लिए इस पद पर निर्वाचित करने के लिए ऐसा किया गया। नेताओं का दल मांग करने जा रहा है कि किसी भी परिस्थिति में विजयेंद्र के नाम की घोषणा राज्य अध्यक्ष के रूप में नहीं की जानी चाहिए और इस पद के लिए चुनाव होना चाहिए। वे आलाकमान से अपील कर सकते हैं कि उनमें से कोई विजयेंद्र के खिलाफ चुनाव लड़े। दल के राज्य के उन भाजपा सांसदों से भी मिलने की संभावना है जो विजयेंद्र और पूर्व सीएम बी.एस. येदियुरप्पा के खिलाफ हैं। वे आलाकमान के समक्ष अपना पक्ष

प्रभावी ढंग से रखने के लिए उनका समर्थन लेने की संभावना रखते हैं। वे नए जिला अध्यक्षों की सूची को रद्द करने की मांग पर भी विचार कर रहे हैं। इस बीच, खुले विद्रोह के घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए, विजयेंद्र ने सोमवार को शिवमोग्गा में कहा कि वरिष्ठ पार्टी नेताओं के कृत्यों से पार्टी को नुकसान पहले ही हो चुका है। उन्होंने कहा एक सप्ताह में पता चल जाएगा कि प्रदेश अध्यक्ष कौन होगा और सब कुछ सामान्य हो जाएगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता यतनाल के नेतृत्व वाले एक गुट द्वारा प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चुनाव लड़ने की तैयारी की खबरों के बारे में पूछे जाने पर, विजयेंद्र ने कहा भाजपा आंतरिक लोकतंत्र को कायम रखती है। कोई भी अन्य राजनीतिक दल भाजपा की तरह व्यवस्थित तरीके से संगठनात्मक चुनाव नहीं कराता है। मंडल स्तर से लेकर जिला स्तर, प्रदेश अध्यक्ष चुनाव और यहां तक कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव तक, सब कुछ व्यवस्थित तरीके से होता है। सब कुछ केंद्रीय नेतृत्व द्वारा लिए गए निर्णयों के अनुसार हो रहा है। उन्होंने कहा पिछले एक साल से हमारे सभी कार्यकर्ता और वरिष्ठ नेता इस भ्रष्ट और अनैतिक कांग्रेस सरकार के खिलाफ लगातार लड़ रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष के रूप में मेरे कार्यकाल के पिछले एक साल में, राज्य के लोगों, हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं और हमारे वरिष्ठ नेताओं और विधायकों ने मेरे द्वारा किए गए कार्यों को देखा है। सभी के समर्थन से मुझे विश्वास है कि मैं प्रदेश अध्यक्ष के रूप में काम करना जारी रखूंगा और पार्टी को और मजबूत करूंगा।

भारतीय गठबंधन को राहुल गांधी पर भरोसा नहीं: जोशी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि भारतीय गठबंधन के सहयोगियों को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भरोसा नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि वह उस स्थिति पर पहुंच गई है जहां आज भारतीय गठबंधन में उसके सहयोगी भी उसका समर्थन नहीं कर सकते।

समाजवादी पार्टी यद्यपि भारतीय गठबंधन का हिस्सा है, लेकिन वह दिल्ली चुनाव में कांग्रेस के बजाय आम आदमी पार्टी का समर्थन कर रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय गठबंधन के सभी सहयोगी दल कांग्रेस से दूरी बनाए हुए हैं। शरद पवार ने कहा कि वह राहुल गांधी का नहीं, बल्कि

ममता बनर्जी का समर्थन करते हैं। इसी तरह, ममता बनर्जी और उमर अब्दुल्ला सहित कोई भी राहुल गांधी और कांग्रेस का समर्थन करने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि कांग्रेस ने इस हद तक आत्मविश्वास खो दिया है। सहयोगी दल खुद ही कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी को सुधार की सलाह दे रहे हैं।

राहुल गांधी को वास्तविकता का एहसास होना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि वे एक-दूसरे से बात न करें, बल्कि अपने दोस्तों की बात सुनें। कांग्रेस हार मानने को तैयार नहीं है। इस प्रकार, भारतीय गठबंधन के अन्य सहयोगी इससे दूर जा रहे हैं। हालांकि, जोशी ने आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस अभी सुधार के लिए तैयार नहीं है। कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी को जनता के फैसले को सम्मान के साथ स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताते हुए कहा कि ईवीएम और चुनाव आयोग पर दोष मढ़ते हुए हल्की बात कहना ठीक नहीं है। अब उन्हें मतदाताओं पर संदेह होने लगा है। इसलिए राहुल गांधी एक हल्का बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह हमने कर्नाटक और झारखंड में हार स्वीकार कर ली है, उसी तरह कांग्रेस अन्य राज्यों में हार स्वीकार किए बिना बेबुनियाद आरोप लगा रही है।

शिवकुमार 9 फरवरी को महाकुंभ में पवित्र स्नान करेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार 9 फरवरी को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ में पवित्र स्नान करेंगे और अगले दिन वापस लौट आएंगे। कर्नाटक भाजपा ने शिवकुमार की प्रस्तावित महाकुंभ यात्रा का मजाक उड़ाते हुए पूछा कि क्या एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे उपमुख्यमंत्री से सवाल नहीं करेंगे। शिवकुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, जो उनके करीबी हैं, ने उन्हें महाकुंभ मेले में आमंत्रित किया है और वह अपने परिवार के साथ वहां जा रहे हैं। इस बीच, भाजपा ने शिवकुमार की यात्रा की आलोचना की है और कांग्रेस नेता और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की पिछली टिप्पणियों को उजागर किया है, जिन्होंने गरीबी उन्मूलन में गंगा में पवित्र डुबकी के महत्व पर सवाल उठाया था। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मंगलवार को शिवकुमार पर कटाक्ष करते हुए कहा क्या डी.के. शिवकुमार के गंगा में डुबकी लगाते ही उनके सारे पाप धुल जाएंगे? उन्होंने आगे मजाक उड़ाते हुए कहा क्या केपीसीसी अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार के कुंभ मेले में पवित्र डुबकी लगाते ही कर्नाटक में गरीबी खत्म हो जाएगी? क्या खड़गे साहब अब इस पर सवाल नहीं उठाएंगे? शिवकुमार अपनी दृढ़ धार्मिक आस्था और अक्सर मंदिर जाने के लिए जाने जाते हैं। तमिलनाडु, केरल और आंध्र प्रदेश के 'शक्ति पीठों' के साथ-साथ उत्तर भारत के ऐतिहासिक मंदिरों का भी दौरा किया है। महाकुंभ मेले में उनकी भागीदारी ने राजनीतिक महत्व प्राप्त कर लिया है, क्योंकि उनके करीबी सूत्रों का कहना है कि वह कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री बनने के लिए ईश्वर का आशीर्वाद मांग रहे हैं।

छात्रा अपने हॉस्टल के कमरे में मृत पाई गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु विश्वविद्यालय की 21 वर्षीय छात्रा रमाबाई अंबेडकर महिला छात्रावास में अपने कमरे में मृत पाई गई। बेंगलूरु विश्वविद्यालय में द्वितीय वर्ष की स्नातकोत्तर छात्रा अपने कमरे में पंखे से लटकी पाई गई। मृतका एचडी कोटे तालुक की निवासी थी, उसने कथित तौर पर पास में एक सुसाइड नोट भी छोड़ा था। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, सुसाइड नोट में लिखा था मैंने एक दोस्त पर भरोसा किया और उसने मुझे धोखा दिया। सॉरी मॉम, डैड, आई लव यू। नोट से पता चलता है कि छात्रा अवसाद से जूझ रही थी, उसने विश्वासघात का आरोप लगाया, जिसके कारण उसने यह कदम उठाया। रिपोर्ट के अनुसार, छात्रा सुबह क्लास में गई थी, लेकिन बीच सत्र में ही हॉस्टल वापस आ गई, जहां उसने आत्महत्या कर ली। उसके शव को आगे की जांच के लिए विक्टोरिया अस्पताल ले जाया गया। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है और अभी तक शिकायत दर्ज नहीं की है। जांच में मदद के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों को भी मौके पर बुलाया जा रहा है। विश्वविद्यालय और छात्रावास अधिकारियों ने अभी तक इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है। पश्चिम बेंगलूरु के डिप्टी कमिश्नर एस गिरीश ने घटना की पुष्टि की है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कर्नाटक परिवहन विभाग ने कर चोरी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 30 लग्जरी कारें जब्त कीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर चोरी के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, कर्नाटक परिवहन विभाग ने उन लग्जरी कार मालिकों की पहचान करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया, जिन्होंने रोड टैक्स का भुगतान नहीं किया है। हाल ही में एक दिन की कार्रवाई के दौरान, अधिकारियों ने 30 हाई-एंड कारों को जब्त किया और लगभग 3 करोड़ का बकाया कर वसूल किया। 41 अधिकारियों की एक टीम के साथ अभियान का नेतृत्व करने वाले उप परिवहन आयुक्त सी. मल्लिकार्जुन ने कहा लग्जरी कार मालिकों को कर चोरी करते हुए पाया गया है, इसलिए रविवार को हमने एक अभियान चलाया। कुछ वाहन कर्नाटक के बाहर पंजीकृत थे, जबकि अन्य ने केवल आंशिक रूप से अपने कर का भुगतान किया था या उन्हें पूरी तरह से टाल दिया था। हमारा विभाग अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, और हमने जब्त वाहनों के लिए वसूली नोटिस जारी किए हैं। एक अन्य

वरिष्ठ परिवहन अधिकारी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कर्नाटक में लग्जरी कार मालिकों के बीच कर चोरी एक बढ़ती हुई समस्या रही है।

वाहन मालिक सिस्टम में खामियों का दुरुपयोग करते पाए गए हैं। अधिकारी ने कहा कि कई मालिक कर्नाटक के उच्च रोड टैक्स से बचने के लिए अपनी हाई-एंड कारों को दूसरे राज्यों में पंजीकृत कराते हैं, लेकिन उनका उपयोग यहां जारी रखते हैं। इससे न केवल राजस्व का नुकसान होता है, बल्कि यह अवैध भी है। यह कार्रवाई विभाग द्वारा कर धोखाधड़ी को संबोधित करने के लिए चल रहे प्रयासों का हिस्सा है, खासकर प्रीमियम वाहन मालिकों के बीच। कर चोरी के कई मामले सामने आने के बाद, परिवहन अधिकारियों ने आने वाले हफ्तों में सख्त प्रवर्तन की चेतावनी दी है। अधिकारी ने कहा कर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के मालिकों को दंड और कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा

अच्छी नौकरी छोड़ हस्तशिल्प के कारोबार में जमने लगे कश्मीरी

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 4 फरवरी।

कश्मीर के 31 वर्षीय समीर अहमद जान ने बैंकॉक की एक निजी कंपनी में करीब छह साल तक काम किया। पेशे से तकनीकी विशेषज्ञ जान ने पाया कि देश में शॉल, कालीन और लकड़ी के सामान की भारी मांग है। नतीजतन श्रीनगर के पुराने शहर के निवासी, ने अपनी नौकरी छोड़ दी और बैंकॉक में कश्मीरी हस्तशिल्प का अपना उद्यम शुरू कर दिया।

समीर कहते हैं कि शॉल, कालीन, गलीचे और लकड़ी के सामान की मांग दुनिया भर में बढ़ गई है। मेरा शोरूम, जिसमें आठ लोग काम करते हैं, कश्मीरी हस्तशिल्प की बिक्री करता है। मेरे पास यूरोप से अच्छी संख्या में ग्राहक आते हैं जो पर्यटन के लिए बैंकॉक आते हैं।

जान की तरह, कश्मीर में शिक्षित युवाओं की बढ़ती संख्या क्षेत्र की समृद्ध हस्तशिल्प विरासत को अपना रही है, अपने कौशल और आधुनिक व्यावसायिक कौशल का उपयोग करके वैश्विक उद्यम शुरू कर रही है। विदेशों में हस्तशिल्प व्यवसाय में यह उछाल मुख्य

रूप से केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न हस्तशिल्पों को जीआई टैग दिए जाने के कारण है।

जटिल रूप से बुने हुए पश्मीना शॉल से लेकर लकड़ी के नाजुक नक्काशीदार फर्नीचर तक, प्रामाणिक कश्मीरी शिल्प की मांग आसमान छू रही है। सिंगापुर, यूएई, ओमान और अन्य मध्य पूर्व सहित कई देशों में कश्मीरी हस्तशिल्प उद्यम भी सामने आए हैं।

यूएई में कश्मीर हस्तशिल्प आउटलेट के मालिक फहद अहमद भट कहते हैं कि जीआई टैग ने कश्मीरी हस्तशिल्प की मांग को बढ़ा दिया है। मध्य पूर्व में लोग कालीन और गलीचे पसंद करते हैं। कश्मीरी कालीन और गलीचे दुबई के होटलों और रेस्तराओं में सजे देखे जा सकते हैं। इसने ईरानी कालीन को कड़ी टक्कर दी है, जो अंतरराष्ट्रीय बाजार में सबसे अधिक मांग वाली हस्तशिल्प वस्तु भी है। गौरतलब है कि चार वर्षों में कश्मीरी शिल्प का कुल निर्यात मूल्य 3,477.31 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। 2020-21 में कश्मीरी शिल्प का कुल निर्यात 635.52 करोड़ रुपए का था।

इसके बाद के वर्षों 2021-22, 2022-23 और 2023-24 में क्रमशः 563.13 करोड़ रुपए, 1116.37 करोड़ रुपए और 1162.29 करोड़ रुपए का कारोबार हुआ। हस्तशिल्प विभाग के एक अधिकारी का कहना था कि दुनिया भर में हस्तशिल्प की मांग बढ़ी है, जिससे जम्मू-कश्मीर से निर्यात बढ़ा है। वे कहते हैं कि हमने पिछले कुछ वर्षों में कारीगरों और निर्यातकों के पंजीकरण में वृद्धि देखी है। जीआई टैग ने हस्तशिल्प क्षेत्र में वांछित परिणाम लाए, जिससे स्थानीय लोगों को इस क्षेत्र में निवेश करने के लिए प्रेरणा मिली। यही नहीं सरकार ने पहले ही अगले पांच वर्षों में जम्मू-कश्मीर हस्तशिल्प निर्यात को सालाना 3,000 करोड़ रुपए तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है।

आतंकी हमले के सिलसिले में 500 ओवर ग्राउंड वर्कर पकड़े गए

जम्मू, 04 फरवरी (ब्यूरो)।

कश्मीर में शांति लौट आने के दावों के बीच आतंकियों के हमले में कल देर रात पूर्व सैनिक की मौत के उपरांत सुरक्षाबलों ने इतनी त्वरित कार्रवाई की की सब हैरान रह गए।

उन्होंने 500 से अधिक ओवर ग्राउंड वर्करों को धर लिया है। पुलिस ने इसकी पुष्टि की है कि कुलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद जम्मू कश्मीर पुलिस ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए कश्मीर वादी में रात भर छापेमारी के दौरान 500 से ज्यादा ओवर ग्राउंड वर्कर्स, संदिग्धों, आतंकी सहयोगियों और आतंकी गतिविधियों में पहले से शामिल रहे लोगों को हिरासत में लिया है।

ये रिफ्तारियां सोमवार को कुलगाम के बेहीबाग इलाके में हुए हमले के बाद की गई है, जहां आतंकियों ने तीन नागरिकों पर पाइंट-ब्लैंक रेंज से गोली चलाई थी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पीड़ितों में से एक पूर्व प्रादेशिक सेना के जवान

मंजूर अहमद वागे ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया था। उनकी पत्नी आइना अख्तर (32) और एक नाबालिग लड़की सानिया हमीद (13) के पैर में चोटें आईं हैं और बताया जा रहा है कि उनकी हालत स्थिर है।

पत्रकारों से बात करते हुए एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने गिरफ्तारियों की पुष्टि करते हुए बताया कि हमने आतंकी नेटवर्क से जुड़े लोगों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए कश्मीर में बड़े पैमाने पर अभियान चलाया है। इस अपराध के अपराधियों की पहचान करने और इस तरह के किसी भी अन्य हमले को रोकने के लिए 500 से अधिक संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि कानून प्रवर्तन एजेंसियां अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने और कश्मीर में सभी निवासियों और आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि कुलगाम हमले की जांच चल रही है और हिरासत में लिए गए लोगों से आतंकवाद से संबंधित गतिविधियों में संभावित संलिप्तता के लिए पूछताछ की जा रही है।

महाराष्ट्र में खुलने जा रही है देश की पहली एआई यूनिवर्सिटी

मुंबई, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र में देश का पहला एआई विश्वविद्यालय स्थापित किया जाएगा और इस पहल की योजना बनाने और उसे लागू करने के लिए एक कार्य समूह का गठन किया जा चुका है। राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री आशीष शेलार ने यह जानकारी दी। विश्वविद्यालय एआई और संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देगा। इसमें कौशल विकास, तकनीकी नवाचार और नीति निर्माण पर भी ध्यान दिया जाएगा। शेलार ने कहा, इसका उद्देश्य महाराष्ट्र को एआई शिक्षा का केंद्र बनाना है। उन्होंने कहा कि यह एआई विश्वविद्यालय उत्कृष्टता का केंद्र होगा जो एआई और संबंधित विषयों में अनुसंधान और विकास को आगे बढ़ाते हुए सरकार, शिक्षा और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देगा।

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रधान सचिव टास्क फोर्स की अध्यक्षता करेंगे। इसमें भारतीय डेटा सुरक्षा परिषद और राजीव गांधी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आयोग के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। इनमें भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, गूगल इंडिया, महिंद्रा समूह और एलएंडटी जैसी कंपनियों के प्रतिनिधि, तथा आईआईटी मुंबई और आईआईएम मुंबई के निदेशक शामिल हैं। शेलार के अनुसार, एआई विश्वविद्यालय उत्कृष्टता का केंद्र होगा, जो उद्योग, शिक्षा और सरकार के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करेगा। इस एआई यूनिवर्सिटी में छात्रों को न केवल एआई पर किताबें पढ़ने को मिलेंगी, बल्कि उन्हें इस तकनीक पर काम करने का अवसर भी मिलेगा। यहां छात्रों को एआई से संबंधित सभी महत्वपूर्ण चीजें सिखाई जाएंगी, जैसे मशीन लर्निंग, डेटा विश्लेषण, रोबोटिक्स और बहुत कुछ।

अभी तक, एमआईटी, स्टैनफोर्ड, ऑक्सफोर्ड, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले जैसे संस्थान कुछ वैश्विक नाम हैं जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अनुसंधान करने में अग्रणी हैं। शेलार ने कहा, यह प्रयास न केवल महाराष्ट्र को एआई में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करेगा, बल्कि भारत की तकनीकी प्रगति में भी मदद करेगा। टास्क टीम की दो बार बैठक हो चुकी है और अब यह विश्वविद्यालय की स्थापना की रूपरेखा को अंतिम रूप देने के लिए काम कर रही है।

कैंसर के खिलाफ आईआईटी मद्रास की ऐतिहासिक पहल

भारत का पहला कैंसर जीनोम डेटाबेस और एटलस लॉन्च

चेन्नई, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास ने भारत में कैंसर जीनोम का एक व्यापक डेटाबेस भारत कैंसर जीनोम एटलस (बीसीजीए) लॉन्च किया है। इस पहल का उद्देश्य भारत में विभिन्न कैंसरों के लिए जीनोमिक परिदृश्य में अंतर को पाटना तथा शीघ्र पहचान, निदान और उपचार के लिए मूल्यवान जानकारी प्रदान करना है।

बीसीजीए देशभर में एकत्रित 480 स्तन कैंसर रोगियों के ऊतक नमूनों से 960 संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमों के विश्लेषण पर आधारित है।

यह डेटाबेस अब सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है, जो भारत और विदेशों में शोधकर्ताओं और

चिकित्सकों को कैंसर अनुसंधान के लिए एक मूल्यवान संसाधन प्रदान करता है। आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटि ने भारतीय स्तन कैंसर जीनोम अनुक्रम निर्माण का कार्य पूरा होने की घोषणा की और बीसीजीए जारी किया। इस पहल के लाभों पर प्रकाश डालते हुए प्रो. कामकोटि ने कहा, यह डेटाबेस कैंसर के कारणों के बारे में गहन जानकारी प्रदान करेगा तथा प्रारंभिक हस्तक्षेप से रोग की रोकथाम में मदद करेगा।

बीसीजीए आईआईटी मद्रास, कार्किनोज़ हेल्थकेयर, मुंबई, चेन्नई ब्रेस्ट क्लिनिक और कैंसर रिसर्च एंड रिलीफ ट्रस्ट, चेन्नई के बीच सहयोग का परिणाम है। यह पहल कैंसर में सटीक चिकित्सा के लिए राष्ट्रीय केंद्र का हिस्सा है, जो आईआईटी मद्रास और कार्किनोज़ हेल्थकेयर के बीच किफायती कैंसर देखभाल समाधानों के अंतःविषय अनुसंधान और विकास में तेजी लाने के लिए एक पहल है। परियोजना समन्वयक प्रो. आईआईटी मद्रास में कैंसर जीनोमिक्स और आणविक चिकित्सा विज्ञान उत्कृष्टता केंद्र के प्रमुख एस. महालिंगम ने कहा, यह डेटाबेस भारत में कैंसर-विशिष्ट बायोमार्कर्स की पहचान करने के लिए एक अमूल्य संसाधन होगा, जिससे स्तन कैंसर का शीघ्र पता लगाने और कैंसर के लिए नए औषधि लक्ष्यों की पहचान करने में मदद मिलेगी। भारतीय आबादी के लिए बेहतर उपचार रणनीति विकसित करना। बीसीजीए का उद्देश्य विभिन्न प्रकार के कैंसर जीनोमिक्स पर काम कर रहे शोधकर्ताओं से डेटा एकत्रित करना भी है तथा वह इसके लिए आवेदन स्वीकार करने के लिए तैयार है। डेटा का उपयोग उच्च जोखिम वाले समूहों की पहचान करने, कैंसर की प्रगति की निगरानी करने, व्यक्तिगत उपचार के लिए रणनीति तैयार करने और उपचार के परिणामों को समझने के लिए बायोमार्कर्स की पहचान करने में किया जाएगा।

सनातन धर्म के खिलाफ सुपारी लेकर षडयंत्र कर रहे हैं लोग

षडयंत्रकारी तत्व गढ़ रहे हैं झूठ के प्रतिमान: योगी

महाकुंभ नगर, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को कांग्रेस व समाजवादी पार्टी पर बरसे। मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि एक तरफ सनातन धर्म के इस सबसे बड़े आयोजन का साक्षी बनकर देश व दुनिया गौरव की अनुभूति कर रही है तो वहीं दूसरी ओर सनातन धर्म के खिलाफ सुपारी लेकर षडयंत्र करने वाले तत्वों के द्वारा लगातार शरारत पर शरारत करते हुए झूठ व असत्य के नित नए प्रतिमान गढ़े जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संसद में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के वक्तव्य न केवल इनके सनातन धर्म विरोधी चरित्र को उजागर कराता है, बल्कि इनकी उस गिद्धदृष्टि की ओर भी सबका ध्यान आकर्षित करता है, जो लगातार पहले दिन से महाकुंभ के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे हैं। इनका यह बयान न केवल सनातन धर्म पर प्रहार है, बल्कि निंदनीय व शर्मनाक है। कांग्रेस अध्यक्ष का कहना कि मौनी अमावस्या में हजारों लोग मर गए, यह अफसोसजनक है। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस के अध्यक्ष से अपेक्षा की जाती है कि संसद में मर्यादित बयान रखें। दोनों नेता झूठ पर झूठ बोल रहे हैं। इनका बयान गुमराह करने वाला है। दोनों दलों में प्रतिस्पर्धा है कि कौन कितना सनातन धर्म विरोधी वक्तव्य दे सके।

सीएम ने कहा कि यह कहना कि कोई आंकड़े नहीं दिए गए, गलत है। प्रशासन ने भी आंकड़े दिए गए और मैंने भी उन्हें सबके सामने रखा। घटना दुखद थी। इससे हर कोई दुखी थी। मेला प्रशासन, पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस ने मिलकर क्विक रिस्पांस से घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया। सीएम ने कहा कि उस दिन करोड़ों लोग प्रयागराज में थे। सनातन धर्म विरोधी और यह दोनों दल चाहते थे कि बड़ा हादसा हो जाए। हमारी पहली प्राथमिकता थी कि किसी भी स्थिति में जीरो हादसे तक लेकर जाएं, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से यह घटना घटित हुई। प्रशासन व संबंधित संस्थाओं ने क्विक रिस्पांस से कार्य किया और उन्हें हॉस्पिटलाइज किया। इसमें कुछ लोग हादसे का शिकार हुए, यह दुखद है।

सीएम योगी ने कहा कि घायलों का समुचित उपचार कराया गया। कुछ घायल प्रयागराज मेडिकल कॉलेज में हैं, शेष अपने परिवार में जा चुके हैं। मैंने, मंत्रियों, मुख्य सचिव, डीजीपी, प्रशासन ने भी सभी से मुलाकात की। प्रयागराज मेडिकल कॉलेज में भर्ती लोगों से मेरी बात हुई। वे सभी कह रहे थे कि व्यवस्था में खामी नहीं थी। सीएम ने कहा कि हमने तत्काल न्यायिक कमीशन गठित किया। सरकार सभी पहलुओं को लेकर जांच करा रही है। प्रयागराज में लगभग 8-9 करोड़ लोग थे, उन्हें सुरक्षित घरों तक वापस भेजना हमारी पहली प्राथमिकता थी।

सीएम ने कहा कि यह दोनों दल व सनातन धर्म विरोधी जो लोग कह रहे हैं कि लाखों लोगों ने स्नान नहीं किया। अमृत व शाही स्नान नहीं हुआ, यह गुमराह करने वाला है। सनातन धर्म की अवमानना ही नहीं, बल्कि बदनाम करने की साजिश का हिस्सा है। सीएम योगी ने कहा कि कोई भी परंपरा बाधित नहीं हुई। मौनी अमावस्या का स्नान पहले दिन शाम साढ़े सात बजे से प्रारंभ हो गया था, अगले दिन देर शाम तक मुहूर्त था। हादसे के तत्काल बाद अखाड़ों ने मेला प्राधिकरण से बात कर अपना स्नान कुछ देर के लिए स्थगित किया था। फिर मेरी बातचीत हुई, दोपहर बाद सभी अखाड़े, संतजन, आचार्य महामंडलेश्वर स्नान का हिस्सा बने। सभी स्नान परंपरागत तरीके से हुए। मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी के तीनों अमृत स्नान में सभी अखाड़े भागीदार बने।

सीएम योगी सपा अध्यक्ष पर खूब बरसे। कहा कि सपा अध्यक्ष का वक्तव्य है कि सरकार ने 100 करोड़ की घोषणा की थी, उन्हें बयान पढ़ना चाहिए। यह 12 बजे सोकर उठने वाले लोग हैं। कार्यालय स्टाफ जैसा नोट बनाकर देता है, यह लोग वैसा ही वक्तव्य प्रस्तुत करते हैं। यह लीडर नहीं, बल्कि रीडर के रूप में उस वक्तव्य को पढ़कर अपनी व राजनेताओं की जगहंसाई करते हैं। मैंने बार-बार कहा कि महाकुंभ में 40-45 करोड़ श्रद्धालु भागीदार बनेंगे। 22 दिन के अंदर अब तक 38 करोड़ श्रद्धालु आ चुके हैं। अगले 22-23 दिन में भी श्रद्धालु आएंगे।

सीएम ने कहा कि कल बसंत पंचमी का अमृत स्नान हुआ। 12 को माघ पूर्णिमा व 26 फरवरी को महाशिवरात्रि होगी। देश-दुनिया के करोड़ों श्रद्धालु लगातार आना चाहते हैं। भूटान के नरेश भी आज अनेक लोगों के साथ आयोजन में सहभागी बने। पूरी दुनिया आ रही है, लेकिन सनातन धर्म के खिलाफ सुपारी लेने वाले दल षडयंत्र करने में लिप्त हैं। इनका षडयंत्र कामयाब नहीं होगा। हम 29 जनवरी के हादसे की तह में जाएंगे और षडयंत्रकारियों को बेनकाब करेंगे।

योगी सरकार का फैसला

डिजिटल होगी प्रदेश की आठवीं आर्थिक गणना

लखनऊ, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

योगी सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश पिछले साढ़े सात वर्ष में न केवल कानून व्यवस्था और बुनियादी ढांचे के विकास में बढ़ा है, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। सीएम योगी द्वारा प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य सशक्त उदाहरण है। इसी क्रम में योगी सरकार ने प्रदेश में आठवीं आर्थिक गणना 2025-26 के जरिए प्रदेश के हर तबके तक विकास की रोशनी पहुंचाने का निर्णय लिया है। इसके सटीक आंकड़ों के माध्यम से लोगों का सामाजिक स्तर सुधारने के लिए विभिन्न योजनाएं बनायी जाएंगी, जिसका लाभ जरूरतमंद तक पहुंचाया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को आठवीं आर्थिक गणना 2025-26 की विस्तृत योजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं, ताकि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सके।

योगी सरकार आर्थिक गणना को केवल डाटा संग्रहण के रूप में नहीं देख रही है, बल्कि इसे ट्रांसफॉर्मेटिव टूल के रूप में विकसित करने की योजना बना रही है।

सीएम योगी के निर्देश पर यह गणना डिजिटल माध्यमों से की जाएगी, जिससे सटीक आंकड़े जुटाए जा सकें। इसके लिए एक वेब-बेस्ड मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया जा रहा है, जो वास्तविक समय में डेटा सत्यापन, निगरानी और विश्लेषण की सुविधा प्रदान करेगा।

इससे योगी सरकार को प्रदेश के उद्यमों, स्वरोजगार से जुड़े व्यक्तियों, श्रमिकों और छोटे व्यापारियों की सही स्थिति का आंकलन करने में मदद मिलेगी, जिससे नीति निर्माण और योजनाओं में पारदर्शिता आएगी। आठवीं आर्थिक गणना के लिए लगभग 17,000 गणनाकारों और 6,000 पर्यवेक्षकों को तैनात किया जाएगा। इसके लिए सरकार स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर उन्हें इस अभियान का हिस्सा बनाएगी। इससे जहां योगी सरकार को सटीक आर्थिक डेटा मिलेगा, वहीं दूसरी ओर युवाओं को रोजगार और कौशल विकास का अवसर भी प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आर्थिक गणना में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए महिला गणनाकारों की नियुक्ति का भी फैसला लिया है।

योगी सरकार महिलाओं को डाटा संग्रहण, तकनीकी प्रशिक्षण और डिजिटल प्लेटफार्म पर काम करने की सुविधा प्रदान कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। योगी सरकार के आर्थिक गणना से उत्तर प्रदेश के छोटे उद्यमी और व्यापारियों को भी आर्थिक पहचान मिलेगी। यह गणना प्रदेश के सूक्ष्म, लघु, मध्यम-उद्यम (एसएसएमई) को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

योगी सरकार गणना से प्राप्त डेटा का उपयोग कर सही नीति निर्माण करेगी, जिससे छोटे उद्यमों को वित्तीय सहायता, नए बाजारों तक पहुंच, व्यापार प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग मिल सके। इससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के छोटे व्यापारियों को समान रूप से लाभ मिलेगा। यह गणना पूरी तरह से डिजिटल होगी, जिससे न केवल कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि डेटा संग्रहण की गति भी तेज होगी।

योगी सरकार द्वारा गणना के लिए मल्टी-लेयर मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार किया जा रहा है।

इसमें जिलाधिकारी, जिला सांख्यिकी अधिकारी और आईटी एक्सपर्ट टीम शामिल होगी। आईटी एक्सपर्ट सिस्टम के जरिए डाटा की गुणवत्ता और सत्यता सुनिश्चित करेंगे।

इससे गांव और शहर के बीच का आर्थिक अंतर कम होगा। गांवों में छोटे उद्यमों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे ग्रामीण युवाओं को रोजगार मिलेगा। शहरी क्षेत्रों में स्टार्टअप और एमएसएमई को सशक्त किया जाएगा, जिससे स्थानीय उत्पादन को बल मिलेगा। आर्थिक नीतियों को समावेशी दृष्टिकोण से तैयार किया जाएगा, जिससे हर नागरिक को लाभ मिल सके।

भूटान नरेश और सीएम योगी ने संगम में लगाई पावन डुबकी

महाकुंभ के वैभव से अभिभूत हुए भूटान नरेश

महाकुंभ नगर, 04 फरवरी (एजेंसियां)। भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक ने मंगलवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संग त्रिवेणी संगम पर पवित्र डुबकी लगाई। भूटान नरेश नामग्याल वांगचुक सोमवार को ही लखनऊ पहुंचे थे, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। वहीं मंगलवार को नामग्याल वांगचुक के साथ मुख्यमंत्री प्रयागराज पहुंचे और संगम में आस्था की डुबकी लगाई। भूटान नरेश संगम में आस्था की डुबकी लगाने के बाद अक्षय वट और बड़े हनुमान मंदिर में भी दर्शन के लिए गये। दोनों नेताओं ने डिजिटल महाकुंभ अनुभूति केंद्र का भी दौरा किया।

सदी के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ-2025 में भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक भी गंगा, यमुना और सरस्वती के पावन संगम में पुण्य की डुबकी लगाने प्रयागराज पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें त्रिवेणी संगम पर विधिवत स्नान और पूजा-अर्चना कराई। जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक सोमवार को ही थिम्फू से लखनऊ पहुंचे थे, जहां सीएम योगी ने उनका स्वागत किया। संगम में स्नान-ध्यान के उपरांत भूटान नरेश और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अक्षयवट का दर्शन करने पहुंचे। इसके बाद दोनों नेताओं ने बड़े हनुमान जी के मंदिर में मत्था टेका। इसके बाद दोनों नेताओं ने बड़े हनुमान मंदिर के नजदीक बने डिजिटल महाकुंभ अनुभूति केंद्र पहुंचकर महाकुंभ के दिव्य-भव्य और डिजिटल स्वरूप का भी अवलोकन किया। भूटान नरेश का यह दौरा भारत-भूटान मित्रता एवं सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

महाकुंभ नगर में भूटान नरेश की आध्यात्मिक यात्रा के दौरान प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी और विष्णुस्वामी संप्रदाय की सतुआ बाबा पीठ के महंत जगद्गुरू संतोष दास (सतुआ बाबा) सहित अन्य गणमान्य मौजूद थे।

ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडेमिक अकाउंट रजिस्टर नहीं किया तो

रद्द हो जाएगी 90 मदरसों की मान्यता

बहराइच, 04 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत छात्रों को डिजिटल पहचान देने के लिए ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडेमिक अकाउंट रजिस्ट्री (अपार) आईडी कार्ड बनाने की प्रक्रिया में लापरवाही बरतने वाले बहराइच के 90 मदरसों की मान्यता रद्द करने के लिए शासन को पत्र भेजा गया है। प्रशासन ने 24 विद्यालयों को भी नोटिस जारी किया है, जिनकी मान्यता रद्द करने का निर्णय लिया गया है। जिले के अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी संजय मिश्रा ने बताया, जिले के सभी मदरसों को अपार आईडी बनाने के बारे में बार-बार सूचित किया गया था, लेकिन 301 मान्यता प्राप्त मदरसों में से 90 मदरसों ने अब तक कोई कदम नहीं उठाया है। ऐसे मदरसों की मान्यता रद्द करने के लिए शासन को पत्र भेजा गया है।

अपार आईडी बनाने को लेकर राज्य के माध्यमिक शिक्षा विभाग ने सख्त निर्देश दिए हैं। जिले में कुल 306 विद्यालयों के छात्रों की अपार आईडी बनाने का आदेश दिया गया है। जिला विद्यालय निरीक्षक मनोज कुमार अहिरवार ने कहा, शासन के निर्देशों के बावजूद कुछ विद्यालय इस काम में लापरवाही बरत रहे हैं। इनमें से 24 विद्यालय ऐसे हैं, जिन्होंने अब तक कोई भी छात्र की अपार आईडी नहीं बनाई। ऐसे विद्यालयों की मान्यता रद्द करने के लिए नोटिस जारी किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत शिक्षा मंत्रालय ने विद्यार्थियों को डिजिटल पहचान देने और उनके शैक्षिक प्रमाणपत्रों को एक जगह सुरक्षित रखने के लिए अपार (ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडेमिक अकाउंट रजिस्ट्री) आईडी कार्ड बनाने का आदेश दिया है। इस कार्ड के जरिए विद्यार्थियों के शैक्षिक दस्तावेज डिजिटल रूप से सुरक्षित रहते हैं।

यूपी के मदरसों में अब नहीं चलेंगी कामिल-फाजिल की कक्षाएं

लखनऊ, 04 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मदरसों में अब कामिल (स्नातक) और फाजिल (परास्नातक) की कक्षाएं संचालित नही होंगी। मदरसा शिक्षा परिषद ने प्रदेश के मदरसों में संचालित हो रहीं कामिल और फाजिल की कक्षाएं बंद करने के आदेश जारी किए हैं। पहले से पढ़ रहे विद्यार्थियों पर अभी तक शासन स्तर पर कोई निर्णय नहीं हुआ है। ऐसे में करीब 37000 छात्र-छात्राओं के बीच असमंजस की स्थिति है।

उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा परिषद की कामिल और फाजिल की डिग्री को यूजीसी से मान्यता नहीं थी। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने इन डिग्रियों को असंवैधानिक घोषित कर दिया था। शासन के निर्देश पर मदरसा शिक्षा परिषद ने कामिल और फाजिल पाठ्यक्रम में नए प्रवेश पर रोक लगा दी थी। कामिल और फाजिल की डिग्री की भाषा विश्वविद्यालय से संबद्धता का मामला शासन स्तर पर तय होने के बाद पहले से पढ़ रहे कामिल और फाजिल के विद्यार्थियों के भविष्य पर फैसला लिया जाना था। शासन स्तर पर निर्णय होने की स्थिति में बोर्ड ने अब मदरसों में चल रही कक्षाएं बंद करने का निर्णय लिया है।

बोर्ड के रजिस्ट्रार आरपी सिंह ने सभी जिलों को अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों को पत्र भेज कर कहा है कि कोर्ट से डिग्री असांविधानिक होने के बाद मदरसों में कामिल और फाजिल का पठन-पाठन या अध्यापन नहीं किया जा सकता है। न ही कक्षाएं संचालित की जा सकती हैं। रजिस्ट्रार ने बताया कि कामिल और फाजिल के विद्यार्थियों का मामला हाईकोर्ट में है। कोर्ट से निर्णय के बाद तय हो पाएगा कि आगे क्या किया जा सकता है। मदरसा बोर्ड से मान्यता प्राप्त और अनुदानित 16460 मदरसों में कामिल प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष में करीब 28000 छात्र-छात्राएं और फाजिल के प्रथम और द्वितीय वर्ष में करीब 9000 छात्र-छात्राएं शिक्षा हासिल कर रहे हैं। मदरसा एजुकेशनल एक्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद मदरसों में पढ़ रहे कामिल और फाजिल के करीब 37000 विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर बना असमंजस अब भी खत्म नहीं हुआ है।

बौद्ध महाकुंभ यात्रा का शुभारंभ

हिंदू और बौद्ध एक ही वटवृक्ष की शाखाएं: योगी

महाकुंभ नगर, 04 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रयागराज दौरे पर बौद्ध महाकुंभ यात्रा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी उपासना विधियों का एक मंच पर आना अभिनंदनीय है। हिंदू और बौद्ध एक ही वटवृक्ष की शाखाएं हैं। यदि ये एक ही मंच पर आ जाएं तो यह दुनिया में सबसे शक्तिशाली वटवृक्ष बनेगा जो उन्हें छांव भी देगा और उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित करेगा। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ने बौद्ध संतों और विद्वानों पर पुष्प वर्षा भी की। इससे पहले मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, भगवान बुद्ध ने दुनिया को करुणा और मैत्री का संदेश दिया। आज यदि भारत रहेगा तो भगवान बुद्ध का संदेश भी रहेगा।

कुछ लोग आज भारत को बांटने का षड्यंत्र कर रहे हैं, लेकिन इस तरह के आयोजनों से भारत विरोधी तत्वों की नींद हराम हो चुकी है। वह अलग-अलग माध्यमों से दुष्प्रचार कर रहे हैं, लेकिन सांच को आंच कहां। सत्य तो सत्य होगा। भगवान बुद्ध ने कहा था कि सत्य की अनुभूति की जाती है, सत्य को शब्दों में बयां करना मुश्किल होता है। इसी सत्य की अनुभूति आज यहां कोटि-कोटि संतों और श्रद्धालुओं को हो रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां एक तरफ यह महाकुंभ एकता का संदेश दे रहा है तो वही बहुत सारे लोगों को यह कार्यक्रम अच्छे नहीं लग रहे। 38 करोड़ श्रद्धालु कैसे प्रयागराज महाकुंभ में आकर आस्था की डुबकी लगा लिए हैं। भारत का डंका दुनिया में बजा दिया है।

इसने भारत विरोधी तत्वों की नींद हराम कर दी हैं।महाकुंभ का आयोजन एकता का संदेश देने का सबसे बड़ा माध्यम है।

यह आत्म साक्षात्कार का भी माध्यम है। इस महाकुंभ से यह संदेश पूरी दुनिया को जाना चाहिए। प्रसन्नता है कि आप लोग यहां पर आए, महाकुंभ के साक्षी बने और त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाकर एकता के संदेश को गांव गांव और घर घर तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। इस अवसर पर जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर अवधेशानंद गिरी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इंद्रेश कुमार समेत बौद्ध धर्म से जुड़े संत उप-स्थित थे।

महाकुंभ भगदड़ पर हेमा मालिनी का विवादित बयान

इतनी बड़ी घटना नहीं थी बढ़ा चढ़ाकर दिखाया

नई दिल्ली, 04 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की सांसद और प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री हेमा मालिनी ने कहा कि हाल ही में कुंभ में मची भगदड़ की घटना इतनी बड़ी नहीं थी जितना उसे बढ़ा चढ़ाकर दिखाया गया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का प्रबंधन बहुत अच्छी तरह से किया जा रहा है। 29 जनवरी मौनी अवमस्या के दिन महाकुंभ में मची भगदड़ में कई लोगों की मौत हो गई थी।

हेमा मालिनी ने कहा, हम भी कुंभ गए थे, हमने अच्छे से स्नान किया। हर तरफ अच्छा प्रबंधन था। हां कुछ वहां भगदड़ मची लेकिन इतना कुछ बड़ा नहीं हुआ था। इसे बढ़ा चढ़ाकर बताया गया। वहां बहुत सारे लोग आ रहे हैं। इतनी भीड़ को नियंत्रित करना कठिन होता है लेकिन हम अच्छे से मैनेज कर रहे हैं। भगदड़ के दिन ही हेमा मालिनी ने भी संगम में डुबकी लगाई थी। हेमा मालिनी से जब पूछा गया कि विपक्ष का कहना है कि इस भगदड़ में अधिक लोगों की मौत हुई है तो इस पर उन्होंने जवाब दिया कि वो कुछ भी कहें जो चाहते हैं। गलत बात करना उनका काम है। वहां सबकुछ सही है इसलिए प्रधानमंत्री मोदी भी जा रहे हैं स्नान करने।

महाकुंभ में डुबकी लगाएंगे पाकिस्तानी हिंदू

पाकिस्तान से आए श्रद्धुलओं को दिया गया 10 दिन का वीजा

480 पाकिस्तानी हिंदुओं की अस्थियां भी गंगा में होंगी प्रवाहित

महाकुंभ नगर, 04 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में अब पाकिस्तानी हिंदू भी पवित्र संगम में डुबकी लगाएंगे। कराची स्थित श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर के मुख्य सेवक महंत श्री रामनाथ महाराज अटारी सीमा से भारत पहुंचे। महंत रामनाथ पाकिस्तान में पिछले कुछ वर्षों में दिवंगत हुए 480 हिंदुओं की अस्थियां भी गंगा में विसर्जन के लिए भारत लेकर आए हैं। महंत ने बताया कि वह अस्थियों को हरिद्वार में विधि विधान से विसर्जित करने के बाद प्रयागराज में कुंभ स्नान भी करेंगे।

इन अस्थियों को गंगाजी में बहाने के लिए मंदिर अथव श्मशानघाट में कलश में सुरक्षित रखा गया था। संबंधित परिवारों की इच्छा थी कि इन अस्थियों को गंगा में प्रवाहित किया जाए ताकि सभी की आत्मा को शांति मिले। भारत सरकार की तरफ से इस कार्य के लिए दो साल पहले ही अनुमति दे दी गई थी। महंत श्री रामनाथ 2011 और 2016 में भी हिंदुओं की अस्थियों को प्रवाहित करने के लिए भारत ला चुके हैं। इस कार्य के लिए उन्हें भारत सरकार की ओर से 10 दिन का वीजा दिया गया है।

पाकिस्तानी हिंदुओं का एक समूह वाघा-अटारी बॉर्डर होते हुए 480 अस्थियां लेकर भारत आया है। ये अस्थियां पाकिस्तानी हिंदुओं के परिजनों की हैं जिनकी इच्छा थी कि ये गंगा नदी में ही प्रवाहित की जाएं। भारत आने वाले समूह में कराची के श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर के महंत रामनाथ मिश्रा भी हैं जो इस काज के लिए चुने जाने पर खुद को धन्य और सौभाग्यशाली मानते हैं। रामनाथ मिश्रा ने कहा, पाकिस्तान में कई हिंदुओं की इच्छा होती है कि उनकी मृत्यु के बाद उनकी अस्थियां गंगा में विसर्जित की जाएं। उनके परिजन उनकी यह अंतिम इच्छा पूरी करना चाहते हैं। ऐसे में अस्थियों को मंदिरों में कलश में सुरक्षित रखा जाता है। जब पर्याप्त संख्या में कलश इकट्ठे हो जाते हैं तो भारत का वीजा लेने का प्रयास किया जाता है। इस तरह मृतक या उनके परिवारों की अंतिम इच्छा पूरी होती है। हम लगभग 400 से अधिक अस्थि-कलश लेकर आए हैं। ये अस्थियां पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों से एकत्रित की गई हैं। इन्हें मोक्ष के लिए गंगा में विसर्जित किया जाएगा।

पाकिस्तान से आए श्रद्धालुओं के समूह को महाकुंभ के वक्त अस्थियां लेकर भारत आने का वीजा मिला। इनके पास अभी लखनऊ और हरिद्वार जाने का वीजा है, लेकिन इन्हें प्रयागराज जाने की अनुमति मिलने का भी इंतजार है। इसे पाकर वह न केवल लखनऊ और हरिद्वार घूमेंगे बल्कि प्रयागराज जाकर संगम में डुबकी भी लगाएंगे। पाकिस्तान से आई अस्थियां 4 से 21 फरवरी तक दिल्ली के सबसे पुराने और बड़े श्मशान घाट, निगम बोध घाट पर रखी जाएंगी। फिर यहां कई लोग आकर इन्हें श्रद्धांजलि देंगे और 21 फरवरी को वैदिक रीति-रिवाजों के साथ अस्थियों को हरिद्वार ले जाया जाएगा। 22 फरवरी को सीता घाट पर इनका विसर्जन होगा। इस दौरान 100 किलो दूध की आहुति दी जाएगी।

पाकिस्तान में लोग आर्थिक मजबूरी और अन्य वजहों के कारण अपने परिजनों की अस्थियां खुद भारत लाने में सक्षम नहीं होते।

ऐसे में उन्हें इंतजार रहता है कि कोई ऐसा मिले तो इस काम में उनकी मदद कर दे। वैसे उनके पास सिंधु नदी का विकल्प होता है मगर फिर भी कोशिश होती है कि अस्थियां गंगा में प्रवाहित की जाएं। यह तीसरी बार है जब पाकिस्तानी हिंदुओं की अस्थियां भारत लाई गई हैं। इससे पहले ऐसा साल 2011 और फिर साल 2016 में हुआ था। कराची मंदिर के संरक्षक रामनाथ ही 2011 में करीबन 135 अस्थियां और 2016 में 160 अस्थियां लेकर भारत आए थे। इनमें कुछ को तो 64 साल से संभालकर रखा गया था। इस बार 480 अस्थियां लाते हुए राम नाथ मिश्रा ने बताया कि उन्होंने अस्थियों को 8 साल से श्मशान में रखा हुआ था। जब सरकार से इन्हें भारत लाने की अनुमति दी तो उन्होंने सुरक्षा सुनश्चित करते हुए उन्हें सफेद प्लास्टिस जार में रख दिया था, फिर इनपर लाल रंग के ढक्कन लगाए गए थे।

योगी सरकार कर रही छात्रावासों का कायाकल्प

छात्रों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

लखनऊ, 04 फरवरी (एजेंसियां)। योगी सरकार प्रदेश में छात्रावासों के आधुनिकीकरण और सुधार के लिए बड़े कदम उठा रही है। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित प्रदेशभर के छात्रावासों में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने, स्वच्छता और सुरक्षा को प्राथमिकता देने के साथ ही आधुनिक सुविधाओं को जोड़ रही है। इसी कड़ी में प्रदेश के 8 जिलों के 15 छात्रावासों के कायाकल्प के लिए सरकार ने करीब 8 करोड़ की धनराशि जारी की है। इस छात्राव-ासों की बिल्डिंग का कायाकल्प के साथ इसमें गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मंशानुरूप आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं, जिससे वे शिक्षा पर बेहतर ध्यान केंद्रित कर सकें। इसी को ध्यान में रखते हुए, छात्रावासों में भोजन, स्वच्छ जल आपूर्ति, पुस्तकालय, वाई-फाई और खेलकूद जैसी सुविधाओं को अपग्रेड किया जा रहा है।

योगी सरकार छात्रावासों में साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, बेहतर खानपान और मूलभूत ढांचे के विस्तार पर जोर दे रही है। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राज्य में 15 छात्रावास पुराने और जर्जर अवस्था में हैं, जिन्हें नए रूप में विकसित करने के लिए विशेष बजट के रूप में 8 करोड़ रुपए की धनराशि आवंटित की गई है। इसके तहत सभी छात्रावासों में सीसीटीवी कैमरे, फर्नीचर, स्वच्छ शौचालय और नियमित मेंटेनेंस की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही, छात्रों की शिकायतों के निवारण के लिए हेल्पलाइन भी शुरू करने की योजना है, ताकि किसी भी समस्या का तुरंत समाधान हो सके।

योगी सरकार प्रदेश के 8 जिलों में जर्जर 15 छात्रावासों के भवनों और यहां मिलने वाली सुविधाओं को अपग्रेट कर रही हैं। इसमें गाजीपुर के 04 छात्रावास, कानपुर नगर के 03, अयोध्या के 02 और सुलतानपुर के 02 छात्रावास शामिल हैं। इसके अलावा संतकबीर नगर, चंदौली, कन्नौज, कौशाम्बी के एक-एक छात्रावासों का कायाकल्प किया जा रह है। बता दें कि प्रदेश में सरकार 261 छात्रावासों का संचालन कर रही है, जिनमें 178 छात्रावास बालकों के लिए और 83 बालिकाओं के लिए आरक्षित हैं। इन छात्रावासों में निःशुल्क सुविधाओं का लाभ पाकर हजारों विद्यार्थी अपने भविष्य को संवारने की ओर अग्रसर हैं। यह पहल वंचित और गरीब वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा के माध्यम से समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का एक सराहनीय प्रयास है।

संपादकीय

स्वास्थ्य बजट पर्याप्त नहीं

भारत में औसतन 10,000 लोगों पर मात्र 2-3 डॉक्टर ही हैं। देश में डॉक्टरों की किल्लत है। जो नए एम्स खड़े किए जा रहे हैं, उनमें डॉक्टरों के आधे से अधिक पद खाली पड़े हैं, क्योंकि योग्य और विशेषज्ञ डॉक्टरों का बहुत अभाव है। ऐसे में आगामी 5 सालों में 75,000 मेडिकल सीटों का सृजन महत्वपूर्ण घोषणा है। उनमें से 10,000 सीटें आगामी एक साल में ही सृजित करने का लक्ष्य तय किया गया है, लेकिन यह भी सवालिया है, क्योंकि विशेषज्ञ और वरिष्ठ चिकित्सक मेडिकल शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर आशंकित हैं। फिलहाल देश में 1.16 लाख मेडिकल सीटें हैं। नए बजट में 200 जिला अस्पतालों में कैंसर के डे-केयर सेंटर स्थापित करने की घोषणा भी बेहद मानवीय है, क्योंकि महानगरों को छोड़ दें, तो दूरदराज और कस्बाई इलाकों में कैंसर जैसी घातक बीमारी की जांच और उसके इलाज की बुनियादी सुविधाएं ही नहीं हैं। कैंसर के विशेषज्ञ डॉक्टर भी बहुत कम हैं। राजधानी दिल्ली में ही कैंसर अस्पताल में न तो नियमित डॉक्टर हैं और न ही जांच करने वाली मशीनें कार्यरत हैं। औसतन मरीज को 7-8 महीने बाद की तारीख दी जाती है। इतने अंतराल में मरीज की मौत भी संभावित है, लिहाजा 200 केंद्र खोलने की घोषणा महत्वपूर्ण है, लेकिन यह चरणबद्ध होनी चाहिए कि कब, कितने केंद्र खुलेंगे और बाकायदा सुचारू रूप से काम करना शुरू कर देंगे? यह भी गौरतलब सवाल है कि कैंसर केंद्रों का संचालन कैसे किया जाएगा? क्या उनका संचालन निजी भागीदारी के साथ होगा अथवा सरकार के स्तर पर ही तमाम बंदोबस्त किए जाएंगे? निजी अस्पतालों में कैंसर के इलाज की सुविधाएं तो हैं, लेकिन इलाज बेहद महंगा है। औसत व्यक्ति इतना पैसा खर्च करने में असमर्थ है। कुछ साल पहले इसी तर्ज पर जिला अस्पतालों में गुर्दा मरीजों के लिए डायलिसिस की सुविधा शुरू की गई थी। उसका फायदा काफी लोगों को मिला था। इसी तरह कैंसर के खिलाफ लड़ाई लड़ी जा सकती है। स्वास्थ्य बजट के राजनीतिक आयाम भी हैं। मोदी सरकार ने 'आयुष्मान भारत' योजना लागू तो कर रखी है, लेकिन उसका भी अद्र्धसत्य यह है कि सिर्फ सर्जरी के मामले में ही वह कार्ड मान्य है। यदि आप अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हैं, तो 'आयुष्मान' के जरिए इलाज नहीं करा सकते। 'आयुष्मान' की पात्रता के लिए भी कई शर्तें हैं, लिहाजा उन्हीं को यह सेवा उपलब्ध है, जो बिल्कुल वंचित जमात के हैं। विश्व बैंक के अनुसार, भारत में सरकार 50.2 फीसदी इलाज का ही खर्च उठाती है। शेष 49.8 फीसदी लोग अपनी जेब से ही इलाज कराने को विवश हैं। दिल्ली अद्र्धराज्य की सरकार 'मुफ्त स्वास्थ्य' के जुमले का शोर मचाती रही है, लेकिन सरकारी अस्पतालों में आम आदमी की स्थिति कीड़े-मकौड़े जैसी है। डॉक्टरों का व्यवहार बेहद रूखा है। शायद ही कोई अपवाद होगा, जिसका इलाज दिल्ली सरकार ने अपने खर्च पर निजी अस्पताल में कराया होगा! बहरहाल इन समस्याओं का बजट में अक्सर उल्लेख नहीं होता। बजट तो भारत सरकार की 'बैलेंस शीट' होती है। 2025-26 में स्वास्थ्य बजट 99,858 करोड़ रुपए आवंटित किया गया है। बीते वित्त वर्ष की तुलना में यह 8-9 हजार करोड़ रुपए अधिक है। यह पर्याप्त नहीं है। बजट में अनुसंधान पर भी विशेष फोकस किया गया है। चालू वित्त वर्ष में अनुसंधान विभाग का बजट 3301 करोड़ रुपए था। उसे बढ़ाकर 3900 करोड़ किया गया है। कुछ गंभीर बीमारियों की जीवनरक्षक दवाएं सस्ती करने की घोषणा की गई है, लेकिन असली दवाओं की उपलब्धता बेहद जरूरी है। लंबे अंतराल से बहस जारी है कि शिक्षा और स्वास्थ्य के बजट कमोबेश 6 फीसदी होने चाहिए। चूंकि मुद्रास्फीति बढ़ती रही है, लिहाजा बजट का कमोबेश 10 फीसदी स्वास्थ्य पर खर्च करना चाहिए। यह बजट 1 लाख करोड़ से भी कम है, जबकि कुल बजट 50 लाख करोड़ रुपए से अधिक का है। गणना कर लीजिए कि शिक्षा-स्वास्थ्य पर कितना बजट आवंटित किया गया है।

> नए बजट में 200 जिला अस्पतालों में कैंसर के डे-केयर सेंटर स्थापित करने की घोषणा भी बेहद मानवीय है, क्योंकि महानगरों को छोड़ दें, तो दूरदराज और कस्बाई इलाकों में कैंसर जैसी घातक बीमारी की जांच और उसके इलाज की बुनियादी सुविधाएं ही नहीं हैं। कैंसर के विशेषज्ञ डॉक्टर भी बहुत कम हैं। राजधानी दिल्ली में ही कैंसर अस्पताल में न तो नियमित डॉक्टर हैं और न ही जांच करने वाली मशीनें कार्यरत हैं। औसतन मरीज को 7-8 महीने बाद की तारीख दी जाती है। इतने अंतराल में मरीज की मौत भी संभावित है, लिहाजा 200 केंद्र खोलने की घोषणा महत्वपूर्ण है, लेकिन यह चरणबद्ध होनी चाहिए कि कब, कितने केंद्र खुलेंगे और बाकायदा सुचारू रूप से काम करना शुरू कर देंगे? यह भी गौरतलब सवाल है कि कैंसर केंद्रों का संचालन कैसे किया जाएगा? क्या उनका संचालन निजी भागीदारी के साथ होगा अथवा सरकार के स्तर पर ही तमाम बंदोबस्त किए जाएंगे? निजी अस्पतालों में कैंसर के इलाज की सुविधाएं तो हैं, लेकिन इलाज बेहद महंगा है।

भारत में मध्यमवर्गीय परिवार देश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता आया हैं

वित्तीय वर्ष 2025-26 का अग्रणी, पथप्रदर्शक एवं अतुलनीय बजट

प्रह्लाद सबनानी

> वित्तमंत्री द्वारा लोक सभा में पेश किया गया बजट अपने आप में पथप्रदर्शक, अग्रणी एवं अतुलनीय बजट कहा जा रहा है क्योंकि इस बजट के माध्यम से किसानों, युवाओं, महिलाओं, गरीब वर्ग एवं मध्यम वर्ग का विशेष ध्यान रखा गया है। पिछले कुछ समय से देश की अर्थव्यवस्था में विकास की गति कुछ धीमी पड़ती हुई दिखाई दे रही थी अत: विशेष रूप से मध्यम वर्ग एवं गरीब वर्ग के हाथों में अधिक धनराशि शेष बच सके ताकि वे विभिन्न उत्पादों को खरीदकर अर्थव्यवस्था में इनकी मांग बढ़ा सकें, ऐसा प्रयास इस बजट के माध्यम से किया गया है

दिनांक 1 फरवरी 2025 को केंद्र सरकार की वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए लोकसभा में बजट पेश किया। सीतारमन ने एक महिला वित्तमंत्री के रूप में लगातार 8वां बजट लोकसभा में पेश कर एक रिकार्ड बनाया है। वित्तमंत्री द्वारा लोक सभा में पेश किया गया बजट अपने आप में पथप्रदर्शक, अग्रणी एवं अतुलनीय बजट कहा जा रहा है क्योंकि इस बजट के माध्यम से किसानों, युवाओं, महिलाओं, गरीब वर्ग एवं मध्यम वर्ग का विशेष ध्यान रखा गया है। पिछले कुछ समय से देश की अर्थव्यवस्था में विकास की गति कुछ धीमी पड़ती हुई दिखाई दे रही थी अतः विशेष रूप से मध्यम वर्ग एवं गरीब वर्ग के हाथों में अधिक धनराशि शेष बच सके ताकि वे विभिन्न उत्पादों को खरीदकर अर्थव्यवस्था में इनकी मांग बढ़ा सकें, ऐसा प्रयास इस बजट के माध्यम से किया गया है। साथ ही, भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के उद्देश्य से रोजगार उन्मुख क्षेत्रों यथा कृषि क्षेत्र, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, निवेश, निर्यात एवं समावेशी विकास जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि इन्हें विकास के इंजिन के रूप में विकसित किया जा सके। भारत में मध्यमवर्गीय परिवार देश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देता आया हैं। हाल ही के समय में प्रत्यक्ष कर संग्रहण में व्यक्तिगत आयकर की भागीदारी कारपोरेट क्षेत्र से आयकर की भागीदारी से भी अधिक हो गई है। अतः मोदी सरकार से अब यह अपेक्षा की जा रही थी कि मध्यमवर्गीय परिवारों को बजट के माध्यम से कुछ राहत दी जाय। और फिर, मुद्रा स्फीति की सबसे अधिक मार भी गरीब वर्ग के परिवारों एवं मध्यमवर्गीय परिवारों पर ही पड़ती दिखाई देती है। केंद्रीय वित्तमंत्री ने मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से आयकर की वर्तमान सीमा को 7 लाख रुपए से बढ़ाकर 12 लाख रुपए कर दिया है। अर्थात अब 12 लाख रुपए तक की आय अर्जित करने वाले नागरिकों पर किसी भी प्रकार का आयकर नहीं लगेगा। वेतन एवं पेंशन पाने वाले नागरिकों को 75,000 रुपए की स्टैंडर्ड कटौती की राहत इसके अतिरिक्त प्राप्त होगी। इस वर्ग के करदाताओं को 12.75 लाख रुपए तक की वार्षिक आय पर कोई आयकर नहीं चुकाना होगा। इसके साथ ही, आय कर की दरों में भी परिवर्तन किया गया है।

अब 4 लाख रुपए तक की करयोग्य आय पर आयकर की दर शून्य रहेगी। 4 लाख रुपए से 8 लाख रुपए तक की करयोग्य आय पर आयकर की दर 5 प्रतिशत, 8 लाख रुपए से 12 लाख रुपए तक की कर योग्य आय पर आयकर की दर 10 प्रतिशत, 12 लाख रुपए से 16 लाख रुपए तक की कर योग्य आय पर आयकर की दर 15 प्रतिशत, 16 लाख रुपए से 20 लाख रुपए तक की कर योग्य आय पर आयकर की दर 20 प्रतिशत, 20 लाख रुपए से 24 लाख रुपए तक की कर योग्य आय पर आयकर 25 प्रतिशत एवं 24 लाख रुपए से अधिक की कर योग्य आय पर 30 प्रतिशत की दर से आयकर लागू होगा। मध्यमवर्गीय करदाताओं को उक्त सुधारों से लगभग 80,000 रुपए से 1.10 लाख रुपए तक की राशि की बचत होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस सुधार से कुल मिलाकर देश के बजट में एक लाख करोड़ रुपए की राशि कम प्राप्त होगी अर्थात मध्यमवर्गीय परिवारों को कुल एक लाख करोड़ रुपए की भारी भरकम राशि का लाभ होगा। और, यह लाभ लगभग 2 करोड़ करदाताओं को होने की सम्भावना है। इससे देश के मध्यमवर्गीय एवं गरीब परिवारों के हाथों अतिरिक्त राशि उपलब्ध होगी जिसे वे विभिन्न उत्पादों की खरीद पर खर्च करेंगे और देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में सहायक होंगे। मध्यमवर्गीय एवं गरीब परिवारों ने जितना सोचा था शायद उससे भी कहीं अधिक राहत उन्हें इस बजट के मध्यम से दी गई है। इसीलिए ही, इस बजट को अग्रणी, पथप्रदर्शक एवं अतुलनीय बजट की संज्ञा दी जा रही है। मध्यमवर्गीय एवं गरीब परिवारों को, आयकर में छूट देकर, दी गई राहत देते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि इससे बजटीय घाटा में वृद्धि नहीं हो। वित्तीय वर्ष 2024-25 में बजटीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.9 प्रतिशत रहने की सम्भावना पूर्व में की गई थी, परंतु अब संशोधित अनुमान के अनुसार यह बजटीय घाटा कम होकर 5.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना है। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए बजटीय घाटा 5.4 रहने का अनुमान लगाया गया है। अतः देश की वित्तीय व्यवस्था पर किसी भी प्रकार का विपरीत प्रभाव नहीं पड़ने जा रहा है। हां, पूंजीगत खर्चों में जरूर कुछ कमी रही है और वित्तीय वर्ष 2024-25 में 11.11 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च के अनुमान के विरुद्ध 10.18 लाख करोड़ रुपए का पूंजीगत खर्च होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। हालांकि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 11.12 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत खर्च की व्यवस्था बजट में की गई है। इस राशि को 11.11 लाख करोड़ रुपए से बढ़ाकर वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 15 लाख करोड़ रुपए किया जाना चाहिए था क्योंकि पूंजीगत खर्च में वृद्धि से देश में आर्थिक विकास की दर तेज होती है और रोजगार के नए अवसर निर्मित होते हैं। इस संदर्भ में एक रास्ता यह निकाला गया है कि केंद्र सरकार के उपक्रमों एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों से अपेक्षा की गई है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ये संस्थान भी अपने पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करें ताकि उनके द्वारा किए गए पूंजीगत खर्चों की राशि को मिलाकर कुल पूंजीगत खर्च को 15 लाख करोड़ रुपए से ऊपर ले जाया जाए। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के उद्देश्य से राज्यों के साथ मिलकर कृषि धन धान्य योजना को 100 जिलों में प्रारम्भ किया जा रहा है, इस योजना के माध्यम से इन जिलों में ली जा रही फसलों की उत्पादकता में वृद्धि करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। दलहन के उत्पादन में आत्म निर्भरता प्राप्त करने के लिए 6 वर्षीय मिशन चलाया जाएगा। किसान क्रेडिट कार्ड की ऋण सीमा को 5 लाख तक बढ़ाया जा रहा है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऋण सीमा को 5 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपए एवं स्टार्टअप के लिए ऋण की सीमा को 10 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपए किया जा रहा है। लेदर उद्योग में रोजगार के 22 लाख नए अवसर निर्मित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारत को खिलौना उत्पादन का अंतरराष्ट्रीय केंद्र बनाया जाएगा। यूरिया उत्पादन के क्षेत्र में भारत को आत्म निर्भर बनाया जाएगा।

दृष्टि कोण

क्यों कम हो रहे सरकारी स्कूलों में छात्र

सरकारी स्कूलों में हर वर्ष बच्चों की संख्या कम हो रही है। इससे जाहिर है कि शिक्षा की नीतियों में खामियां हैं जिन्हें समय रहते दूर किया जाना आवश्यक है। जब हम मकान बनाते हैं तो उसकी नींव पर खास ध्यान देते हैं कि नींव काफी मजबूत हो, ताकि उसके ऊपर बहुमंजिल खड़ी की जा सके। कमजोर नींव के ऊपर बहुमंजिल का निर्माण नहीं किया जा सकता। इसी तरह बच्चों की शिक्षा भी मजबूत आधार पर निर्भर है। यदि बच्चों की शिक्षा का आधार मजबूत होगा, तो इसका लाभ इन्हें आगे उच्च शिक्षा ग्रहण करने में मिलेगा। स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व शिक्षा के क्षेत्र में आम नागरिक कितना पीछे था, इसके लिए गुलामी के दिनों का इतिहास गवाह है। अंग्रेज उच्च विद्यालय तो दूर, प्राथमिक विद्यालय तक नहीं खोलना चाहते थे, ताकि हिंदोस्तानी ज्यादा पढ़े-लिखे न हो जाएं। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात शिक्षा के क्षेत्र में जो हमारा देश आगे बढ़ा, यह किसी से छिपा नहीं है, लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में कुछ समय उपरांत जो कमियां उभरी, वे भी कम नहीं थीं। आज सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं और हर प्रांत एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश कर रहा है। यह अच्छी बात है लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में जो भारी त्रुटियां हैं यह अच्छा संकेत नहीं है। जब नन्हा बच्चा पहली बार विद्यालय में प्रवेश करता है, तो इस सोच के साथ प्रवेश करता है कि मैं आज अपने माता-पिता के घर से व उनकी गोद से अलग होकर ऐसे घर में प्रवेश कर रहा हूं, जहां से मेरे जीवन के सुनहरे कल का उदय होगा व इस घर से शिक्षित होकर जीवन की मजबूत मंजिल की ओर बढूंगा और अपने जीवन के उदेश्यों की पूर्ति के अतिरिक्त समाज व देश की सेवा में भागीदार बनूंगा, अर्थात यही उस बच्चे का सपना भी है और अधिकार भी जो उसे एक समान मिलना चाहिए। हर बच्चे को एक समान शिक्षा मिलनी चाहिए, चाहे वह सरकारी स्कूल में पढ़ रहा है या निजी स्कूल में। लेकिन एक समान शिक्षा का अधिकार एक सपना बन कर रह गया है। ऊपर वाले ने तो सबको एक समान बनाकर पैदा किया, लेकिन पैदा होते ही हमारा विभाजन हो गया। अर्थात एक अमीर, दूसरा गरीब। अमीर तो अच्छी और उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम है, लेकिन गरीब बेचारा बेबस है। आज गरीब के बच्चे सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे हैं, तो अमीर के बच्चे दूसरे तामझाम वाले प्राइवेट स्कूलों में पढ़ रहे हैं। गरीब का बच्चा भी पहली कक्षा से ही अंग्रेजी व अंग्रेजी भाषा में विज्ञान और गणित विषय सीखना चाहता है। यदि प्राईवेट स्कूलों के अध्यापक कम वेतन मिलने के बावजूद अंग्रेजी भाषा में उक्त विषय पढ़ा सकते हैं, तो अच्छा वेतन लेने वाले व प्रशिक्षित राजकीय प्राथमिक पाठशालाओं के अध्यापक पहली कक्षा से बच्चों को अंग्रेजी व अंग्रेजी भाषा में विज्ञान और गणित विषय क्यों नहीं पढ़ा सकते? शिक्षा का आधार तो प्राइमरी स्कूलों में ही बनता है। यदि गरीब के बच्चे से वास्तव में ही सरकार को सच्ची हमदर्दी है, तो उसे भी वही शिक्षा प्रदान की जाए, जो शिक्षा एक अमीर, राजनेता व उच्चाधिकारी का बच्चा ग्रहण कर रहा है। आज गरीब के बच्चे भी शिक्षित होकर उच्च पदों पर विराजमान हैं। कभी रेलवे स्टेशन पर चाय बेचने वाला श्री नरेंद्र मोंदी आज विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत का प्रधानमंत्री है। तो एक गरीब परिवार में पैदा हुआ, हर कठिनाइयों का सामना करता हुआ आज श्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू हिमाचल प्रदेश का मुख्यमंत्री है। आज किसी भी अधिकारी, मंत्री व राजनेता के बच्चे सरकारी स्कूलों में नहीं पढ़ते। एक तरफ पांचवीं और आठवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं सरकार ने बंद कर दी और दूसरा आठवीं कक्षा तक कोई बच्चा फेल नहीं करना, अर्थात सभी बच्चे पास करने की प्रथा बनाई दी गई है। रही-सही कसर सतत समग्र मूल्यांकन प्रणाली ने पूरी कर दी। सरकारी स्कूलों के अध्यापकों के पास पढ़ाने के लिए सरकार ने समय ही कहां छोड़ा है। उसे राशन डिपुओं से खिचड़ी के लिए राशन भी लाना है, रोज खिचड़ी भी बनवानी है, बच्चों की वर्दी व किताबों का हिसाब भी रखना है व सतत समग्र मूल्यांकन प्रणाली के अधीन तमाम रजिस्टर भी रोज भरने हैं। इसके अतिरिक्त ढेर सारे और अन्य काम भी अध्यापकों को करने हैं, जैसे कि पंचायत चुनाव, विधानसभा व लोकसभा चुनाव, जनगणना व वोटर लिस्ट तैयार करना आदि अनेक कार्य। आठवीं कक्षा तक कोई बच्चा फेल नहीं करना व सतत समग्र मूल्यांकन प्रणाली का असर सरकारी स्कूलों में दसवीं व जमा दो के वार्षिक परीक्षा परिणामों में देखने को मिल रहा है। कई सरकारी स्कूलों में अध्यापक ही पूरे नहीं, ऐसे में परीक्षा परिणाम तो प्रभावित होंगे ही। तो दूसरी तरफ कई स्कूलों के भवन ही पूरे नहीं।

कुछ अलग

धर्मो रक्षति रक्षित

उनके इस तर्क से हतप्रभ होते हुए झुन्नू जी ने कहा कि आप आम लोगों के युवा और बेरोजगार बेटों से धर्म की रक्षा करने का आग्रह करते हैं। लेकिन आपके सभी बच्चे विदेशों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। सुना है कि आपका बड़ा बेटा पढ़ाई के बाद किसी विदेशी बैंक में नौकरी कर रहा है। आज के सत्ताधीशों के एकमात्र एजेंडे में सामाजिक ध्रुवीकरण क्यों है? शत्रुता और सांप्रदायिकता के अलावा कोई और बात क्यों नहीं करते। भुखमरी, लचर शैक्षणिक व्यवस्था, बदहाल स्वास्थ्य सेवाएं, बेरोजगारी, ईमान की तरह गिरती अर्थव्यवस्था, पलायन, औरतों और मजलूमों पर बढ़ते अत्याचार, अस्त-व्यस्त कानून-व्यवस्था, साम्प्रदायिकता जैसी समस्याओं को हल किए बिना धर्म की पताका कैसे लहरा सकती है। नेता जी हंसते हुए बोले, 'क्या आप यह चाहते हैं कि हम इन मुद्दों पर बात करें। आप पार्टी के पुराने कार्यकर्ता हैं और आप शहर के बुद्धिजीवियों में शामिल हैं। मुझे पता है कि आपसे हुई कोई चर्चा बाहर नहीं जाएगी। इसलिए आपसे क्या छिपाना। क्या आपको लगता है कि हमारी सरकार के किसी भी पदाधिकारी में इतनी काबिलियत है या उनकी ऐसी नीयत है कि वह आम लोगों, समाज और देश के बारे में कुछ सोच सके। जब हमने पिछले एक दशक के अपने शासन के दौरान किया ही कुछ नहीं तो लोगों से बताएं क्या? ऐसे में बेहतर तरीका है कि लोगों का ध्यान भटकाने के लिए या तो विपक्ष को गालियां दो, उनकी कमियां निकालो या आए दिन बेसिर पैर का कोई मुद्दा उछाल दो। लोगों का क्या, वे बेचारे भूखे पेट भी अपने मनोरंजन के लिए कोई न कोई जरिया ढूंढ ही लेते हैं। लोग सुनहरी भविष्य के सपने देखते हुए सुअर की तरह माटी में लोटते रहते हैं और हम सत्ता में बने रहते हैं। आपको क्या लगता है कि कल अगर विपक्ष सत्ता में आ गया तो लोग चांदी की कटोरी में दूध-बताशे खाएंगे? हमारे सत्ता में आने से पहले क्या देश स्वर्ग था। आम आदमी की किस्मत में जद्दोजहद ही लिखी है। फिर चाहे राज देसी रजवाड़ों का हो, मुगलों का हो, गोरों का हो या कालों का।' झुन्नू लाल निराश होते हुए बोले, 'लेकिन वास्तव में धर्म की परिभाषा तो 'धारयति इति धर्मः' होती है। धर्म वही जिसे धारा जा सके। आत्म के अलावा तो कोई और धर्म हो ही नहीं सकता।' यह सुनकर नेता जी पहले तो खूब हंसे। फिर गंभीर होते हुए बोले, 'झुन्नू लाल जी, तभी तो आप प्रतिभावान होते हुए झुन्नू ही रह गए। आपकी सारी उम्र लोगों और पार्टी की सेवा करते हुए निकल गई। मुझे देखिए। आपसे तीन दशक बाद राजनीति में आया और आज सांसद हूं। मंत्री बनने की लिस्ट में भी नाम शामिल है। राजनीति का एक ही धर्म होता है, सत्ता और सिर्फ सत्ता। उसके लिए चाहे फूट डालनी पड़े या किसी की जान लेनी पड़े। पार्टी चाहे कोई भी हो, बस कुरसी बनी रहनी चाहिए। क्या प्रदूषित गंगा और क्या गंदे नाले। कुरसी मिलते ही सब आब-ए-हयात हो जाते हैं। अब तो सत्ता कायम रखने के सौ सहारे हैं। तमाम तरह की जांच एजेंसियां हैं, चुनाव आयोग है, ब्यूरोक्रेसी है और आंखों की पट्टी खोल चुकी न्याय की देवी भी हमारे साथ है। धर्म की असली परिभाषा है- कुरसी पर काबिज रहना अर्थात 'धारयति इति सिंहासनः।' हमारे नेतृत्व का धर्म है- साम, दाम, दंड और भेद से सत्ता में बने रहना और हमारा धर्म है किसी भी कीमत पर अपने नेतृत्व के सिंहासन को कायम रखना। उसके लिए चाहे कोई भी कीमत क्यों न अदा करनी पड़े और यह कीमत हम अपनी जेब से तो चुकाते नहीं। लोगों की दमड़ी नहीं तो चमड़ी सही।'

देश दुनिया से

चुनौतियों के बीच विवेकपूर्ण बजट

जबकि पिछली दो तिमाहियों में जीडीपी वृद्धि में कमी, रुपए में गिरावट, मुद्रास्फीति जारी रहना, उपभोग में कमी, व्यापार घाटा बढना, विदेशी मुद्रा भंडार में कमी के कारण अर्थव्यवस्था की सेहत को लेकर चिंताएं व्यक्त की जा रही थीं। मध्यम आय वाले करदाताओं को कर राहत देने की मांग भी बढ़ रही थी। लेकिन, साथ ही देश की राजकोषीय सेहत भी काफी अच्छी स्थिति में थी, जिसमें राजकोषीय घाटा कम था, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों में उछाल, एनआरआई द्वारा बड़ी मात्रा में धन प्रेषण और चालू वित्त वर्ष में निजी निवेश की बढ़ती घोषणाएं इसका प्रमाण दे रही थीं। इससे वित्त मंत्री को छोटे करदाताओं, खासकर वेतनभोगी वर्ग को बड़ी राहत देने और लगभग एक लाख करोड़ रुपए के कर राजस्व और 12 लाख सालाना या कहें कि एक लाख रुपए मासिक आय को आयकर से मुक्त करने का विकल्प चुनने का मौका मिल सका। बजट 2025-26 की एक और महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें कॉर्पोरेट टैक्स को लगभग अछूता छोड़ दिया गया है। बजट में उल्लेखनीय बात यह है कि मध्यम वर्ग को एक लाख करोड़ रुपए की राहत के बावजूद बजट का आकार 50 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। बजट घोषणाओं में एक महत्वपूर्ण बात यह देखी गई कि विनिर्माण को बढ़ावा दिया जा रहा है। हालांकि, विनिर्माण को बढ़ावा सिर्फ एक या दूसरे क्षेत्र तक सीमित नहीं है, लेकिन सबके साथ स्वच्छ तकनीक विनिर्माण में भी स्पष्ट रूप से बढ़ावा देखा जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में, इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर पैनलों, पवन ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन के लिए ऊर्जा और प्रौद्योगिकी के अन्य नवीकरणीय स्रोतों को बढ़ावा दिया गया है। इस बजट में लिथियम बैटरी, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मोटर और अन्य स्वच्छ तकनीक विनिर्माण को बढ़ावा देकर स्वच्छ तकनीक मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करने का प्रयास किया गया है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि आयातित बैटरियों, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मोटर और सौर सेल पर हमारी अत्यधिक निर्भरता के कारण हमारा आयात बिल बढ़ रहा है और भविष्य में आयातित घटकों पर हमारी निर्भरता के कारण भविष्य में देश का शोषण भी हो सकता है। इसलिए, यह बजट आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा दे रहा है और देश को विदेशियों के शोषण से बचा रहा है। एमएसएमई के लिए राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन, स्टार्टअप के लिए विभिन्न योजनाएं, भारत को दुनिया का खिलौना हब बनाने के लिए खिलौना उद्योग को प्रोत्साहन आदि घोषणाएं उल्लेखनीय हैं। हालांकि, बजट पर चर्चा में मखाना बोर्ड पर बहुत अधिक बात हो रही है, जो बिहार में किसानों की आय को बहुत जरूरी सहायता प्रदान कर सकता है। दालों में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रयास, कपास मिशन और कृषि के लिए कई अन्य योजनाएं भी कम सराहनीय नहीं हैं। शायद, निर्मला सीतारमण यह कहने में सही हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में पलायन एक विकल्प बन सकता है, लेकिन सरकार के प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में आय में वृद्धि के साथ यह अब एक मजबूरी नहीं रहेगी। देश के सामने ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में शहरी क्षेत्रों में सापेक्ष आय में कमी की एक बड़ी चुनौती है। आर्थिक सर्वेक्षण ने सुझाव दिया कि ग्रामीण और शहरी आबादी के बीच में एमपीसीई (मासिक प्रतिव्यक्ति खर्च) का अंतर 84 प्रतिशत से घटकर 70 प्रतिशत हो गया है। यह ग्रामीण सडक़ों, आवास, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन, पानी, बिजली, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता और कई अन्य कल्याणकारी योजनाओं पर बढ़ते खर्च के कारण संभव हुआ है। बजट के प्रावधान इस प्रवृत्ति को आगे बढ़ाने वाले हैं। बजट 2025-26 ग्रामीण आय को बढ़ाने के लिए बहुत कुछ करता है। किसान क्रेडिट कार्ड की 5 लाख तक उच्च सीमा, कृषि को बढ़ावा, खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा और ग्रामीण आय बढ़ाने के लिए कई अन्य प्रयास ग्रामीण-शहरी असमानताओं को कम करने में एक लंबा रास्ता तय कर सकते हैं। स्वास्थ्य उपकरणों के लिए प्रोत्साहन, मेडिकल कॉलेजों में सीटें बढ़ाना, केंद्रीय बजट 2025-26 में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के लिए 98311 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जो विकास के लिए एक महत्वपूर्ण बढ़ावा देने का संकेत देते हैं, जिसमें जीवन रक्षक दवाओं पर सीमा शुल्क छूट और डेकेयर कैंसर केंद्रों की स्थापना जैसे प्रमुख उपाय कुछ आवश्यक कदम हैं, जो इस बजट में उठाए गए हैं। पीएम रिसर्च फेलोशिप योजना के तहत 10 हजार छात्रवृत्तियों की घोषणा स्वागतयोग्य पहल है, लेकिन भारत की शिक्षा प्रणाली की मूलभूत कमियों को संबोधित नहीं करती है। हालांकि कौशल विकास कार्यक्रम महत्वपूर्ण हैं, लेकिन वे गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की आवश्यकता की जगह नहीं ले सकते। सरकार को आलोचनात्मक सोच, अनुसंधान और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करते हुए शिक्षा के मूलभूत पहलुओं को मजबूत करने को प्राथमिकता देनी चाहिए। उच्च शिक्षा में पर्याप्त सुधारों के बिना, कौशल विकास कार्यक्रम उद्योग की जरूरतों और कार्यबल क्षमताओं के बीच अंतर को पाटने में अपर्याप्त रहेंगे। इलेक्ट्रिक कारों को सस्ता करने से पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलेगी। मोबाइल सस्ता हो रहा है। इससे करोड़ों उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। रोगियों के लिए भी सरकार ने अच्छे इंतजाम किए हैं। आवश्यक दवाएं सस्ती हो जाएंगी। साथ ही कपड़ा भी सस्ता हो जाएगा। इससे भी करोड़ों लोगों को लाभ मिलेगा। एलईडी आदि भी अब सस्ते हो जाएंगे। इससे भी लोगों को राहत मिलेगी। हालांकि, यह भी सच है कि बजट की सफलता कार्यान्वयन पर निर्भर करती है। युवाओं को रोजगार देने की भी कोशिश की गई है, हालांकि प्राइवेट सेक्टर को भी प्रोत्साहन देकर ही बेरोजगारी की समस्या का समाधान हो सकता है।

आप का नजरिया

अल्लाह विभाग को मेघ दे

विभागीय कसौटियों में अब सतसंग, लोक परंपराएं और धार्मिक मान्यताएं भी शरीक होने लगी हैं। यह कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग के दायित्व में हो, तो इसके उद्देश्य समझे जा सकते हैं, लेकिन जल शक्ति विभाग भी अगर पानी के लिए मंदिरों में अरदास करता दिखे, तो योजनाओं पर किए गए हस्ताक्षर गौण हो जाएंगे। धर्मशाला के जल शक्ति विभाग का सारा कुनबा इंद्रु नाग की शरण में दंडवत है, क्योंकि अब तक सारी परियोजनाएं बहते पानी में हाथ धोती रहीं। न जल संरक्षण की कोई प्राथमिकता और न ही जलापूर्ति संरचना की कोई वैज्ञानिक या आवश्यकता के अनुरूप स्थायी बंदोबस्त। प्रकृति मेहरबान रहे, बारिशें होती रहें और पहाड़ पर बर्फबारी का प्रबंध दैवीय शक्ति से होता रहे, तो जलशक्ति विभाग, इस प्रचुरता के साक्ष्यों में अपने फर्ज की 'गुड बुक' में रहना पसंद करता है। हमारी जलापूर्ति का आधार प्राकृतिक जल स्रोतों के सीधे बहाव और गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत पर पहाडियों से नीचे बहने का मुहाना है। ऐसे में प्रकृति के व्यवहार व जलवायु परिवर्तन की मार से पैदा हो रही प्रतिकूल प्रतिस्थितियों में जलशक्ति विभाग ने आखिर कौन सा नवाचार किया। ईश्वर का फरियादी बन कर आखिर इंद्रुनाग बरसेंगे भी कितनी बार, क्योंकि वहां आम इनसान तो पहले से खड़ा है। किसी को खेती के लिए पानी चाहिए, तो कोई बच्चों की शादी या पारिवारिक समारोह के दौरान आसमान को बादलों से दूर रखने की मन्नत मांग रहा है। हम चाहेंगे कि इंद्र देवता खूब बरसें, समय-समय पर नियमितता के साथ बरसें, लेकिन यह मन्नत है भविष्य की तैयारी नहीं। खासतौर पर जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच जलशक्ति विभाग की तैयारी यह तो कतई नहीं हो सकती कि हर मुसीबत के वक्त ईश्वरीय शक्ति को परीक्षा में डाला जाए। जनवरी में 85 प्रतिशत कम बरसे हैं मेघ, तो कृषि, बागबानी और जलशक्ति विभाग की तत्परता भी कहीं पानी लाने गई है। प्रदेश में बर्फबारी का पैटर्न बुरी तरह बदल रहा है और पिछले कुछ दशकों में मौसम की सफेदी ने खुद को तीस फीसदी कम पर समेट लिया, लेकिन क्या कोई सर्वेक्षण या शोध जलशक्ति विभाग ने किया। राजस्थान में तो बर्फाच्छादित पहाड़ नहीं होते, फिर भी वहां की जनता पानी पीती है। इस अंतर को समझना होगा। हमने कौन सा ऐसा बांध बनाया जो पेय जल आपूर्ति का शक्ति स्रोत बना। हमारी परंपराओं में पेय जल आपूर्ति सामुदायिक व्यवहार की शक्ति रही है। हमीरपुर के साथ मंडी और कांगड़ा के कुछ इलाकों में खातरियों के जरिए प्यास को सारा साल बुझाया जाता रहा है, तो हर गांव ने जलसंरक्षण की अवधारणा में प्राकृतिक स्रोतों को परिष्कृत किया। आश्चर्य यह कि मनरेगा के बजट और दिहाड़ी ने प्राकृतिक जलस्रोत ही सुखा दिए। यह दीगर है कि धूमल सरकार ने वाटर हार्वेस्टिंग का संकल्प लेकर ग्रामीण एवं शहरी प्लानिंग का उद्घोष किया, लेकिन राजनीतिक बदलाव ने ये पन्ने फाड़ दिए और संबंधित विभाग भूल गए कि यह वक्त की जरूरत है। ग्रामीण एवं शहरी विकास विभाग, नगर नियोजन और जलशक्ति विभाग अगर वाटर हार्वेस्टिंग की दिशा में कुछ कर पाते, तो हर गांव और शहर का जल कोष स्थापित होता। आश्चर्य यह कि नवनिर्माण के पंजों ने नदी-नालों और कूहलों तक को नहीं बख्शा।

मां ने मासूम को छोड़ा समुद्र किनारे, लहरों ने बच्चे को अपनी आगोश में लिया सूचना पर पुलिस ने किया मां को गिरफ्तार, कोर्ट ने सुनाई कठोर सजा

फ्लोरिडा, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

मां नाम आते ही ममता की तस्वीर सामने आ जाती है। मां अपने बच्चों की खातिर जाने क्या-क्या करती है और उनके लिए दुनिया से लड़ जाती है। वहीं एक ऐसा मां जिसने अपने एक साल के बेटे को समुद्र के किनारे छोड़ दिया, जिससे वह पानी में डूबने लगा जिसे एक राहगीर ने बचाया।

जानकारी के मुताबिक उस महिला पर बच्चे के प्रति लापरवाही को लेकर केस चला और महिला को नवंबर में बाल शोषण और बच्चे को अवैध रूप से छोड़ने का दोषी पाया गया और उसे 15 साल की सजा सुनाई गई। मिशिगन की 38 वर्षीय महिला को पुलिस ने तब गिरफ्तार किया जब उसके बड़े बेटे ने अपने छोटे भाई को लेकर चिंता जताई, जिसे बाद में फ्लोरिडा के डेटोना बीच पर पाया। फ्लोरिडा कोर्ट की जज ने बच्चे की देखभाल करते समय मारिजुआना, शराब और संभवत: मेथ का इस्तेमाल कर रही थी। बच्चा समुद्र की लहरों में चला गया और उसे बचाया नहीं जाता तो वह डूब सकता था। कोर्ट में मिशेल के बचाव वकील ने दावा कि महिला मानसिक बीमारी से गुजर रही थी।

बताया गया है 8 नवंबर, 2023 को, मिशेल को आधी रात को अपने छोटे बच्चे के साथ समुद्र तट पर चलते हुए देखा गया। पांच मिनट बाद, वह उसी स्थान से गुजरी जहां उसे सर्विलांस कैमरे में देखा गया था, लेकिन इस बार उसके साथ बच्चा नहीं था। फिर महिला के बड़े बेटे ने पुलिस को कॉल किया। रिपोर्ट के मुताबिक एक अजनबी ने बच्चे को समुद्र में डूबने से पहले ही बचा लिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि बच्चे को बचाने वाले शख्स ने पुलिस को बताया कि बच्चा पानी में अपने हाथों और घुटनों पर था। उसके हाथ रेत में उसकी कलाई तक धंसे हुए थे और लहरें उसके सिर से टकरा रही थीं अगर वह वहां नहीं पहुंचता तो बच्चे के साथ बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। जब पुलिस वहां पहुंची, तो लड़के की सांसें धीमी चल रही थीं और वह कोई रिएक्शन नहीं दे रहा था। अस्पताल ले जाया गया और इलाज के बाद पूरी तरह से ठीक हो गया।

न्यूज ब्रीफ

सही आहार के द्वारा नियंत्रित किया जा सकता है इंफ्लामेशन को

लंदन। लगातार इंफ्लामेशन (सूजन) के कारण बदन दर्द, स्किन की परेशानियां और सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा, यह गंभीर बीमारियों जैसे डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज और मोटापे का कारण बन सकता है। हालांकि, सही आहार के द्वारा इस इंफ्लामेशन को नियंत्रित किया जा सकता है, लेकिन हमारी रोज की आदतें इस समस्या को बढ़ा भी सकती हैं। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, खाने के दौरान टीवी देखना, व्हाट्सएप चलाना या सोशल मीडिया का इस्तेमाल शरीर में इंफ्लामेशन को बढ़ाता है। इसलिए, खाने के समय इन सभी गतिविधियों से बचना चाहिए, क्योंकि ये कोशिकाओं में इंफ्लामेशन को उत्पन्न कर सकते हैं। इस समस्या से बचने के लिए डॉक्टर अक्सर एंटी-इंफ्लामेटरी फूड्स का सेवन करने की सलाह देते हैं। हरी पत्तीदार सब्जियां, ताजे फल, सीड्स, हल्दी और चुकंदर जैसे खाद्य पदार्थ इंफ्लामेशन को कम करने में मदद करते हैं। इन खाद्य पदार्थों में एंटी-इंफ्लामेटरी गुण होते हैं, जो शरीर में सूजन को घटाते हैं। इसके अलावा, केवल एंटी-इंफ्लामेटरी डाइट से इंफ्लामेशन पूरी तरह से समाप्त नहीं हो सकता। इसके लिए आपको कुछ अन्य बदलाव भी करने होंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि साबुत अनाज, हेल्दी फैट्स, फाइबर, और पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करना जरूरी है। साथ ही, प्रोसेस्ड फूड, ज्यादा चीनी, नमक और अनहेल्दी फैट से बचना चाहिए। तनाव भी शरीर में इंफ्लामेशन को बढ़ाता है। सी वी एश्वर्या के अनुसार, तनाव के दौरान शरीर में सूजन की समस्या और बढ़ जाती है। इसलिये, तनाव को नियंत्रित करना आवश्यक है, और इसके लिए योग और ध्यान को अपनी दिनचर्या में शामिल करना लाभकारी होता है।

अरबपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे हमेशा अपने पास रखते हैं सस्ता काला बैग वजह चौंकाने वाली

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव कैम्पेन में एक प्रमुख चेहरा उनके बेटे बैरन ट्रंप थे। बैरन को अक्सर इस बैग के साथ देखा जाता है, और एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसके पीछे एक खास वजह है। टिक टॉक वीडियो में बताया गया है कि वह इस खास बैग को सार्वजनिक रूप से क्यों लेकर चलते हैं, और इसकी वजह आपको हैरान कर सकती है। हॉट स्टार्स स्टोरीज द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में कंटेंट क्रिएटर ने खुलासा किया, बैरन ट्रंप हमेशा लगभग 7500 रुपए का काला स्कूल बैग क्यों लेकर चलते हैं अरबपति ट्रंप के बेटे और भविष्य के उत्तराधिकारी के रूप में, बैरन की कीमत करोड़ों डॉलर है, लेकिन वह हमेशा एक सस्ता काला स्कूल बैग लेकर चलते हैं। इससे पहले बैरन ने अपनी हाइट के कारण सुर्खियां बटोरी हैं, अक्सर उन्हें अपने माता-पिता से भी ऊंचा देखा जाता है, चाहे वह फोटो में हो या पब्लिक ईवेंट में। बैरन की असल हाइट को लेकर काफी अटकलें हैं, ट्रंप ने खुद भी कई बार अलग-अलग आंकड़े बताए हैं, लेकिन माना जाता है कि उनकी हाइट 6 फीट 7 इंच है, जो उनके पिता से काफी ज्यादा है। हालांकि, सिर्फ उनकी ऊंचाई ही नहीं, बल्कि उनका काला बैग भी लोगों का ध्यान खींच रहा है। उन्होंने आगे लिखा, बैरन ने बचपन से ही एक शानदार जीवन जिया है। उन्हें मेलानिया ने पाला है, और बचपन से ही उन्हें आराम और समृद्धि मिली है। हालांकि, कोई नहीं मानेगा कि ट्रंप के गाइडेंस में, बैरन असल में पर्सनल लाइफ में बहुत कम खर्च करने वाले शख्स हैं।

तालिबान के खिलाफ पाकिस्तान का प्लान नया आतंकी संगठन कर रहा तैयार

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान के साथ रिश्ते खराब होने के बाद पाकिस्तान ने अपनी रणनीति बदल दी है। उसने तालिबान को सबक सिखाने के लिए आतंकवादी संगठन को मजबूत करने का फैसला किया है। इस आतंकवादी संगठन का नाम आईएसकेपी है। पाकिस्तानी सुफिया एजेंसी आईएसआई इस संगठन को नए लड़ाके मुहैया करवाएगी। इसके निशाने पर तालिबान अफगान और भारत होंगे। अपने नए प्लान को लेकर पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई के अधिकारी निर्वासित अफगान नेताओं से मुलाकात करेंगे। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि आईएसआई के खुफिया अधिकारियों ने आईएसकेपी के बड़े आतंकवादियों से संपर्क किया है। इस दौरान इनको समझाया गया कि यदि तालिबान अफगान द्वारा अफगानिस्तान से भगाए गए पुराने अफगान नेताओं को अपने साथ मिला ले तो आतंक का एक नया इतिहास शुरू हो सकता है।

ट्रंप ने मैक्सिको व कनाडा पर लगाए गए टैरिफ को 30 दिनों के लिए टाला

वाशिंगटन, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

मैक्सिको के बाद अमेरिका ने कनाडा पर भी टैरिफ लगाने के फैसले को 30 दिनों के लिए टाल दिया है। यह निर्णय तब लिया गया जब दोनों देशों ने सीमा सुरक्षा को और मजबूत करने पर सहमति जताई। ट्रम्प ने दो दिनों पहले मैक्सिको और कनाडा पर 25-25 फीसदी और चीन पर 10 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी।

इस फैसले के करीब 24 घंटे बाद ही ट्रम्प ने मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम से बातचीत के बाद टैरिफ को एक महीने के लिए टालने पर सहमति जता दी। चीन से आयात पर लगाए गए टैरिफ फिलहाल जारी रहेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि कनाडा सीमा के जरिये अमेरिका में आने वाली फेंटानिल जैसी अवैध ड्रग्स रोकने के लिए कदम उठाने के बाद टैरिफ 30 दिनों तक रोकने का निर्णय लिया गया है। इससे पहले कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने ट्रम्प से फोन पर बातचीत के दौरान फेंटेनाइल की तस्करी रोकने के लिए विशेष जांच दल नियुक्त करने का वादा किया।

ट्रूडो ने एक्स पर साझा किए गए पोस्ट में बताया है कि उन्होंने ट्रम्प से की गई बातचीत में सीमा सुरक्षा बढ़ाने का वादा किया, जिसके बाद ट्रम्प ने टैरिफ को टालने की बात पर सहमति जताई। ट्रूडो ने बॉर्डर सिक्योरिटी के लिए 1.3 अरब कनाडाई डॉलर खर्च करने के वादा किया है। ट्रम्प ने इसकी पुष्टि करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर लिखा, कनाडा ने सुनिश्चित किया है कि अमेरिका के साथ लगी इसकी उत्तरी सीमा सुरक्षित होगी। पहले सोमवार को मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से बातचीत के बाद मैक्सिको पर लगाए गए टैरिफ को एक महीने के लिए टाल दिया गया है।

मैक्सिको की राष्ट्रपति शिनबाम ने सोशल मीडिया पर लिखा कि फेंटेनाइल जैसी नशीली दवाओं की तस्करी रोकने के लिए मैक्सिको 10 हजार नेशनल गार्ड को सीमा पर तैनात करेगा। इसके साथ ही मैक्सिको की राष्ट्रपति ने कहा कि दोनों देश सुरक्षा और व्यापार पर वार्ता जारी रखेंगे और टैरिफ को अब एक महीने के लिए टाल दिया गया है।

ट्रंप लगातार दे रहे टेंशन- भारत के कई प्रोजेक्टस पर मंडराने लगा खतरा

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश आए दिन दुनिया के लिए टेंशन बन रहे हैं। अमेरिका की यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) के जरिए की गई सख्ती की जद में भारत आ सकता है। डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने कई देशों के लिए विदेशी मदद के दरवाजे बंद करने शुरू कर दिए हैं। अब इस लिस्ट में भारत का नाम भी शामिल हो सकता है। यह अमेरिका की नई वैश्विक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें विकासशील देशों को दी जाने वाली सहायता को कड़ी समीक्षा के बाद मंजूरी दी जाएगी। यूएसएआईडी की वेबसाइट के मुताबिक, जनवरी 2021 तक यह एजेंसी भारत में छह राज्यों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों को सहयोग दे रही थी। इसके अलावा, स्वच्छ पेयजल, सैनिटेशन और हाइजीन से जुड़े प्रोजेक्ट्स में भी इसका योगदान रहा है। साथ ही, राज्य सरकारों और निजी एजेंसियों के साथ मिलकर लैंगिक हिंसा रोकने और दिव्यांगों के सशक्तिकरण से जुड़े कामों को भी फंडिंग मिल रही थी। अब जब इन प्रोजेक्ट्स पर यूएसएआईडी की मदद बंद हो रही है, तो कई संगठनों को अपना काम धीमा या बंद करना पड़ सकता है। ट्रंप की नीतियों के चलते भारत में चल रही अपनी तमाम सहायता परियोजनाओं को अस्थायी रूप से रोक दिया है। इस फैसले के बाद उन संगठनों में हलचल मच गई है, जो अमेरिकी फंडिंग के सहारे सामाजिक और विकास कार्यों को अंजाम दे रहे थे।रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा मार स्वास्थ्य क्षेत्र पर पड़ने की आशंका है। अब तक यूएसएआईडी के पैसों से जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं को तकनीकी सहयोग मिलता रहा है। इसके अलावा, शिक्षा, लैंगिक समानता और जलवायु परिवर्तन से जुड़े कई अहम प्रोजेक्ट भी इस रोक से प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि, भारत में यूएसएआईडी का दायरा सीमित है, लेकिन ग्लोबल लेवल पर विदेशी सहायता में कटौती का असर भारतीय एनजीओ पर भी साफ दिखने लगा है। यूएसएआईडी ने अपने साझेदार संगठनों और सरकार के साथ मिलकर काम करने वाली संस्थाओं को खर्च को न्यूनतम रखने के निर्देश दिए हैं। साफ कहा गया है कि जब तक समझौता अधिकारी यूएसएआईडी की तरफ से लिखित मंजूरी नहीं मिलती, तब तक परियोजनाओं को फिर से शुरू नहीं किया जा सकता। सूत्रों की मानें तो 90 दिनों की समीक्षा अवधि तय की गई है। यानी यह रोक पूरी तरह से स्थायी नहीं है, लेकिन इस अनिश्चितता की वजह से विकास कार्यों में लगी संस्थाएं घबराई हुई हैं।

जिनपिंग से बात करेंगे ट्रंप, दूसरे देशों की तरह चीन को भी मिलेगी राहत

वाशिंगटन, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

पिछले दिनों चीन पर 10 फीसदी टैरिफ की घोषणा के बाद यह पहली बार होगा जब ट्रंप जिनपिंग से बात करेंगे। मैक्सिको और कनाडा को ट्रंप से बातचीत के बाद राहत मिल गई है। अब चीन को भी राहत की उम्मीद रहेगी। व्हाइट हाउस ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले कुछ दिनों में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बात करेंगे। बता दें कि ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको के ऊपर भी टैरिफ लगाए थे। हालांकि दोनों देशों के राष्ट्रप्रमुखों से बातचीत के बाद उन्हें कुछ राहत मिली है। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लॉडिया शिनबाम ने ट्रंप से बातचीत की। शिनबाम ने एक्स पर लिखा कि मैक्सिको तुरंत नेशनल गार्ड के 10,000 सदस्यों की तैनाती के साथ उत्तरी सीमा को मजबूत करेगा, ताकि मैक्सिको से अमेरिका में फेंटेनाइल सहित मादक पदार्थों की तस्करी को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि अमेरिका भी मैक्सिको में शक्तिशाली हथियारों की तस्करी रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। मैक्सिको की राष्ट्रपति ने कहा कि दोनों देश सुरक्षा और व्यापार पर बातचीत जारी रखेंगे। वहीं, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भी ट्रंप से बात की है। उन्होंने इस बातचीत को अच्छा बताया है। अमेरिका ने कनाडा को भी टैरिफ के मामले में 30 दिन की राहत दी है।

चीन को लेकर डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को बयान जारी किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि चीन उनके यहां फेंटानाइल भेजना बंद कर देगा। ट्रंप ने आगे कहाकि अगर चीन ऐसा नहीं करता है तो फिर टैरिफ की दर और ऊंची हो सकती है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र में चीनी राजदूत फू कांग का भी बयान है। उन्होंने कहा है कि दो हफ्ते में होने वाली सुरक्षा परिषद की बैठक दोनों देशों के लिए काफी अहम हो सकती है। इस बैठक में चीनी विदेश मंत्री वांग यी और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो द्विपक्षीय मुद्दों पर बातचीत कर सकते हैं। फू ने कहाकि अमेरिकी राजनीतिज्ञों से तमाम बातें सुनने के बाद भी मुझे उम्मीद है कि इस मामले में हम कुछ रचनात्मक कर सकते हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में प्रोफेशनल अप्रोच पर जोर देने की बात कही। साथ ही यह भी कहाकि बहुत कुछ दांव पर लगा है। चीनी राजनयिक ने यह भी कहाकि ट्रंप का टैरिफ लगाने का फैसला सही नहीं है।

इससे डब्लूटीओ के नियमों का उल्लंघन किया है। इसीलिए चीन डब्लूटीओ में शिकायत दर्ज करा रहा है। फू ने पर्यावरण में हो रहे बदलाव, ड्रग्स, आतंकवाद और एआई के खिलाफ लड़ाई में द्विपक्षीय सहयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहाकि मुझे लगता है कि चीन और अमेरिका साथ काम करके कई समस्याओं को सुलझा सकते हैं। यह दोनों देश मिलकर इस दुनिया को और बेहतर बना सकते हैं।

विमान हादसा : 67 में से 55 मृतकों की हुई पहचान

रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास पोटोमैक नदी से उस वाणिज्यिक जेट का बड़ा हिस्सा हटा लिया गया, जो पिछले सप्ताह हुई एक टक्कर में शामिल था। इस टक्कर में 67 लोग मारे गए थे। अब तक 67 मृतकों में से 55 की पहचान हो चुकी है।अधिकारियों ने कहा कि विमान को हटाने में कई दिन लगेंगे और उसके बाद सैन्य हेलीकॉप्टर को हटाया जाएगा। यह हादसा बुधवार को हुआ था, जब अमेरिकन एयरलाइंस का जेट और एक सेना का हेलीकॉप्टर टकरा गए थे। यह अमेरिका में 2001 के बाद से सबसे घातक विमान दुर्घटना थी।

भारतीयों की अमेरिका से विदाई विमान के जरिए डिपोर्ट किया

वाशिंगटन, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पद संभालने के बाद पहली बार अमेरिका ने विमान के जरिए भारतीय अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट किया है। अमेरिका से अवैध प्रवासियों को वापस भेजे जाने का सिलसिला लगातार जारी है। इनमें ऐसे भारतीय भी शामिल हैं, जिन्हें अमेरिका में अवैध प्रवासी करार दिया जा चुका है। ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातचीत में भी यह मुद्दा उठा था। डिपोर्ट के काम में जुटी ये उड़ानें लोगों को ग्वाटेमाला, पेरू और होंडुरस भी ले जा रही हैं। खास बात है कि ट्रंप के दफ्तर संभालने के बाद यह पहला मौका है, जब अमेरिका से भारतीयों को डिपोर्ट किया गया है। भारतीय समकक्ष एस जयशंकर से बातचीत में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भी भारतीयों के अवैध प्रवासन का मुद्दा उठाया था। वहीं, ट्रंप ने कहा था कि इस मुद्दे पर भारत वही करेगा, जो सही होगा।जयशंकर ने कहा था, इसमें कई और अवैध गतिविधियां भी शामिल हैं। ऐसा नहीं चाहते हैं और यह प्रतिष्ठा के लिहाज से भी अच्छा नहीं है। अगर ऐसा है कि हमारे नागरिक यहां अवैध रूप से रह रहे हैं और हम यह सुनिश्चित कर लेते हैं कि वह हमारे नागरिक हैं, तो हम वैध तरीके से उनके भारत लौटने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अक्तूबर 2023 से सितंबर 2024 के बीच अमेरिका ने 1100 से ज्यादा अवैध प्रवासियों को भारत भेजा था। खबर है कि ट्रंप प्रशासन अपने इमीग्रेशन एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए सेना की मदद ले रहा है। इनमें मैक्सिको सीमा पर बलों को भेजना, अवैध प्रवासियों को भेजने के लिए विमान का इस्तेमाल और उन्हें रखने के लिए सैन्य बेस बनाना शामिल है। सोमवार को समाचार एजेंसी रॉयटर्स से बातचीत में एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया है कि अमेरिकी सेना का सी-17 विमान प्रवासियों को लेकर भारत रवाना हुआ है।

नेपाल में लड़कियों के शादी की उम्र 20 से घटाकर 18 वर्ष करने के सरकार के प्रस्ताव पर महिला आयोग की आपत्ति

काठमांडू, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

नेपाल में सरकार द्वारा लड़कियों की शादी उम्र 20 वर्ष से घटकर 18 वर्ष करने के प्रस्ताव पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने आपत्ति जताई है। लड़कियों की शादी की उम्र घटाने संबंधी कानून मंत्रालय के प्रस्ताव पर संसदीय समिति में जल्द फैसला लेकर उसे संसद में पेश करने की तैयारी चल रही है।

सोमवार को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष कमल पराजुली ने देश के कानून मंत्री अजय चौरसिया को पत्र लिख कर लड़कियों की शादी की उम्र घटाने के प्रस्ताव को वापस लिए जाने की मांग की है। अपने दो पन्ने के पत्र में महिला आयोग की अध्यक्ष ने लिखा है कि केवल विवाह में यौन संबंध को आधार मानते हुए लड़कियों की शादी की उम्र को घटाना किसी भी रूप में ठीक नहीं है।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने नेपाल के संविधान मौजूदा प्रावधान के अनुसार लड़के और लड़कियों की शादी उम्र को 20 वर्ष होने को ही बेहतर बताया है। पराजुली ने अपने पत्र में लिखा है कि शादी सिर्फ यौन संबंध बनाने के लिए नहीं बल्कि लड़कियों के लिए यह भावनात्मक अधिक होता है। उन्होंने कहा है कि 20 वर्ष की लड़की न सिर्फ भावनात्मक रूप से मजबूत होती हैं बल्कि उसके आत्मनिर्भर होने और अपनी आर्थिक और सामाजिक परिस्थिति को बेहतर ढंग से समझ सकती है।

इस समय कानून मंत्रालय की तरफ से लड़कियों की शादी की उम्र को 20 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष किए जाने के पीछे यह तर्क दिया गया है कि इससे लिव इन रिलेशन वाला मामला बहुत अधिक बढ़ गया है और ऐसे में एक-दूसरे के खिलाफ मुकदमा करने, बच्चे का जन्म होने पर उनकी जिम्मेवारी को लेकर बहुत मामले बढ़ गए हैं। कानून मंत्रालय के प्रस्ताव में यह भी लिखा है कि 20 वर्ष शादी की उम्र होने से लड़कियों की तरफ से लड़कों के खिलाफ बलात्कार और यौन दुराचार के झूठे मामलों में काफी बढ़ोतरी हो गई है।

लेकिन राष्ट्रीय महिला आयोग ने कानून मंत्रालय के इन तर्कों को ही नकारते हुए विवाह के लिए 20 वर्ष की आयु को ही निरंतरता देने के पक्ष में हैं। आयोग का तर्क है कि विद्यालय के पाठ्यक्रम में अन्य विषय के अलावा सामाजिक और वैवाहिक जीवन के व्यावहारिक ज्ञान की भी शिक्षा देने के लिए पाठ्यक्रम बनाना चाहिए।

हरियाणा के खिलाफ रणजी क्वार्टर फाइनल के लिए सूर्यकुमार, शिवम दुबे मुंबई टीम में हुए शामिल

मुंबई , 04 फरवरी (एजेंसियां) ।

सूर्यकुमार यादव को हरियाणा के खिलाफ 8 फरवरी से होने वाले रणजी ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल मैच के लिए मुंबई की टीम में शामिल किया गया है। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने अपनी वेबसाइट पर उक्त जानकारी दी।

यह मैच बंसी लाल क्रिकेट स्टेडियम, लाहली में खेला जाएगा। अजिंक्य रहाणे टीम की अगुआई करेंगे। श्रेयस अय्यर, रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल 6 फरवरी से इंग्लैंड के खिलाफ भारत की तीन मैचों की वनडे सीरीज में शामिल होने के कारण इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन की वेबसाइट पर बताया गया है कि यह मैच सूर्यकुमार को अपनी फॉर्म हासिल करने के लिए कुछ समय देगा। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पांच पारियों में 28 रन बनाए हैं और भारत और राज्य के लिए सभी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में अपनी पिछली 10 पारियों में सिर्फ 66 रन बनाए हैं। गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर, जो फिलहाल भारत की योजना में नहीं हैं, 19 फरवरी से शुरू होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भी मुंबई के लिए अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखना चाहेंगे। ऑलराउंडर शिवम दुबे, जिन्होंने टी20 में इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों में शानदार प्रदर्शन किया था, जिसमें एक अर्धशतक और दो विकेट सहित 83 रन बनाए थे, को भी टीम में शामिल किया गया है। शार्दुल मेघालय के खिलाफ दोनों पारियों में चार विकेट और पहली पारी में 84 रन की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार हासिल किया था। अब तक सात मैचों में उन्होंने 23.95 की औसत से 24 विकेट लिए हैं, जिसमें 4/43 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। बल्ले से आठ पारियों में ठाकुर ने 47.62 की औसत से 381 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और तीन अर्द्धशतक के साथ 101.87 की अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट है। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 119 है। होनहार युवा आयुष म्हात्रे और सूर्यांश शेड्गे भी टीम में हैं। मुंबई ने ग्रुप ए में चार जीत, दो हार और एक ड्रॉ के साथ लीग चरण का समापन दूसरे स्थान पर किया, जिससे उन्हें 29 अंक मिले। उनकी एक चौंकाने वाली हार जम्मू और कश्मीर के खिलाफ आई, जिसने रोहित, जायसवाल, रहाणे, अय्यर, दुबे और ठाकुर से सजी पूरी ताकत वाली मुंबई को पांच विकेट से हराया। मुंबई का लक्ष्य टूर्नामेंट में आगे बढ़ना और अपना रिकॉर्ड 43वां खिताब हासिल करना होगा।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय खेल फुटबॉलः मिजोरम उत्तराखंड, मणिपुर और सर्विसेज ने पहले दिन दर्ज की शानदार जीत

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेलों में फुटबॉल के लीग मुकाबले बेहद रोमांचक रहे हैं। सोमवार को पूल ए में मिजोरम ने असम को 3-0 से हराकर दमदार शुरुआत की, जबकि उत्तराखंड ने गोवा के खिलाफ 4-1 की शानदार जीत दर्ज की। पूल बी में भी मुकाबले कड़े रहे, जहां मणिपुर ने दिल्ली को 2-0 से शिकस्त दी। वहीं, सर्विसेज ने केरल को 3-0 से मात देकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इन मुकाबलों में खिलाड़ियों ने असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया, जिससे आगामी मैचों के प्रति उत्साह और बढ़ गया है। लीग मैचों ने यह साबित कर दिया कि सभी टीमें पूरे दृढ़ संकल्प के साथ मैदान में उतरी हैं, जिससे आगे और भी कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी।

आरसीबी ने कप्तानी को लेकर अभी कोई फैसला नहीं किया : मेनन

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी की कप्तानी कौन करेगा। इसको लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं। इसका कारण है कि पिछले तीन सत्र से कप्तान रहे फाफ डु प्लेसिस को इस बार आरसीबी ने रिटेन नहीं किया है। ऐसे में कहा जा रहा है कि विराट कोहली को एक बार फिर टीम की कप्तानी मिल सकती है। इसी को लेकर आरसीबी के सीओओ राजेश मेनन ने कहा है कि अभी तक इस बारे में कुछ तय नहीं किया गया है। साथ ही कहा कि हमारी टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो कप्तानी की योग्य हैं। उनसे बात कर हम इस बारे में कोई अंतिम फैसला करेंगे। गौरतलब है कि कोहली ने 2011 से 2023 तक 143 आईपीएल मैचों में आरसीबी की कप्तानी की थी पर वह टीम खिताब नहीं दिला पाये थे। उन्होंने टीम को 66 मैच में जीत दिलाई जबकि 70 बार हार का सामना करना पड़ा। साल 2016 में टीम आईपीएल फाइनल में पहुंची थी। उस सत्र में विराट ने 973 रन बनाए थे पर टीम खिताबी मुकाबले में हार गयी थी। आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में आरसीबी ने फिल सॉल्ट, लियाम लिविंगस्टोन, जैकब बेथेल, टिम डेविड, भुवनेश्वर कुमार, जितेश शर्मा, देवदत्त पडिक्कल, जोश हेजलवुड, रोमारियो शेफर्ड, नुवान थुशारा, और सुयश शर्मा को शामिल किया है। मेनन ने साथ ही कहा, हमने देखा कि टीम में क्या कमी है और उसे क्या चाहिये। इसके साथ ही हमें किस प्रकार के बल्लेबाजों और गेंदबाजों की जरुरत है।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट पुरस्कार घोषित, हेड को बॉर्डर व सदरलैंड को मिला बेलिंडा क्लार्क अवार्ड

मेलबर्न। पिछले कुछ समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे बल्लेबाज ट्रैविस हेड को ऑस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेटर के लिए प्रतिष्ठित एलन बॉर्डर अवार्ड दिया गया है। वहीं महिला वर्ग में युवा ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड को बेलिंडा क्लार्क अवार्ड से सम्मानित किया गया है। हेड का मुकाबला अवॉर्ड की दौड़ में तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और पैट कमिंस से था। जिसमें सबसे अधिक वोट हेड को मिले हैं। हेड ने सम्मान मिलने पर खुशी जतायी है। साथ ही कहा कि यह मेरे लिए एक अच्छा साल रहा है। मैं बहुत खुश हूं कि अपनी टीम की ओर से जीत में अहम भूमिका निभाने में सफल रहा हूं। मैं सभी प्रारूपों में खेलने में सक्षम हूं। यह एक अच्छी उपलब्धि है, और मैं इसका लाभ उठाऊंगा। हेड को पुरुष वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी मिला है। इसके अलावा वह ट्वेंटी 20 और टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कारों में दूसरे स्थान पर रहे। हेड ने 11 एकदिवसीय में 5 मैच खेलकर भी अवार्ड जीता जो एक बड़ी बात है। ट्रेंट ब्रिज में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 154 रनों की शानदार पारी के कारण उन्हें ये अवार्ड मिला। प्लेयर ऑफ द ईयर की दौड़ में उन्होंने एलेक्स कैरी, स्टीव स्मिथ और जेवियर बार्टलेट जैसे खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। वहीं सदरलैंड को पहली बार ये अवार्ड मिला है। इस ऑलराउंडर ने पिछले एक साल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 210 रन बनाए थे। सदरलैंड ने पुरस्कार की दौड़ में एशले गार्डनर और बेथ मूनी को पीछे छोड़ते हुए बेलिंडा क्लार्क मेडल जीता।

राष्ट्रीय खेल : उत्तराखंड के नीरज जोशी ने वूशु में जीता रजत पदक

हल्द्वानी के खिलाड़ी ने संघर्षों को दी मात, प्रदेश का नाम किया रोशन

देहरादून, 04 फरवरी (एजेंसियां) ।

उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने 38वें राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश का मान बढ़ाया है। विशेष रूप से वूशु प्रतियोगिता में हल्द्वानी के नीरज जोशी ने रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। नीरज का सफर संघर्षों से भरा रहा, लेकिन अपनी मेहनत और उत्तराखंड सरकार की खेल नीतियों से प्रेरित होकर उन्होंने यह उपलब्धि हासिल की।

संघर्षों से भरा रहा सफर

हल्द्वानी निवासी नीरज जोशी के पिता राजेश बल्लभ जोशी एक किसान हैं और सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने बेटे को खेल के प्रति प्रेरित किया। पिछले आठ वर्षों से देहरादून में रहकर प्रशिक्षण ले रहे नीरज को आर्थिक तंगी और चोटों का सामना करना पड़ा।

वर्ष 2022 में पैर की हड्डी टूटने के कारण उन्हें खेल से दूरी बनानी पड़ी थी। इस दौरान उन्होंने खेल छोड़ने तक का विचार किया, लेकिन परिवार और कोच के सहयोग से उन्होंने फिर से वापसी की। वर्ष 2023 में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी फिटनेस और खेल कौशल को साबित किया। हालांकि, गोवा में हुए राष्ट्रीय खेल 2023 में खेल सुविधाओं के अभाव में वह केवल पांचवें स्थान पर रहे।

सरकार की योजनाओं से मिली प्रेरणा

नीरज जोशी ने अपनी सफलता का श्रेय उत्तराखंड सरकार की खेल नीति को दिया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेताओं को नकद पुरस्कार और सरकारी नौकरी देने की राज्य सरकार की घोषणा से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ा है। इन प्रोत्साहनों ने उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया और इस बार उन्होंने वूशु स्पर्धा में सिल्वर मेडल जीतकर प्रदेश का नाम रोशन किया। उत्तराखंड के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन 38वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड के कई खिलाड़ियों ने पदक जीतकर प्रदेश को गौरवान्वित किया।

राष्ट्रीय खेलः कर्नाटक 42 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर

देहरादून। कर्नाटक 42 पदकों के साथ 38वें राष्ट्रीय खेलों के पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। कर्नाटक ने अब तक 22 स्वर्ण, 10 रजत और 10 कांस्य पदक जीते हैं। सर्विसेज 38 (19 स्वर्ण, 10 रजत और 9 कांस्य) पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है। महाराष्ट्र ने अब तक सबसे अधिक 61 पदक अर्जित किए हैं, जिनमें 15 स्वर्ण, 26 रजत और 20 कांस्य पदक शामिल हैं, जिससे यह कुल पदकों की संख्या के आधार पर सबसे आगे है, लेकिन स्वर्ण पदकों की संख्या कम होने के कारण तीसरे स्थान पर है। मणिपुर ने 11 स्वर्ण, 10 रजत और 5 कांस्य पदकों के साथ चौथा स्थान प्राप्त किया है, जबकि मध्य प्रदेश 10 स्वर्ण, 5 रजत और 5 कांस्य पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है। हरियाणा, तमिलनाडु और दिल्ली ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। हरियाणा ने 6 स्वर्ण, 9 रजत और 18 कांस्य पदक जीतकर कुल 33 पदक हासिल किए हैं, जबकि तमिलनाडु 9 स्वर्ण, 12 रजत और 13 कांस्य पदकों के साथ 34 पदकों पर पहुंच चुका है।

राष्ट्रीय खेल के लिए एथलेटिक्स टीम के कप्तान बने शिवपाल

लखनऊ। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेल के लिए चयनित उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स टीम में पुरुष वर्ग में शिवपाल सिंह और महिला वर्ग में पारुल चौधरी कप्तान बनाए गए हैं। उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव नरेंद्र कुमार ने उत्तर प्रदेश टीम की घोषणा करते हुए बताया कि टीम कोच बाबा दीन चौधरी, बीआर वरुण, रमेश यादव व गौरव त्यागी होंगे। मैनेजर शिवा नंद नायक, संदीप कुमार सिंह व विनीता बाजपेयी को बनाया गया है। राष्ट्रीय खेल में एथलेटिक्स की स्पर्धा आठ से 12 फरवरी तक देहरादून में आयोजित होंगी। पुरुष टीम : शिवपाल सिंह (कप्तान), सचिन यादव, रोहित यादव (जैवलिन थ्रो), प्रिंस कुमार, अहसन (1500 मीटर), आर्यन त्यागी (शॉटपुट), अवनीश, कुलदीप कुमार (पोल वॉल्ट), मो. शाहबान, मो. नदीम, मुकुल (हैमर थ्रो), शहनवाज खान, आदित्य कुमार सिंह (लंबी कूद), ऋत्विक चौधरी (400 मीटर), ऋत्विक चौधरी, अनिकेत पंवार (4 गुणे 400 मिक्सड रिले), कमल सिंह (डेकाथलान), लक्ष्य (200 मीटर), सूरज पाल, शाहरुख खान (3000 मीटर स्टीपल चेज), दिव्यांशु कुमार (10,000 मीटर), राम बाबू, धनंजय यादव (पैदल चाल। महिला : पारुल चौधरी (कप्तान), रेबी पाल, बबली वर्मा (3000 मीटर स्टीपल चेज), ख्याति माथुर, मानसी (ऊंची कूद), दीपांशी सिंह (लंबी कूद), सलोनी (जैवलिन थ्रो), सुनीता देवी (5000 मीटर), नीतिका वर्मा (डिस्कस थ्रो), नेहा पंवार, विनीता गुर्जर (1500 मीटर), राखी (800 मीटर), प्राची, रूपल (400 मीटर), तान्या चौधरी, नंदिनी, अनुष्का यादव (हैमर थ्रो), मुनीता प्रजापति, रेशमा पटेल, प्रियंका गोस्वामी (पैदल चाल), कविता यादव, अमृता पटेल (10000 मीटर), सोनम (ट्रिपल जंप), रूपल, प्राची (4 गुणा 400 मिक्सड रिले), साक्षी शर्मा (जैवलिन थ्रो), विधि (शॉटपुट)।

राष्ट्रीय खेलः मध्य प्रदेश और तेलंगाना ने बास्केटबॉल 3×3 में किया कमाल

देहरादून, 04 फरवरी (एजेंसियां) ।

38वें राष्ट्रीय खेलों के तहत आयोजित बास्केटबॉल 3×3 टूर्नामेंट का शानदार समापन हुआ, जिसमें पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। फाइनल मुकाबलों में मध्य प्रदेश ने पुरुष वर्ग में केरल को 22-20 से हराकर खिताब अपने नाम किया, जबकि महिला वर्ग में तेलंगाना ने केरल को 21-11 के बड़े अंतर से पराजित कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया।

सेमीफाइनल मुकाबले रहे रोमांचक

पुरुषों के सेमीफाइनल में केरल ने तमिलनाडु को कड़े संघर्ष में 16-15 से हराया, जबकि मध्य प्रदेश ने तेलंगाना को 18-14 से मात देकर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, महिला वर्ग में तेलंगाना ने तमिलनाडु को 18-11 से पराजित किया, जबकि केरल ने मध्य प्रदेश को 13-10 से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई।

खिलाड़ियों ने दिखाया शानदार कौशल

इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर अपने खेल कौशल और समर्पण को साबित किया। 38वें राष्ट्रीय खेलों ने पूरे देश से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मंच प्रदान किया, जहां उन्होंने उत्कृष्ट खेल भावना और जुनून का परिचय दिया।

प्रीमियर लीग फुटबॉल

लंदन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए चेलेसा के इनजो फर्नांडेज और वेस्ट हेम के कार्लोस सोलर ।

राष्ट्रीय खेल 2025 : अंडमान-निकोबार ने रोड साइक्लिंग में तीन और एसएससीबी ने दो पदक जीते

देहरादून, 04 फरवरी (एजेंसियां) ।

राष्ट्रीय खेल 2025 के रोड साइक्लिंग फ़ाइनल के पहले दिन अंडमान और निकोबार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य सहित तीन पदक अपने नाम किए। वहीं, सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) ने भी दमदार प्रदर्शन किया और एक स्वर्ण व एक रजत पदक जीते।

महिला एलीट स्क्रैच 10 किमी रेस

महिला एलीट स्क्रैच 10 किमी दौड़ में कर्नाटक की कीर्ति रंगास्वामी सी ने स्वर्ण पदक जीता। असम की चयनिका गोगोई को रजत और हरियाणा की मीनाक्षी को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

पुरुष एलीट स्क्रैच 15 किमी रेस

पुरुषों की एलीट स्क्रैच रेस 15 किमी में एसएससीबी के साहिल कुमार ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। केरल के अद्वैत शंकर एसएस ने रजत और एसएससीबी के कृष्णा नायकोडी ने कांस्य पदक जीता।

महिला एलीट स्प्रिंट स्पर्धा

महिला एलीट स्प्रिंट में महाराष्ट्र की श्वेता बालू गुंजल ने 12.745 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण

पदक जीता। अंडमान और निकोबार की सेलेस्टिना ने 12.848 सेकंड में दौड़ पूरी कर रजत पदक अपने नाम किया, जबकि दिल्ली की त्रियशा पॉल ने 12.799 सेकेंड में स्प्रिंट पूरी कर कांस्य पदक जीता। महाराष्ट्र की अगाशे शुशिकला दुर्गाप्रसाद 12.567 सेकेंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रहीं और कुछ मिली सेकेंड के अंतर से पदक चूक गईं।

पुरुष एलीट स्प्रिंट स्पर्धा

पुरुष एलीट स्प्रिंट स्पर्धा में अंडमान और निकोबार के डेविड बेकहम ने 10.691 सेकेंड में दौड़ पूरी कर स्वर्ण पदक जीता। मणिपुर के लैटोनजाम रोनाल्डो सिंह ने 10.724 सेकंड के समय के साथ रजत पदक अपने नाम किया, जबकि अंडमान और निकोबार के एसो ने 10.826 सेकेंड में दौड़ पूरी कर कांस्य पदक जीता।

रोड साइक्लिंग के पहले दिन कुल 12 पदक अलग-अलग राज्यों और बोर्ड्स के खिलाड़ियों ने जीते, जिसमें अंडमान और निकोबार के शानदार प्रदर्शन ने सबका ध्यान खींचा।

अटारी-वाघा सीमा से हीरो एचआईएल के शीर्ष स्कोरर बनने तक: प्रेरणादायक रही है जुगराज सिंह की कहानी

नई दिल्ली, 04 फरवरी (एजेंसियां) ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के डिफेंडर जुगराज सिंह की कहानी संघर्ष, मेहनत और सफलता का प्रतीक है। कभी अटारी-वाघा सीमा पर झंडे और पानी की बोतलें बेचने वाले जुगराज ने हाल ही में समाप्त हुई पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 में श्राची रार बंगाल टाइगर्स के लिए खेलते हुए टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर का खिताब जीता। उन्होंने 12 गोल किए, जिसमें फाइनल में हैदराबाद तूफान्स के खिलाफ हैट्रिक भी शामिल थी, और अपनी टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई।

संघर्ष से सफलता तक का सफर

पंजाब के अटारी में जन्मे 28 वर्षीय जुगराज का सफर आसान नहीं रहा। जब उनके पिता, जो भारतीय सेना में कुली थे, बीमार पड़ गए, तब परिवार की आर्थिक स्थिति खराब हो गई। ऐसे में जुगराज ने परिवार का सहारा बनने के लिए झंडे

और पानी की बोतलें बेचनी शुरू कर दीं।

उन्होंने कहा, मैंने कभी सवाल नहीं किया कि मैं ऐसा क्यों कर रहा हूं। मेरे लिए परिवार पहली प्राथमिकता थी। कड़ी मेहनत ही एकमात्र रास्ता था, और मुझे भरोसा था कि यह मेरे भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगी। हालांकि परिस्थितियां कठिन थीं, लेकिन जुगराज का हॉकी के प्रति जुनून कभी कम नहीं हुआ। सात साल की उम्र में उन्होंने हॉकी खेलना शुरू किया। उनके बड़े भाई, जिन्होंने पिता की नौकरी संभालने के लिए हॉकी छोड़ दी थी, ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया।

हीरो एचआईएल में शानदार प्रदर्शन

हीरो एचआईएल के अपने पहले ही सीजन में जुगराज ने शानदार खेल दिखाया। फाइनल में हैट्रिक लगाकर उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलाई और टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर बने। उन्होंने कहा, फाइनल में हैट्रिक बनाना हर खिलाड़ी का सपना होता है। मैंने इसकी योजना नहीं बनाई थी, लेकिन जब दो गोल किए, तो तीसरे के लिए गया। यह मेरे लिए बहुत बड़ा व्यक्तिगत मील का पत्थर है। श्राची रार बंगाल टाइगर्स के कप्तान रूपिंदर पाल सिंह के मार्गदर्शन ने भी जुगराज के प्रदर्शन को निखारने में अहम भूमिका निभाई। जुगराज ने कहा, रूपिंदर ने मुझ पर भरोसा दिखाया और पूरे टूर्नामेंट में मेरा मार्गदर्शन किया। उनकी मदद से मैं अपनी क्षमता दिखा सका।

भविष्य की योजनाएं

अब जुगराज की नजरें भुवनेश्वर में होने वाली एफआईएच प्रो लीग पर टिकी हैं, जहां वह अपने शानदार फॉर्म को जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, एचआईएल ने मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया है। अब मैं एफआईएच प्रो लीग में अच्छा प्रदर्शन कर भारतीय टीम के लिए योगदान देना चाहता हूं। इसके अलावा, उनका लक्ष्य विश्व कप, एशियाई खेलों और ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना है। उन्होंने कहा, मैं भारत के लिए बड़े मंचों पर प्रदर्शन करना चाहता हूं। मेरा सपना है कि मैं अपने देश को ओलंपिक और विश्व कप में गोल्ड मेडल दिलाऊं। कड़ी मेहनत और देश के प्रति समर्पण अटारी-वाघा सीमा से भारतीय हॉकी के शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल होने तक, जुगराज की कहानी संघर्ष और दृढ़ संकल्प का उदाहरण है।

डॉ. अग्रवाल्स हेल्थ केयर का शेयर एनएसई पर सपाट और बीएसई पर मानइस में हुआ लिस्ट

नई दिल्ली, 04 फरवरी (एजेंसियां)।

डॉ. अग्रवाल्स हेल्थ केयर लिमिटेड (डीएएचसीएल) के शेयरों की मंगलवार को स्टॉक एक्सचेंज पर सपाट शुरुआत हुई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर डीएएचसीएल कंपनी का शेयर इश्यू प्राइस 402 रुपये पर लिस्ट हुआ।

वहीं, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर शेयर इश्यू प्राइस से 1.27 फीसदी नीचे 396.90 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। डॉ. अग्रवाल्स हेल्थ केयर लिमिटेड के आईपीओ का मूल्य 302.7.26 करोड़ रुपये है। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 29 से 31 जनवरी तक खुला रहा था। आईपीओ का मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 382-402 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। आईपीओ तीन कारोबारी दिनों में कुल 1.49 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ को 5.35 करोड़ शेयरों की पेशकश के मुकाबले 7.98 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। कंपनी का यह इश्यू कुल 3,027.26 करोड़ रुपये का था। इसके लिए कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए 2,727.26 करोड़ रुपये के 6,78,42,284 शेयर बेचे। वहीं, कंपनी 300 करोड़ रुपय के 74,62,686 फ्रेश शेयर जारी किए। इस इश्यू के लिए खुदरा निवेशक अधिकतम 490 शेयर और एक लॉट में 35 शेयरों के लिए बिडिंग कर सकते थे।

आईपीओ का मतलब - जब कोई कंपनी पहली बार अपने शेयरों को आम लोगों के लिए जारी करती है, तो इसे आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) कहते हैं। कंपनी को कारोबार बढ़ाने के लिए पैसे की जरूरत होती है। ऐसे में कंपनी बाजार से कर्ज लेने के बजाय कुछ शेयर पब्लिक को बेचकर या नए इश्यू जारी करके पैसा जुटाती है। इसी के लिए कंपनी आईपीओ लाती है।

उल्लेखनीय है कि डॉ. अग्रवाल्स हेल्थ केयर लिमिटेड कंपनी 2010 में स्थापित हुई थी। यह मोतियाबिंद, रिफ्रैक्टिव और अन्य सर्जरी जैसी आईकेयर सर्विसेज भी मुहैया कराती है। ये कंपनी चश्मे, कॉन्टैक्ट लेंस और आईकेयर से जुड़े फार्मा प्रोडक्ट्स भी बेचती है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान भारत में कुल आईकेयर सर्विस चेन मार्केट में इसकी हिस्सेदारी लगभग 25 फीसदी थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत में हिज्ब...

जो लोकतंत्र की मुखालफत और खलीफा शासन की वकालत करता है। हूती महिलाओं के सशक्तिकरण को अस्वीकार करता है। यह बांग्लादेश में खतरनाक तरीके से अपने पैर पसार रहा है और भारत में घुसपैठ करा रहा है। अगस्त 2024 के शासन परिवर्तन के बाद अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन, बराक ओबामा, बिल क्लिंटन, धनपशु जॉर्ज सोरोस, डीप स्टेट और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा तैयार की गई योजना के तहत एचयूटी का विस्तार खतरनाक दर से बढ़ा है। इससे न केवल बांग्लादेश, बल्कि पड़ोसी देश भारत, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, म्यांमार और थाईलैंड सहित क्षेत्र के अन्य देशों के लिए भी गंभीर सुरक्षा खतरा पैदा हो गया है। दशकों तक, हिज्ब उत तहरीर की गतिविधियां बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी), अवामी लीग (एएल) और यहां तक कि जनरल हुसैन मोहम्मद इरशाद जैसे सैन्य शासकों और 11 जनवरी, 2007 को सत्ता पर कब्ज़ा करने वाली सैन्य समर्थित सरकार के नेतृत्व में लगातार सरकारों द्वारा नियंत्रित और नियंत्रित रहीं। इन वर्षों के दौरान, एचयूटी के कार्यकर्ताओं ने काम करने के लिए संघर्ष किया और 2009 में, अवामी लीग सरकार ने एचयूटी पर प्रतिबंध लगा दिया, इसे एक आतंकवादी इकाई घोषित कर दिया। हालांकि भूमिगत होने के लिए मजबूर किया गया, एचयूटी ने विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, विशेष रूप से अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों, निजी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से सदस्यों की भर्ती जारी रखी। एचयूटी ने युवा सैन्य अधिकारियों और कैडेटों की भर्ती करने में भी सफलता प्राप्त की है।खलीफा की वकालत करने के अलावा, हिज्ब उत तहरीर यहूदी विरोधी, भारत विरोधी और हिंदू विरोधी बयानों को बढ़ावा देने के लिए कुख्यात है, जबकि पाकिस्तान को मुस्लिम उम्माह के लिए एक आदर्श राष्ट्र के रूप में चित्रित करता है। यह खुले तौर पर हमास और अन्य आतंकवादी ताकतों का बचाव करता है, इजरायल को वैश्विक मानचित्र से मिटाने और संयुक्त राज्य अमेरिका को नष्ट करने जैसे चरमपंथी एजेंडों का समर्थन करता है, दोनों देशों को अल्लाह के दुश्मन के रूप में बदनाम करता है। 1947 में भारत के विभाजन और पाकिस्तान के निर्माण के बाद से, पाकिस्तानी शासकों और अभिजात वर्ग ने भारत को इस्लाम का दुश्मन बताते हुए हिंदुओं, ईसाइयों, बौद्धों और अन्य गैर-मुसलमानों के प्रति धार्मिक घृणा को बढ़ावा देना जारी रखा है। हालांकि पूर्वी पाकिस्तान ने नौ महीने के क्रूर युद्ध के बाद पश्चिमी पाकिस्तान से स्वतंत्रता प्राप्त की, जिसमें पाकिस्तानी सेना ने बंगाली मुस्लिम, हिंदू, ईसाई और बौद्ध सभी के खिलाफ नरसंहार किया पाकिस्तान और इसकी कट्टरपंथी विचारधारा ने बांग्लादेश को प्रभावित करना जारी रखा। कट्टरपंथी इस्लाम विशेष रूप से मदरसों और अरब-वित्तपोषित गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से पनपा। जनरल जियाउर रहमान और जनरल हुसैन मोहम्मद इरशाद की सैन्य सरकारों ने कट्टरपंथी इस्लाम को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, मुख्य रूप से अशिक्षित और मदरसा छात्रों के बीच जेहादी विचारधारा का प्रसार किया। इन सरकारों ने खुले तौर पर फिलिस्तीनी आतंकवादियों का समर्थन किया, यहूदी विरोधी भावना और इजरायल के प्रति घृणा को बढ़ावा दिया, जिसने हिज्ब उत तहरीर जैसे जेहादी समूहों को बांग्लादेश में अपना प्रभाव बढ़ाने में सक्षम बनाया।

दो दशकों से अधिक समय तक अवामी लीग द्वारा शासित होने के बावजूद एक ऐसी पार्टी जो धर्मनिरपेक्षता को कायम रखने का दावा करती है लेकिन जिसके नेता जेहादी और यहूदी विरोधी विचारधाराओं को बढ़ावा देते हैं हूती का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है। सेना समर्थित इस्लामी-जेहादी तख्तापलट के बाद हिज्ब उत तहरीर बांग्लादेश को खलीफा बनाने के अपने एजेंडे में और भी अधिक दुस्साहसपूर्ण हो गया। संगठन ने नागरिक-सैन्य प्रशासन और सरकार के भीतर अपनी गतिविधियों को और भी अधिक तेज कर दिया। मोहम्मद यूनुस, जिसे कभी समलैंगिक अधिकारों के समर्थन के लिए धर्मनिरपेक्ष माना जाता था, अचानक एक नव-खुमैनी व्यक्ति में बदल गया, जो खुले तौर पर भारत के विघटन और बांग्लादेश को खलीफा बनाने की वकालत करने लगा। यूनुस ने हिंदुओं, ईसाइयों और धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ उत्पीड़न को रोकने के लिए डोनाल्ड ट्रम्प और तुलसी गबार्ड सहित अमेरिकी राजनीतिक हस्तियों के आह्वान को नजरअंदाज कर दिया। परेशान करने वाली बात यह है कि यूरोपीय नेताओं ने यूनुस शासन द्वारा गैर-मुस्लिम समुदायों के खिलाफ चल रहे नरसंहार पर आंखें मूंद लीं, जिससे उनकी कट्टरपंथी नीतियों को बढ़ावा मिला।

इस बीच, हिज्ब उत तहरीर लोकतंत्र और महिला सशक्तिकरण की खुलेआम निंदा कर रहा है। ढाका में हाल ही में एक रैली के दौरान, समूह ने खिलाफत की स्थापना का आह्वान किया, जिससे राष्ट्रीय और क्षेत्रीय सुरक्षा के बारे गंभीर चिंता पैदा हुई। चरमपंथी नेटवर्क के साथ एचयूटी के गहरे संबंधों को देखते हुए, इसका फिर से उभरना राजनीतिक स्थिरता और वैश्विक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। हिज्ब उत तहरीर को कई देशों में प्रतिबंधित किया गया है, जिसमें यूनाइटेड किंगडम, भारत, चीन, रूस, जर्मनी, तुर्की, मध्य एशिया, इंडोनेशिया और कई अरब देश शामिल हैं, क्योंकि इसकी चरमपंथी विचारधारा और आतंकवादी संबंधों के कारण यह प्रतिबंधित है। फिर भी, यह कुछ देशों में धोखाधड़ी और दुष्प्रचार के माध्यम से अपने एजेंडे को बढ़ावा देते हुए काम करना जारी रखता है।रिपोर्ट्स बताती हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने वाले राजनीतिक उथल-पुथल के बाद, यूनुस प्रशासन ने बांग्लादेशी जेलों से कई इस्लामी आतंकवादियों को रिहा करने का आदेश दिया, जिसमें एचयूटी के सदस्य भी शामिल थे। इसके अलावा, एचयूटी और अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (जिसे बाद में अंसार अल इस्लाम नाम दिया गया) के 100 से अधिक आतंकवादियों को कानून प्रवर्तन एजेंसियों में भर्ती किया गया है, साथ ही बांग्लादेश सशस्त्र बलों और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) में घुसपैठ करने के लिए भी इसी तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। अंसार अल इस्लाम को अल कायदा की स्थानीय फ्रेंचाइजी के रूप में जाना जाता है।

सबसे ज्यादा चिंताजनक बात यह है कि एचयूटी और अंसार अल इस्लाम के कई कार्यकर्ता विदेशों में बांग्लादेशी राजनयिक मिशनों में भेजे गए हैं, जिनमें संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, चीन, जर्मनी, फ्रांस और मध्य एशिया शामिल हैं। राजनयिक छूट की आड़ में, ये लोग इन देशों में व्यक्तियों, संस्थानों और रणनीतिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर आतंकवादी साजिशों को अंजाम दे सकते हैं। 9 सितंबर 2024 को हिज्ब उत तहरीर ने औपचारिक रूप से बांग्लादेश के गृह मंत्रालय को 2009 में लगाए गए प्रतिबंध को हटाने के लिए आवेदन किया, जिसमें दावा किया गया कि यह राजनीति से प्रेरित था। अक्टूबर में, एचयूटी के सदस्यों ने एक अन्य खिलाफत समर्थक समूह हिफाजत-ए-इस्लाम के साथ बैठक की, जो प्रतिबंध हटाने और भर्ती प्रयासों में एचयूटी की सहायता करने के लिए लॉबी करने पर सहमत हुआ। एचयूटी ने तब्लीगी जमात के साथ भी संबंध बना रखे हैं और इसे भर्ती के लिए एक साधन के रूप में इस्तेमाल किया है।

13 सितंबर को बीबीसी बांग्ला के साथ एक साक्षात्कार में, एचयूटी के मीडिया समन्वयक इम्तियाज सलीम ने इस बात पर जोर दिया कि एचयूटी एक विचारधारा-आधारित इस्लामी राजनीतिक संगठन है, न कि एक उग्रवादी या आतंकवादी समूह। यह बयान एचयूटी द्वारा खुद को अधिक सकारात्मक प्रकाश में प्रस्तुत करने और हिंसा या आतंकवाद से किसी भी तरह के जुड़ाव से खुद को दूर रखने के प्रयास का हिस्सा है। यह एक जटिल स्थिति है, क्योंकि इन सामाजिक कार्यक्रमों को जनता का समर्थन और वैधता प्राप्त करने के तरीके के रूप में देखा जा सकता है, जबकि उनके वैचारिक लक्ष्य अपरिवर्तित रहते हैं। हिज्ब उत-तहरीर ने बांग्लादेशी, भारतीय और पाकिस्तानी मूल के अपने यूके-आधारित सदस्यों को एकजुट करने के लिए प्रबाशी मुस्लिम नेटवर्क नामक एक व्हाट्सएप समूह बनाया है। यह नेटवर्क प्रवासी समुदाय के भीतर समर्थन को मजबूत करने और बांग्लादेश में एक इस्लाम समर्थक सरकार की स्थापना के लिए हूती के उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक मंच के रूप में कार्य करता है।

बांग्लादेश में हिज्ब उत तहरीर का फिर से उभरना सिर्फ़ राष्ट्रीय मुद्दा नहीं है, बल्कि वैश्विक सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है। इस समूह का चरमपंथी एजेंडा, आतंकवादी संगठनों के साथ इसकी गहरी जड़ें होने के कारण, दक्षिण एशिया और उससे भी आगे के लिए तत्काल ख़तरा बन गया है। अगर इसे अनियंत्रित छोड़ दिया जाए, तो एचयूटी का विस्तार एक कट्टरपंथी इस्लामी राज्य की स्थापना की ओर ले जा सकता है, जिससे क्षेत्र में अस्थिरता पैदा हो सकती है और जेहादी नेटवर्क के लिए एक आश्रय स्थल बन सकता है।

ट्रम्प प्रशासन और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए इस खतरे से निपटना प्राथमिकता होनी चाहिए। राष्ट्रपति ट्रंप के पास यूनुस शासन पर हिज्ब उत तहरीर के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने के लिए दबाव डालने के लिए कई रणनीतिक लीवर हैं। इनमें आर्थिक प्रतिबंध, लक्षित वीजा प्रतिबंध और हूती का समर्थन करने वाले प्रमुख शासन के लोगों की सम्पत्ति को फ्रीज करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, अमेरिका अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों, जैसे कि आईएमएफ और विश्व बैंक के भीतर अपने प्रभाव का लाभ उठाकर बांग्लादेश को वित्तीय सहायता प्रतिबंधित कर सकता है, जब तक कि वह जेहादी तत्वों के खिलाफ ठोस कदम नहीं उठाता।

वाशिंगटन को एचयूटी और अन्य इस्लामी आतंकवादी संगठनों द्वारा उत्पन्न बढ़ते खतरे का मुकाबला करने के लिए भारत, जापान और आसियान देशों के साथ सुरक्षा सहयोग को भी मजबूत करना चाहिए। खुफिया जानकारी साझा करने के समझौते और समन्वित आतंकवाद विरोधी अभियान एचयूटी के नेटवर्क को नष्ट करने में महत्वपूर्ण होंगे, इससे पहले कि वे वैश्विक स्तर पर बड़ा खतरा पैदा करें। अभी कार्रवाई न करने पर भयंकर परिणाम होंगे। एचयूटी की विचारधारा का निरंतर प्रसार अन्य कट्टरपंथी समूहों को बढ़ावा देगा, जिससे अस्थिरता बढ़ेगी और दुनिया भर में आतंकवादी हमलों की संभावना बढ़ेगी। राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बांग्लादेश में हिज्ब उत तहरीर के पुनरुत्थान को रोकने के लिए तत्काल और निर्णायक कार्रवाई करनी चाहिए, इससे पहले कि यह एक भयावह सुरक्षा संकट में बदल जाए।

गैर जिम्मेदार...

पर गैर जिम्मेदार राजनीति में लिप्त हैं। यदि कोई भारतीय क्षेत्र है जिसमें चीन घुसा है, तो वह 1962 के युद्ध के बाद अक्साई चिन में 38,000 वर्ग किमी और 1963 में पाकिस्तान की तरफ से चीन को अवैध रूप से सौंपा गया 5,180 वर्ग किमी क्षेत्र है। राहुल गांधी हमारे इतिहास के इस चरण के बारे में आत्मनिरीक्षण करने पर विचार कर सकते हैं।

राहुल गांधी ने एक दिन पहले चीन के सीमा पर आक्रामक रुख को लेकर भी सरकार की आलोचना की थी। उन्होंने सदन में कहा कि चीन की सीमा पर आक्रामकता को लेकर सैन्य अधिकारियों के बयानों में अंतर है। चीन ने हमारी सीमा में घुसपैठ की है, इस बात से प्रधानमंत्री इन्कार कर रहे हैं, लेकिन सेना ने पीएम के बयान से असहमति जताई है।

घुसपैठियों को ...

हम केंद्र सरकार से यह भी जानना चाहेंगे कि ऐसे मामले में पश्चिम बंगाल से क्या अपेक्षा रखी जाती है?

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि जब 2009 में गृह मंत्रालय में 30 दिनों के भीतर घुसपैठियों की पहचान करने का नियम बनाया था तो अब इसे क्यों नहीं लागू किया जा रहा? उसने इनको वापस भेजने में की जा रही देरी पर भी प्रश्न उठाए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से वर्तमान में जेलों में बंद बांग्लादेशी घुसपैठियों का ताजा आंकड़ा देने को कहा है।

कॉमनवेल्थ ह्यूमन राईट इनिशिएटिव द्वारा दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अपनी नाराजगी जाहिर की। याचिका में कहा गया था कि जेलों में बंद बांग्लादेशी घुसपैठियों की स्थिति दयनीय है और उनके मामलों में राज्य और केंद्र सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। एनजीओ ने कहा था कि घुसपैठियों की सजा पूरी होने के बाद भी इन्हें वापस इनके देश नहीं भेजा जा रहा। गौरतलब है कि बीते कुछ समय से सरकार और सुरक्षा एजेंसियां बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान और उन्हें वापस भेजने को लेकर तेजी से काम कर रही हैं। जनवरी महीने में ही देश के अलग-अलग हिस्सों में सैकड़ों रोहिंग्या और बांग्लादेशी गिरफ्तार किए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों के विदेशी होने की पुष्टि होते ही उन्हें तत्काल निर्वासित कर दिया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, आपने यह कहकर निर्वासन की प्रक्रिया शुरू करने से इनकार कर दिया कि उनके पते पता नहीं हैं। यह हमारी चिंता क्यों होनी चाहिए? आप उन्हें उनके देश भेज दें। क्या आप किसी मुहूर्त का इंतजार कर रहे हैं? सुप्रीम कोर्ट ने विदेशी घोषित किए गए लोगों को निर्वासित न करने और उन्हें अनिश्चितकाल तक निरुद्ध केंद्रों में रखने के लिए असम सरकार को फटकार लगाई। कोर्ट ने असम सरकार से पूछा कि क्या वह किसी मुहूर्त का इंतजार कर रही है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि सरकार निरुद्ध केंद्रों में रह रहे 63 लोगों को दो सप्ताह के भीतर उनके देश वापस भेजना शुरू करे।

सुप्रीम कोर्ट ने असम के इस दावे पर भी सवाल उठाया कि निर्वासन संभव नहीं था क्योंकि प्रवासियों ने अपने विदेशी पते का खुलासा नहीं किया था। सुप्रीम कोर्ट ने असम सरकार को दो सप्ताह के भीतर हिरासत केंद्रों में रखे गए 63 लोगों को निर्वासित करने का निर्देश दिया। पीठ ने असम सरकार की ओर से पेश वकील से कहा कि जब आप किसी व्यक्ति को विदेशी घोषित करते हैं, तो आपको अगला तार्किक कदम उठाना पड़ता है। आप उन्हें अनंत काल तक निरुद्ध केंद्र में नहीं रख सकते। संविधान का अनुच्छेद 21 मौजूद है। असम में विदेशियों के लिए कई निरुद्ध केंद्र हैं। आपने कितने लोगों को निर्वासित किया है? शीर्ष कोर्ट ने असम सरकार को निर्देश दिया कि वह निरुद्ध केंद्रों में रखे गए 63 लोगों को दो सप्ताह के भीतर निर्वासित करना शुरू करे और अनुपालन हलफनामा दाखिल करे। पीठ ने असम में विदेशी घोषित किए गए लोगों के निर्वासन और निरुद्ध केंद्रों में सुविधाओं से संबंधित याचिका पर सुनवाई की।

अमेरिकी राष्ट्रपति...

दोनों नेताओं के बीच व्यापार और रक्षा एवं प्रौद्योगिकी सहयोग समेत कई मुद्दों पर व्यापक चर्चा होनी है।

मोदी दुनिया के उन गिने-चुने नेताओं में हैं जो ट्रंप प्रशासन के सत्ता संभालने के बाद वाशिंगटन डीसी की यात्रा करेंगे। ट्रंप के शपथ ग्रहण के एक सप्ताह बाद दोनों नेताओं ने फोन पर बात की थी। बाद में ट्रंप ने इस बातचीत की जानकारी देते हुए उम्मीद जताई थी कि पीएम मोदी और उनकी मुलाकात इसी फरवरी में हो सकती है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी की ओर से विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने विशेष दूत के रूप में भाग लिया था। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी का एक विशेष पत्र भी ट्रंप को सौंपा था।

फोर्ट विलियम ...

किले की दीवारों पर 497 तोपें तैनात थीं, लेकिन कभी किसी दुश्मन पर इन्हें दागने की जरूरत नहीं पड़ी क्योंकि इस किले पर कभी हमला नहीं हुआ।

किचनर हाउस, जो अब मानेक शॉ हाउस बन चुका है, 1771 में फोर्ट असॉल्ट कंपनी के ब्लॉक हाउस के रूप में बनाया गया था। बाद में 1784 में इसे ब्रिटिश भारतीय सेना के कमांडर-इन-चीफ के निवास में बदल दिया गया। इसका नाम ब्रिटिश फील्ड मार्शल होराशियो हरबर्ट किचनर के नाम पर रखा गया था, जो 1902 से 1910 तक यहां रहे थे। अब इसका नाम फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के नाम पर रखा गया है, जिन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारतीय सेना का नेतृत्व किया था। इस युद्ध में पाकिस्तानी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाज़ी ने 90 हजार सैनिकों के साथ आत्मसमर्पण किया था। दिलचस्प बात यह है कि नियाज़ी को सबसे पहले किचनर हाउस में ही कैद किया गया था।

सेंट जॉर्ज गेट को शिवाजी गेट नाम देने के पीछे भी ऐतिहासिक संदर्भ जुड़ा है। विजय दुर्ग महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग तट का सबसे पुराना किला है, जिसे छत्रपति शिवाजी महाराज ने अपने नौसैनिक अड्डे के रूप में विकसित किया था। इसलिए, इस किले को भी विजयदुर्ग नाम देना ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सीएम ने झूठ ...

चुनाव आयोग ने कहा कि दिल्ली चुनाव में राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की ओर से उठाए गए मुद्दों पर 1.5 लाख से अधिक अधिकारी काम कर रहे हैं। उठाए गए मुद्दों पर कार्रवाई की जा रही है, जो निष्पक्ष और गैर-पक्षपातपूर्ण हो रही है। सारे अधिकारी मजबूत प्रक्रियाओं और एसओपी के तहत काम कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि आम आदमी पार्टी की ओर से लगातार चुनाव आयोग के कार्य पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ताजा मामला दिल्ली में आचार संहिता को लेकर है। जहां सीएम आतिशी मारलेना ने भाजपा समर्थकों की आयोग से शिकायत की। जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सीएम आतिशी के कहने पर भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी के बेटे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। मुख्यमंत्री आतिशी और राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने चुनाव आयोग से लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली तक पर सवाल उठाए।सीएम आतिशी ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए और कहा कि भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी के परिवार के सदस्य खुले-आम आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं। उन पर कोई एक्शन नहीं है। अरविंद केजरीवाल ने भी आयोग और पुलिस पर ऐसे ही गंभीर आरोप लगाए। सीएम आतिशी, मनीष सिसोदिया और दुर्गेश पाठक ने चुनाव आयोग पर एक साथ निशाना साधा। सीएम आतिशी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा आचार संहिता की धज्जियां उड़ा रही है।

दिल्ली पुलिस ने मुख्यमंत्री आतिशी की शिकायत पर भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी के बेटे मनीष बिधूड़ी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। थाना गोविंदपुरी में धारा 126 आरपी एक्ट के तहत कानूनी मामला दर्ज किया गया है। लेकिन पुलिस के काम में दखलअंदाजी करने, वीडियोग्राफी रोकने और मोबाइल फोन छीनने के आरोप में सीएम आतिशी समेत आम आदमी पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। हालांकि बाद में यह पता चला कि जिसे भाजपा नेता का बेटा मनीष बिधूड़ी बता आतिशी एफआईआर कराई, वह मनीष बिधूड़ी नहीं बल्कि दिनेश चौधरी निकला। यानी दिनेश चौधरी नाम के शख्स को भाजपा नेता का बेटा बता कर आम आदमी पार्टी बवाल मचा रही थी।

उत्तराखंड के ...

सरकार सभी के लिए समान अधिकार और अवसर सुनिश्चित करने के लिए काम कर रही है।

गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि रिपोर्ट तैयार करने में सभी पहलुओं पर विचार किया जाएगा। समान नागरिक संहिता संविधान की वह भावना है जो समरसता और समानता स्थापित करेगी। गुजरात के सभी नागरिकों को समान अधिकार मिले, इसके लिए गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल ने यूसीसी समिति का गठन किया है। इसकी अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) रंजना देसाई करेंगी। सेवानिवृत्त वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सीएल मीना, अधिवक्ता आरसी कोडेकर, पूर्व कुलपति दक्षेश ठाकर और सामाजिक कार्यकर्ता गीता श्रॉफ भी इस समिति में शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने इस समिति को अगले 45 दिनों में इस पर विस्तृत शोध करने और सरकार को एक रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है।

इस महीने की शुरुआत में उत्तराखंड समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने वाला पहला राज्य बना था। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले साल लाल किले से अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता का उल्लेख किया था।

नक्सल मुक्त...

उसे बीते साल नवंबर में कर्नाटक में नक्सलियों के सरगना विक्रम गौड़ा के पश्चिमी घाट से लगे एक क्षेत्र में लौटने की जानकारी मिली। एएनएफ ने यहां जाल बिछाकर विक्रम गौड़ा को मार गिराया। बताया जाता है कि विक्रम पर 100 से ज्यादा केस थे और वह कर्नाटक में नक्सलवाद को बढ़ाने वाला प्रमुख चेहरा था।

2024 में जब केरल भागे आठ नक्सली कर्नाटक लौटे, तो पुलिस, खुफिया एजेंसियों और कर्नाटक के नक्सल-रोधी बल (एएनएफ) का नेटवर्क सक्रिय रहा। इस नेटवर्क ने इन सभी नक्सलियों से आत्मसमर्पण कराने का लक्ष्य रखा। पुलिस को कर्नाटक को नक्सल मुक्त बनाने में सबसे बड़ी सफलता फरवरी 2024 में मिली, जब उसने माओवादी नेता अंगाड़ी सुरेश उर्फ प्रदीप को सरेंडर करने पर मजबूर कर दिया। 49 वर्षीय सुरेश सीपीआई (माओवादी) के पश्चिमी घाट जोनल कमेटी का हिस्सा रहा था। पकड़े जाने के बाद उसने जेल से ही अपनी पत्नी और बागी वनजाक्षी को चिट्ठी लिखी और उससे सरेंडर करने की अपील की। पुलिस ने इस चिट्ठी को पश्चिमी घाट पर स्थित कई गांवों में बांटना शुरू किया। उन्हें उम्मीद थी कि अगर वनजाक्षी को सरेंडर करने पर मजबूर कर लिया गया तो बाकी नक्सलियों को पकड़ना आसान हो जाएगा। आखिरकार 8 जनवरी 2025 को वनजाक्षी और 5 अन्य नक्सलियों ने बेंगलुरु में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के दफ्तर के बाहर सरेंडर कर दिया।

नक्सलियों के इस बड़े आत्मसमर्पण के बाद कर्नाटक सरकार को सिर्फ कोतेहुंडा रविंद्र की तलाश थी, जिसे कर्नाटक का आखिरी बचा नक्सल करार दिया गया था। अब बीते हफ्ते रविंद्र की गिरफ्तारी के बाद कर्नाटक नक्सल मुक्त करार दे दिया गया। सरकार ने नक्सलियों को सरेंडर करने के बदले तीन किस्तों में 7.5 लाख रुपए का सहायता पैकेज देने की घोषणा की। हालांकि, उनके सामने अपने ऊपर दर्ज केसों का सामना करने की शर्त रखी गई। राज्य सरकार ने उन्हें कानूनी मदद मुहैया कराने का वादा किया। सरकार की इस योजना के तहत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को एक साल के लिए कौशल विकास ट्रेनिंग और 5000 रुपए की मासिक सहायता देने का भी वादा किया गया। औपचारिक शिक्षा लेने की स्थिति में उनकी यह सहायता दो साल तक जारी रखने का भरोसा दिया गया।

किसकी अवतार हैं श्रीकृष्ण की मां देवकी?

भगवान विष्णु ने कई रूपों में लिया इनके गर्भ से जन्म

देवकी, मथुरा राजा उग्रसेन की बेटी और कंस की बहन थीं। उनका विवाह वासुदेव से हुआ था। द्वापर युग में भगवान कृष्ण को जन्म देने वाली देवकी कोई आम महिला नहीं थीं, बल्कि वह ब्रह्म शक्ति का स्वरूप मानी जाती हैं।

इसी के साथ यह भी कहा जाता है कि देवकी अपने अलग-अलग जन्मों में भगवान विष्णु के अलग-अलग रूपों को जन्म दिया था। चलिए जानते हैं इस बारे में।

मिलती है ये कथा

देवकी के पूर्वजन्म से संबंधित कथा का वर्णन भागवत पुराण में मिलता है। कथा के अनुसार, देवकी पिछले जन्म में पृश्नि थी, वहीं वासुदेव उनके पति जो सुतपा नाम के प्रजापति थे। दोनो ने संतान प्राप्ति के लिए कठिन तपस्या की।

तब भगवान विष्णु प्रसन्न होकर प्रकट हुए और उनसे एक वरदान मांगने को कहा। तब उन दोनों ने कहा कि हमें आपके जैसा पुत्र का वरदान चाहिए। तब भगवान विष्णु के आशीर्वाद दिया जिससे से पृश्निगर्भ नामक पुत्र का जन्म हुआ, जो भगवान विष्णु के अवतारों में से एक हैं।

भगवान विष्णु ने जताई थी ये इच्छा

कथा के अनुसार, एक बार देवताओं की माता अदिति के मातृत्व को देखकर भगवान विष्णु ने उनके सामने यह इच्छा जाहिर की, कि वह भी उनके के रूप में जन्म लेना चाहते हैं। तब उनका जन्म वामन अवतार के रूप में हुआ, जिन्होंने राजा बलि के घमंड को तोड़ने के लिए दो ही पग में पूरी पृथ्वी और ब्रह्माण नाप लिए थे। द्वापर युग की देवकी को देवी अदिति का है।

कौन थीं देवी अदिति

प्रजापति दक्ष और माता वीरणी की पुत्री थीं। जिसका विवाह ऋषि कश्यप से हुआ था। इन्हें एक ब्रह्म शक्ति भी माना गया है। वेदों और पुराणों में इनका वर्णन देवमाता के रूप में किया गया है, जिसका कारण यह है कि अदिति के गर्भ से ही सभी देवताओं का हुआ था, जो इस प्रकार हैं - त्रिविक्रम (वामन भगवान), विवस्वान, अर्यमा, पूषा, त्वष्टा, सविता, भग, धाता, वरुण, मित्र, विधाता, इंद्र।

किसी और के गर्भ से हुआ देवकी की सातवीं संतान का जन्म, ऐसे दिया था कंस को चकमा

देवकी, कंस की चचेरी बहन थी, जिसका विवाह वासुदेव के साथ हुआ था। हालांकि कंस अपनी बहन से बहुत प्रेम करता था, लेकिन जब भविष्यवाणी हुई की देवकी की आठवीं संतान उसका काल बनेगी, तो उसने देवकी और वासुदेव को कालकोठरी में बंद दिया। कंस, देवकी के 6 पुत्रों को मौत के घाट उतारने में सफल हुआ, लेकिन वह देवकी की सातवीं और आठवीं संतान का कुछ नहीं बिगाड़ पाया, चलिए जानते हैं इसका कारण।

वासुदेव ने दिया आश्वासन

जब वासुदेव के साथ देवकी का विवाह हुआ तो, कंस बहुत प्रसन्न था। अपनी बहन और वासुदेव को रथ पर ससुराल छोड़ने जा ही रहा था कि तभी आकाशवाणी हुई कि देवकी की आठवीं संतान कंस का काल बनेगी। यह सुनकर कंस आश्चर्य में पड़ गया।

अपनी मृत्यु के डर से कंस, देवकी और वासुदेव को मार डालना चाहता था, लेकिन वासुदेव आश्वासन दिया कि वह उसकी हर संतान का जन्म होते ही खुद कंस को सौंप देगा। इसके बाद भी कंस ने उन दोनों को कालकोठरी में बंद कर दिया।

जब देवकी की पहली संतान का जन्म हुआ तो, वासुदेव उसे लेकर कंस के पास पंहुचे। लेकिन कंस ने उन्हें कहकर लौटा दिया कि मुझे आपकी आठवीं संतान से खतरा है, ऐसे में इसे आप वापस ले जाएं। लेकिन नारद मुनि ने कंस से कहा कि विष्णु जी का अवतार देवकी के पहले गर्भ में भी हो सकता है और आठवां गर्भ में भी। नारद मुनि की बातों में कंस ने एक-एक करके देवकी की सभी संतानों की निर्मम तरीके से हत्या कर दी।

इस तरह पड़ा संकर्षण नाम

जब देवकी की सातवीं संतान पैदा होने वाली थी, तब महामाया ने देवकी के सातवें गर्भ को वासुदेव की दूसरी पत्नी रोहिणी के गर्भाशय में स्थापित कर दिया। देवकी सातवीं संतान और कोई नहीं बल्कि शेषनाग के रूप में स्वयं बलराम जी थे। गर्भ संकर्षण के कारण बलराम जी को संकर्षण नाम से भी जाना जाता है।

सूर्य गोचर से इन राशियों के जीवन में आएगी खुशियों की बहार, कारोबार में होगी वृद्धि

पंचांग के अनुसार, माघ के महीने में कुंभ संक्रांति का पर्व फरवरी को मनाया जाएगा। इस दिन पवित्र नदी में स्नान और सूर्य देव की पूजा करना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि सूर्य देव को अर्घ्य देने से कारोबार में वृद्धि होती है। घर और परिवार में सुख-शांति हमेशा बनी रहती है। साथ ही कुंडली में सूर्य मजबूत है। इससे व्यक्ति को सूर्य देव की कृपा प्राप्त होती है।

ज्योतिषीय गणना के अनुसार, माघ माह के आखिरी दिन यानी माघ पूर्णिमा (12 फरवरी) को सूर्य देव मकर राशि से निकलकर कुंभ राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में सूर्य देव अगले महीने यानी 13 मार्च तक रहेंगे। देव के राशि परिवर्तन का अच्छा प्रभाव 2 राशियों पर पड़ेगा। इन राशियों को सूर्य देव का आशीर्वाद प्राप्त होगा। साथ ही बिजनेस में वृद्धि होगी। ऐसे में आइए जानते हैं कि सूर्य गोचर से किस राशि के जातकों को कौन से लाभ मिलेंगे?

सूर्य गोचर का प्रभाव मेष के जातकों पर देखने को मिलेगा। वित्तीय क्षेत्र में लाभ मिलेगा। किसी चीज में किया इन्वेस्टमेंट अच्छा रहेगा। करियर में की गई मेहनत रंग लाएगी और जल्द ही सफलता मिलेगी। जॉब के सेक्टर में सीनियर लोगों से मदद मिलेगी। साथ ही आपके द्वारा गए काम की तारीफ होगी। बिजनेस में लोगों से मदद मिलेगी, जिसकी वजह से बिजनेस में अधिक वृद्धि के योग बन रहे हैं। लंबे समय से चल रही खराब आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। साथ ही रुका हुआ धन मिलने के योग बन रहे हैं।

इसके अलावा सिंह राशि के जातकों को सूर्य देव के राशि परिवर्तन से कर्ज की समस्या से छुटकारा मिलेगा। पाचन से जुड़ी समस्या दूर होगी।

कारोबार में किया गया इन्वेस्टमेंट में लाभ मिलेगा। शत्रु पक्ष से छुटकारा मिलेगा। मनचाही जॉब लगने के योग बन रहे हैं। हेल्थ अच्छी रहेगी। वैवाहिक जीवन में में खुशियों का आगमन होगा।

ऐसे करें सूर्य देव को प्रसन्न

अगर आप सूर्य देव की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, तो रोजाना स्नान करने के बाद जल में कुमकुम मिलाकर सूर्य देव को अर्पित करें। इससे सूर्य देव प्रसन्न होंगे और रुके हुए जल्द पूरे होंगे।

इन मंत्रों करें जप

ऊँ आदित्याय विदमहे प्रभाकराय धीमहितन्न: सूर्य प्रचोदयात्।। ऊँ सप्ततुरंगाय विद्यहे सहस्त्रकिरणाय धीमहि तन्नो रवि: प्रचोदयात्।।

नहीं मिल रहा संतान सुख? जया एकादशी पर पूजा के समय करें गोपाल स्तोत्र का पाठ

वैदिक पंचांग के अनुसार, 08 फरवरी को जया एकादशी है। यह पर्व हर साल माघ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन लक्ष्मी नारायण की भक्ति भाव से पूजा-उपासना जाती है। साथ ही उनके निमित्त एकादशी का व्रत रखते हैं। इस व्रत को करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

सनातन शास्त्रों में निहित है कि एकादशी तिथि पर भगवान विष्णु की पूजा करने से निसंतान दंपतियों संतान सुख की प्राप्ति होती है। साथ ही घर में सकारात्मक शक्ति का संचार होता है। अगर आप संतान सुख पाना चाहते हैं, तो जया एकादशी के दिन पूजा के समय संतान गोपाल स्तोत्र का पाठ अवश्य करें।

संतान गोपाल स्तोत्रम्

श्रीशं कमलपत्राक्षं देवकीनन्दनं ।
सुतसम्प्राप्तये कृष्णं नमामि मधुसूदनम् ।।1।।
नमाम्यहं वासुदेवं सुतसम्प्राप्तये हरिम् ।
यशोदांकगतं बालं गोपालं नन्दनन्दनम् ।।
अस्माकं पुत्रलाभाय गोविन्दं मुनिवन्दितम् ।
नमाम्यहं वासुदेवं देवकीनन्दनं सदा ।।
गोपालं डिम्भकं वन्दे कमलापतिमच्युतम् ।
पुत्रसम्प्राप्तये कृष्णं नमामि यदुपुंगवम् ।।
पुत्रकामेष्टिफलदं कंजाक्षं कमलापतिम् ।
देवकीनन्दनं वन्दे सुतसम्प्राप्तये मम ।।
पद्मापते पद्मनेत्र पद्मनाभ जनार्दन
देहि में तनयं श्रीश वासुदेव जगत्पते ।।
यशोदांकगतं बालं गोविन्दं मुनिवन्दितम् ।
अस्माकं पुत्रलाभाय नमामि श्रीशमच्युतम् ।।
श्रीपते देवदेवेश दीनार्तिहरणाच्युत ।
गोविन्द मे सुतं देहि नमामि त्वां जनार्दन ।।
भक्तकामद गोविन्द भक्तं रक्ष शुभप्रद ।
देहि मे तनयं कृष्ण रुक्मिणीवल्लभ प्रभो ।।
रुक्मिणीनाथ सर्वेश देहि मे तनयं सदा ।
पद्माक्ष त्वामहं शरणं गत: ।।
देवकीसुत गोविन्द वासुदेव जगत्पते ।
देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गत: ।।
वासुदेव जगद्वन्द्य श्रीपते पुरुषोत्तम ।
देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गत: ।।
कंजाक्ष कमलानाथ परकारुरुणिकोत्तम ।
देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गत: ।।
लक्ष्मीपते पद्मनाभ मुकुन्द मुनिवन्दित ।
देहि तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गत: ।।
कार्यकारणरूपाय वासुदेवाय ते सदा ।
नमामि पुत्रलाभार्थं सुखदाय बुधाय ते ।।
राजीवनेत्र श्रीराम रावणारे हरे कवे ।
तुभ्यं नमामि देवेश तनयं देहि मे हरे ।।
अस्माकं पुत्रलाभाय भजामि त्वां जगत्पते ।
देहि मे तनयं कृष्ण वासुदेव रमापते ।।
श्रीमानिनीमानचोर गोपीवस्त्रापहारक ।
देहि मे कृष्ण वासुदेव जगत्पते ।।
अस्माकं पुत्रसम्प्राप्तिं कुरुष्व यदुनन्दन ।
रमापते वासुदेव मुकुन्द मुनिवन्दित ।।
वासुदेव सुतं देहि तनयं देहि माधव ।
पुत्रं मे देहि श्रीकृष्ण वत्सं देहि महाप्रभो ।।
डिम्भकं देहि श्रीकृष्ण आत्मजं देहि राघव ।
भक्तमन्दार मे देहि तनयं नन्दनन्दन ।।
नन्दनं देहि मे कृष्ण वासुदेव जगत्पते ।
गोविन्द मुकुन्द मुनिवन्दित ।।
अन्यथा शरणं नास्ति त्वमेव शरणं मम ।
सुतं देहि श्रियं देहि श्रियं पुत्रं प्रदेहि मे ।।
यशोदास्तन्यपानज्ञं पिबन्तं यदुनन्दनम् ।
वन्दीहं पुत्रलाभार्थं कपिलाक्षं हरिं सदा ।।
नन्दनन्दन देवेश नन्दनं देहि मे प्रभो ।
रमापते वासुदेव श्रियं पुत्रं जगत्पते ।।
पुत्रं श्रियं श्रियं पुत्रं पुत्रं मे माधव ।
अस्माकं दीनवाक्यस्य अवधारय श्रीपते ।।
गोपालडिम्भ गोविन्द वासुदेव रमापते ।
अस्माकं डिम्भकं देहि श्रियं देहि जगत्पते ।।
मद्वांछितफलं देहि देवकीनन्दनाच्युत ।
मम पुत्रार्थितं धन्यं कुरुष्व यदुनन्दन ।।
यार्चीहं त्वां श्रियं पुत्रं देहि मे पुत्रसम्पदम् ।
भक्तचिन्तामणे राम कल्पवृक्ष महाप्रभो ।।
आत्मजं नन्दनं पुत्रं कुमारं डिम्भकं सुतम् ।
तनयं देहि सदा मे रघुनन्दन ।।
वन्दे सन्तानगोपालं माधवं भक्तकामदम् ।
अस्माकं पुत्रसम्प्राप्त्यै सदा गोविन्दच्युतम् ।।
ऊँकारयुक्तं गोपालं श्रीयुक्तं यदुनन्दनम् ।
कलींयुक्तं देवकीपुत्रं नमामि यदुनायकम् ।।
वासुदेव मुकुन्देश गोविन्द माधवाच्युत ।
देहि मे तनयं कृष्ण रमानाथ महाप्रभो ।।
राजीवनेत्र गोविन्द कपिलाक्ष हरे प्रभो ।
समस्तकाम्यवरद देहि मे तनयं सदा
अब्जपद्मनिभं पद्मवृन्दरूप जगत्पते ।
देहि मे वरसत्पुत्रं रमानायक माधव ।।
नन्दपाल धरापाल गोविन्द यदुनन्दन ।
देहि मे तनयं कृष्ण रुक्मिणीवल्लभ प्रभो ।।
दासमन्दार गोविन्द मुकुन्द माधवाच्युत ।
गोपाल पुण्डरीकाक्ष देहि मे तनयं श्रियम् ।।
यदुनायक पद्मेश नन्दगोपवधूसुत ।
देहि मे तनयं कृष्ण श्रीधर प्राणनायक ।।
अस्माकं वांछितं देहि देहि रमापते ।
भगवन् कृष्ण सर्वेश वासुदेव जगत्पते ।।
रमाहृदयसम्भार सत्यभामामन:प्रिय ।
देहि मे तनयं कृष्ण रुक्मिणीवल्लभ प्रभो ।।
चन्द्रसूर्याक्ष गोविन्द पुण्डरीकाक्ष माधव ।
अस्माकं भाग्यसत्पुत्रं देहि देव जगत्पते ।।
कारुण्यरूप पद्माक्ष पद्मनाभसमर्चित ।
देहि मे तनयं कृष्ण देवकीनन्दनन्दन ।।
देवकीसुत श्रीनाथ वासुदेव जगत्पते ।
समस्तकामफलद देहि मे तनयं सदा
भक्तमन्दार गम्भीर शंकराच्युत माधव ।
देहि मे तनयं गोपबालवत्सल श्रीपते ।।
श्रीपते वासुदेवेश देवकीप्रियनन्दन ।
भक्तमन्दार मे देहि तनयं जगतां प्रभो ।।
जगन्नाथ रमानाथ भूमिनाथ दयानिधे ।
वासुदेवेश सर्वेश देहि मे तनयं प्रभो ।।
श्रीनाथ कमलपत्राक्ष वासुदेव जगत्पते ।
देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गत: ।।
दासमन्दार गोविन्द प्रभो ।
देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गत: ।।
गोविन्द पुण्डरीकाक्ष रमानाथ महाप्रभो ।
देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गत: ।।
श्रीनाथ कमलपत्राक्ष गोविन्द मधुसूदन ।
मत्पुत्रफलसिद्धयर्थं भजामि त्वां जनार्दन ।।
स्तन्यं पिबन्तं जननीमुखाम्बुजं
विलोक्य मन्दस्मितमुज्ज्वलांगम् ।
स्पृशन्तमन्यस्तनमंगुलीभि-
र्वन्दे यशोदांकगतं मुकुन्दम् ।।
यार्चीहं पुत्रसन्तानं भवन्तं पद्मलोचन ।
मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गत: ।।
अस्माकं पुत्रसम्पत्तेश्चिन्तयामि जगत्पते ।
शीघ्रं मे देहि दातव्यं भवता मुनिवन्दित ।।
वासुदेव जगन्नाथ श्रीपते पुरुषोत्तम ।
कुरु मां पुत्रदत्तं च कृष्ण देवेन्द्रपूजित ।।
कुरु मां पुत्रदत्तं च यशोदाप्रियनन्दन ।
मह्यं च पुत्रसंतानं दातव्यं भवता हरे ।।
वासुदेव जगन्नाथ गोविन्द देवकीसुत ।
देहि तनयं राम कौसल्याप्रियनन्दन ।।
पद्मपत्राक्ष गोविन्द विष्णो वामन माधव ।
देहि मे तनयं सीताप्राणनायक राघव ।।
कंजाक्ष कृष्ण देवेन्द्रमण्डित मुनिवन्दित ।
लक्ष्मणाग्रज श्रीराम देहि मे तनयं सदा ।।
देहि मे तनयं राम दशरथप्रियनन्दन ।
सीतानायक कंजाक्ष मुचुकुन्दवरप्रद ।।
विभीषणस्य या लंका प्रदत्ता भवता पुरा ।
अस्माकं तत्प्रकारेण तनयं देहि ।।
भवदीयपदाम्भोजे चिन्तयामि निरन्तरम् ।
देहि मे तनयं सीताप्राणवल्लभ राघव ।।
राम मत्काम्यवरद पुत्रोत्पत्तिफलप्रद ।
देहि मे तनयं श्रीश कमलासनवन्दित ।।
राम राघव सीतेश लक्ष्मणानुज देहि मे ।
भाग्यवत्पुत्रसंतानं दशरथात्मज श्रीपते ।।
देवकीगर्भसंजात यशोदाप्रियनन्दन ।
देहि मे तनयं राम कृष्ण गोपाल माधव ।।
कृष्ण माधव गोविन्द वामनाच्युत शंकर ।
मे तनयं श्रीश गोपबालकनायक ।।
गोपबालमहाधन्य गोविन्दाच्युत माधव ।
देहि मे तनयं कृष्ण वासुदेव जगत्पते ।।
दिशतु दिशतु पुत्रं देवकीनन्दनीयं
दिशतु दिशतु शीघ्रं भाग्यवत्पुत्रलाभम् ।
दिशति दिशतु श्रीशो राघवो रामचन्द्रो
दिशतु दिशतु पुत्रं वंशविस्तारहेतो: ।।
दीयतां वासुदेवेन तनयो मत्प्रिय: सुत: ।
कुमारो नन्दन: सीतानायकेन सदा मम ।।
राम राघव देवकीसुत माधव ।
देहि मे तनयं श्रीश गोपबालकनायक ।।
वंशविस्तारकं पुत्रं देहि मे मधुसूदन ।
सुतं देहि सुतं देहि त्वामहं शरणं गत: ।।
ममाभीष्टसुतं देहि कंसारे माधवाच्युत ।
सुतं देहि सुतं देहि त्वामहं शरणं गत: ।।
चन्द्रार्ककल्पपर्यन्तं तनयं देहि माधव ।
सुतं देहि सुतं देहि त्वामहं शरणं गत: ।।
बुद्धिमन्तं श्रीमन्तं तनयं सदा ।
देहि मे तनयं कृष्ण देवकीनन्दन प्रभो ।।
नमामि त्वां पद्मनेत्र सुतलाभाय कामदम् ।
मुकुन्दं पुण्डरीकाक्षं गोविन्दं मधुसूदनम् ।।
भगवन कृष्ण गोविन्द सर्वकामफलप्रद ।
देहि मे तनयं स्वामिंस्त्वामहं शरणं गत: ।।
स्वामिंस्त्वं भगवन् राम कृष्ण माधव कामद।
देहि मे तनयं नित्यं त्वामहं शरणं गत:
तनयं देहि गोविन्द कंजाक्ष कमलापते ।
सुतं देहि सुतं देहि त्वामहं शरणं गत: ।।
पद्मापते पद्मनेत्र प्रद्युम्नजनक प्रभो ।
सुतं देहि सुतं देहि त्वामहं शरणं गत: ।।
शंखचक्रगदाखड्गशार्गपाणे रमापते ।
देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गत: ।।
नारायण रमानाथ राजीवपत्रलोचन ।
सुतं मे देहि देवेश पद्मपद्मानुवन्दित ।।
राम गोविन्द देवकीवरनन्दन ।
रुक्मिणीनाथ सर्वेश नारदादिसुरार्चित ।।
देवकीसुत गोविन्द वासुदेव जगत्पते ।
देहि मे तनयं श्रीश गोपबालकनायक ।।
मुनिवन्दित गोविन्द रुक्मिणीवल्लभ प्रभो ।
देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गत: ।।
गोपिकार्जितपंकेजमरन्दासक्तमानस ।
देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गत: ।।
रमाहृदयपंकेजलोल माधव कामद ।
ममाभीष्टसुतं देहि त्वामहं शरणं ।।
वासुदेव रमानाथ दासानां मंगलप्रद ।
देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गत: ।।
कल्याणप्रद गोविन्द मुरारे मुनिवन्दित ।
देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गत: ।।
पुत्रप्रद मुकुन्देश रुक्मिणीवल्लभ प्रभो ।
देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गत: ।।
पुण्डरीकाक्ष गोविन्द वासुदेव जगत्पते ।
देहि मे तनयं कृष्ण शरणं गत: ।।
दयानिधे वासुदेव मुकुन्द मुनिवन्दित ।
देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गत: ।।
पुत्रसम्पत्प्रदातारं गोविन्दं देवपूजितम् ।
वन्दामहे सदा कृष्णं पुत्रलाभप्रदायिनम् ।।
कारुण्यनिधये गोपीवल्लभाय मुरारये ।
नमस्ते पुत्रलाभार्थं देहि मे तनयं विभो ।।
नमस्तस्मै रमेशाय रुक्मिणीवल्लभाय ते ।
देहि मे तनयं श्रीश गोपबालकनायक ।।
नमस्ते वासुदेवाय च ।
पुत्रदाय च सर्पेन्द्रशायिने रंगशायिने ।।
रंगशायिन् रमानाथ मंगलप्रद माधव ।
देहि मे तनयं श्रीश गोपबालकनायक ।।
दासस्य मे सुतं देहि दीनमन्दार राघव ।
सुतं देहि सुतं देहि पुत्रं देहि रमापते ।।
यशोदातनयाभीष्टपुत्रदानरत: सदा ।
देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गत: ।।
मदिष्टदेव गोविन्द वासुदेव जनार्दन ।
मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गत: ।।
नीतिमान् धनवान् पुत्रो विद्यावांश्च प्रजायते ।
भगवंस्त्वत्कृपायाश्च वासुदेवेन्द्रपूजित ।।
य: पठेत् पुत्रशतकं सोपि सत्पुत्रवान् भवेत् ।
श्रीवासुदेवकथितं स्तोत्ररत्नं सुखाय च ।।
जपकाले पठेन्नित्यं पुत्रलाभं धनं श्रियम् ।
ऐश्वर्यं राजसम्मानं सद्यो याति न संशय: ।।

इन 3 राशियों पर हमेशा बरसती है शनिदेव की कृपा पैसे की नहीं रहती है तंगी

शनिदेव को न्याय का देवता और कर्मफल दाता कहा जाता है। शनिदेव की पूजा करने से व्यक्ति को जीवन में मनमुताबिक सफलता मिलती है। साथ ही जातक पर महादेव की कृपा बरसती है। शनिदेव अच्छे कर्म करने वाले जातकों पर अपनी कृपा बरसाते हैं। उनकी कृपा से व्यक्ति को सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। साथ ही जातक अपने जीवन में उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहता है।

वर्तमान समय में शनिदेव कुंभ राशि में विराजमान हैं और जल्द ही शनिदेव राशि परिवर्तन करेंगे। शनिदेव के राशि परिवर्तन से मकर राशि के जातकों को साढ़ेसाती से मुक्ति मिल जाएगी। वहीं, 2 राशि के जातकों को शनि की ढैय्या से मुक्ति मिल जाएगी। लेकिन क्या आपको पता है कि 3 राशि के जातकों पर शनिदेव की हमेशा कृपा बरसती है। उनकी कृपा से इन राशि के जातकों को की कमी नहीं होती है।

तुला राशि – तुला राशि के जातकों पर शनिदेव की हमेशा कृपा बरसती है। शनिदेव की कृपा से तुला राशि के जातकों को करियर और कारोबार में विशेष सफलता मिलती है। इस राशि के जातक बेहद कर्मशील होते हैं। हर क्षेत्र में बेहतर करते हैं। बार मन में ठान लेने के बाद तुला राशि के जातक काम को पूरा अवश्य करते हैं। इस गुण के चलते कार्य स्थल यानी ऑफिस में लोग इन्हें बेहद पसंद करते हैं। आसान शब्दों में कहें तो तुला राशि के जातक हुनरबाज होते हैं। कर्मशील होने के चलते शनिदेव तुला राशि पर मेहरबान रहते हैं। इस राशि के जातकों पर शुक्र देव की भी अनुकंपा रहती है। इसके लिए तुला राशि वालों को सभी प्रकार के भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है।

मकर राशि– मकर राशि के जातकों पर शनिदेव की कृपा रहती है। शनिदेव की कृपा से राशि के जातक अपने करियर और कारोबार में जल्द सफल होते हैं। ऊर्जा के कारक मंगल देव की कृपा के चलते मकर राशि के जातक साहसिक, पराक्रमी और मेहनती होते हैं। मंगल देव की मेहरबानी से करियर और कारोबार में बेहतर करते हैं। इस राशि के जातक कारोबार में करते हैं। शनिदेव की कृपा से मकर राशि के जातक कर्मशील होते हैं। इसके लिए मकर राशि के जातकों को जीवन में सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए सोमवार और शनिवार के दिन स्नान-ध्यान के बाद जल में काले तिल मिलाकर शिव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से मकर राशि के जातकों को मनमुताबिक सफलता मिलती है।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के स्वामी न्याय के देवता शनिदेव हैं और आराध्य देवों के देव महादेव हैं। शनिदेव की कृपा से कुंभ राशि के जातकों को करियर और कारोबार में सफलता मिलती है। इस राशि के जातक कारोबारी किस्म के होते हैं। निवेश से भी कुंभ राशि के जातकों को लाभ मिलता है। अच्छे कर्म करने वाले कुंभ राशि के जातक अल्प समय में धनवान बन जाते हैं। शनिदेव की कृपा से कुंभ राशि के जातक हमेशा किसी न कार्य में अवश्य ही व्यस्त रहते हैं। शनिदेव की कृपा पाने के लिए रोजाना भगवान शिव की पूजा करें। साथ ही शिव चालीसा का पाठ करें। इन उपायों को करने से धन की समस्या दूर होती है।

अनीता राज के बेटे हैं इतने दमदार, पर्सनैलिटी में तोड़ सकते हैं कई हीरो के रिकॉर्ड

अनीता राज बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस रह चुकी हैं। 61 साल में भी एक्ट्रेस खुद को बेहद फिट रखती हैं। 80 के दशक में अनीता राज का में बोलबाला हुआ करता था। अनीता राज ने अपने करियर की शुरुआत 1982 की फिल्म प्रेम गीत से की थी। भले ही अब एक्ट्रेस बड़े पर्दे से दूर हो गई हों, लेकिन छोटे पर्दे पर उन्हें काफी एक्टिव देखा जाता है। अनीता सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहती हैं। ने साल 1992 में सुनील हिंगोरानी से शादी की थी, जिनसे उन्हें शिवम नाम का बेटा हुआ। आज हम आपकी मुलाकात शिवम हिंगोरानी से कराने जा रहे हैं।

अनीता राज के बेटे का नाम शिवम हिंगोरानी है। शिवम की पर्सनालिटी किसी बॉलीवुड के हीरो से कम नहीं है। वे में लंबे, चौड़े और स्मार्ट हैं। हालांकि शिवम फिल्म इंडस्ट्री से दूर हैं, लेकिन उन्हें देखने के बाद कोई भी कहेगा कि उन्हें फिल्मों में होना चाहिए था। शिवम ने 2020 में अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड रेनू ओबेरॉय से शादी रचा ली थी। अनीता राज के बेटे शिवम को के बाद कई लोगों को बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र की भी याद आ गई है। लोग उनकी तुलना धर्मेंद्र के गुड लुक्स से कर रहे हैं। गौरतलब है कि एक टाइम में धर्मेंद्र और अनीता राज अच्छे दोस्त हुआ करते थे। दोनों की साथ में फिल्म नौकर बीवी का सुपर-डुपर हुई थी। बात करें अनीता राज की तो वे अभिनेता जगदीश राज की बेटी हैं। वे कई सारी फिल्मों में पुलिस इंस्पेक्टर के रोल में नजर आते थे। जगदीश अब इस दुनिया में नहीं हैं। 28 जुलाई 2012 में उनका निधन हो गया था। अनीता राज की गुलामी, नौकर का, करिश्मा कुदरत का, जान की बाजी, सत्यमेव जयते मशहूर फिल्में हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस आशिकी, ईना मीना डीका, 24 जैसे टीवी शो में भी दिखाई दी हैं। तो कैसे लगे आपको अनीता राज के बेटे शिवम हिंगोरानी? हमें कमेंट कर जरूर बताएं।

फिल्म कन्नप्पा से प्रभास की पहली झलक आई सामने, रुद्र के रूप में दिखा धांसू अवतार

कल्कि 2898 एडी की सक्सेस के बाद प्रभास एक बार फिर अपने फैंस का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। अब प्रभास कन्नप्पा में नजर आने वाले हैं। ये फिल्म से प्रभास का लुक सामने आ है। जिसमें वो रुद्र के अवतार में नजर आ रहे हैं। प्रभास का लुक फैंस को काफी इंप्रेस कर रहा है।प्रभास ने अपने लुक का पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उन्होंने फर्स्ट लुक शेयर करते हुए लिखा? दिव्य संरक्षक रुद्र?। रुद्र के लुक का अनावरण। में रूप में शक्ति और ज्ञान भक्ति, त्याग और प्रेम कालातीत यात्रा। फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज के रुद्र लुक की बात लंबे बाल, माथे पर में रुद्राक्ष की नजर आ रहे का लुक अडिग रक्षक के का अवतारय की एक 25 अप्रैल को होगी।प्रभास करें तो वो त्रिपुंड, गले माला पहने प्रभास

देखकर फैंस तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- रेबल स्टार। वहीं दूसरे ने लिखा- इंडियन सिनेमा का स्टार। एक ने लिखा- ओम नम: शिवाय।बता दें कुछ समय पहले अक्षय कुमार ने कन्नप्पा से अपना लुक शेयर किया था। जिसमें वो शिव के अवतार में आए थे। उन्होंने हाथ में त्रिशूल और डमरू पकड़ा हुआ था। माथे पर भस्म लगी हुई और गले में रुद्राक्ष की माला पहने नजर आए थे। अक्षय के इस लुक को भी काफी पसंद किया गया था।रिपोर्ट्स के मुताबिक अक्षय औक प्रभास के साथ इस फिव्म में काजल अग्रवाल अहम किरदार निभाती नजर आएंगी। अक्षय और प्रभास का लुक सामने आ गया है अब फैंस काजल के लुक का इंतजार कर रहे हैं। ये एक तेलुगू पौराणिक फिल्म है जिसे मुकेश कुमार सिंह और मोहन बाबू डायरेक्ट कर रहे हैं।बता दें कन्नप्पा भगवान शिव के भक्त कन्नप्पा पर है। फिल्म में विष्णु मांचू भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। इस फिल्म से अक्षय कुमार तेलुगू इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रहे हैं।

लूसिफर की हुई वापसी, मोहनलाल की एल 2 एम्पुरान का टीजर रिलीज

मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन की बहुप्रतीक्षित फिल्म एल 2 एम्पुरान का टीजर रिलीज हो चुका है। कोच्चि में ममूटी और ने मिलकर इसका टीजर रिलीज किया। यह मोहनलाल की साल 2019 की ब्लॉकबस्टर मलयालम फिल्म लूसिफर का सीक्वल है। इस फिल्म में भी मोहनलाल लूसिफर के किरदार में वापसी कर रहे हैं। लूसिफर अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन की बतौर निर्देशक पहली फिल्म थी।फिल्म का दो मिनट 23 सेकंड का टीजर किया गया। टीजर के बैकग्राउंड में जंग बुराई और बुराई के बीच है।। सुनाई देता है, जो फिल्म में अभिनेता के किरदार लुसिफर के बारे में बताता है। मोहनलाल अपने पुराने किरदार में ही नजर आएंगे, लेकिन इस बार वह और खतरनाक रूप में नजर आएंगे। मोहनलाल की फिल्म रिलीज से पहले ही कुछ अलग किया है। यह देश में पहली बार हो रहा है कि यूट्यूब पर किसी फिल्म का टीजर दर्शक अपनी भाषा में चुन कर एक ही लिंक पर देख सकते हैं। यूट्यूब की इस तकनीक का इस्तेमाल करने वाला यह पहला टीजर है।फिल्म के के साथ इसका पोस्टर भी जारी किया गया। मोहनलाल की इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को 27 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म पांच भारतीय भाषाओं मलयालम, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और हिंदी में रिलीज होगी। फिल्म के टीजर रिलीज के ग्रैंड इवेंट में निर्देशक और अभिनेता पृथ्वीराज के साथ मोहनलाल, ममूटी, टोविनो थॉमस, मुरली गोपी, बेसिल जोसेफ, मनोज के जयन, जोशी, सत्यन एंथिकाड और अन्य लोग भी मौजूद रहे। मोहनलाल और ममूटी ने फिल्म के ट्रेलर को रिलीज किया।

स्टाइलिश साड़ी पहन कनिका मान ने शेयर किया ग्लैमरस लुक

टीवी की खूबसूरत एक्ट्रेस कनिका मान आए दिन अपनी लेटेस्ट स्टनिंग फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका किलर अवतार देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं।कनिका मान टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। उनका एक अंदाज इंडस्ट्री पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं।इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर दिलखोलकर प्यार लूटाते हैं।लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने बेहद ही स्टाइलिश रिवीलिंग लुक में साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग लुक में पोज देती हुई नजर आ हैं।खुले बालों को स्टाइलिश लुक देकर, माथे पर बिंदी और ग्लैम मेकअप कर के एक्ट्रेस कनिका मान ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।कनिका मान इन दिनों भले ही किसी टीवी सीरियल में नहीं दिखाई दे रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी अपडेट्स के बीच शेयर करती रहती हैं।एक्ट्रेस कनिका मान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

ऑफ शोल्डर गाउन पहनकर मालविका मोहनन ने अपनी तस्वीर साझा की

साउथ एक्ट्रेस मालविका मोहनन आए दिन अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका स्टनिंग और हॉट अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस मालविका मोहनन आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी खूबसूरती और फैशन स्टेटमेंट्स से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया हुआ है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं, जिसमें वो बोल्ड पोज देती हुई नजर आ रही हैं।मालविका मोहनन की लेटेस्ट फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने येलो कलर का ऑफ शोल्डर गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही हॉट और बोल्ड नजर आ रही हैं।खुले बालों को वेवी स्टाइल लुक देकर, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।मालविका मोहनन जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।उनकी इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने एक्ट्रेस की तस्वीरों पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- बेहद हॉट। दूसरे ने लिखा है- टू मच हॉट टू हेंडल। तीसरे यूजर ने लिखा- यू लुक अमेजिंग।

द दिल्ली फाइल्स का टीजर आउट, मिथुन चक्रवर्ती ने अपने हैरतअंगेज अवतार से उड़ाए होश

निर्माता-निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने अपनी आगामी फिल्म द फाइल्स: द बंगाल चैप्टरळ का टीजर जारी कर दिया है।बंगाल त्रासदी पर बनी फिल्म के टीजर को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए अग्निहोत्री ने इसे संविधान का सम्मान बताया।सोशल मीडिया पर सक्रिय विवेक रंजन अग्निहोत्री ने द दिल्ली फाइल्सळ के टीजर को इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए कैप्शन लिखा, प्रस्तुत है द दिल्ली फाइल्स: द बंगाल चैप्टरळ के निर्माताओं की ओर से भारत के संविधान को सम्मान।इस स्वतंत्रता दिवस पर एक महाकाव्य अनकही कहानी का गवाह बनें। दुनिया भर में रिलीज होगी।विवेक अग्निहोत्री के निर्देशन में तैयार द दिल्ली फाइल्स: बंगाल चैप्टरळ के दो मिनट 21 सेकंड टीजर वीडियो में मिथुन चक्रवर्ती अपनी जली हुई जीभ से संवाद सुनाते दिखाई दिए। संवेदनशील मुद्दे पर बनी द दिल्ली फाइल्सळ में दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती का पहला लुक दमदार है।बंगाल की त्रासदी और हिंदू नरसंहार पर बनी फिल्म के टीजर में अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती एक खाली गलियारे में चलते और जली हुई जीभ से भारत के संविधान को सुनाते नजर आए। मिथुन सफेद दाढ़ी और कांपती आवाज के साथ संविधान का पाठ करते दिखे।द दिल्ली फाइल्सळ भारतीय इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय को बड़े पैमाने पर जीवंत करती है। यह बंगाल की मार्मिक त्रासदी की पड़ताल करती जो भारत के अतीत के एक ऐसे हिस्से को उजागर करती है, जिसे लोग ज्यादा नहीं जानते।प्रभावशाली कहानी, लुभावने दृश्यों और शानदार कलाकारों से सजी फिल्म स्वतंत्रता दिवस पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।द दिल्ली फाइल्स: द बंगाल चैप्टर का निर्देशन विवेक रंजन अग्निहोत्री ने किया है। फिल्म का निर्माण अग्रवाल और पल्लवी जोशी ने किया है। तेज नारायण अग्रवाल और आई एम बुद्धा प्रोडक्शंस के सहयोग से फिल्म बनी है।फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती के साथ अनुपम खेर, गोविंद नामदेव, पुनीत इस्सर, बब्बू मान और पालोमी घोष भी अहम भूमिका में हैं।द दिल्ली फाइल्स: द बंगाल चैप्टर इसी साल पर दस्तक देने के लिए तैयार है। फिल्म 15 अगस्त, 2025 को दुनियाभर में रिलीज होगी।

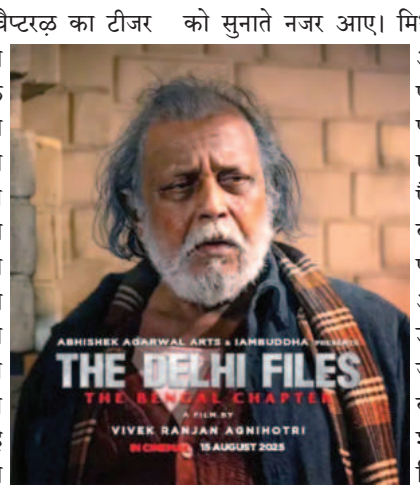

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। घर में शांति और सुकून का माहौल बनाए रखने के लिए तालमेल से काम करें। आज के दिन में आप बहुत व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम के वक्त अपने मनपसंद कामों को करने के लिए भी आपके पास पर्याप्त समय होगा। आज का दिन उन चन्द दिनों जैसा है जब घड़ी की सुईयाँ बहुत धीरे–धीरे हिलती हैं और आप लंबे समय तक बिस्तर में पड़े रहते हैं। लेकिन इसके बाद ख़ुद को तरोताज़ा भी महसूस करेंगे और इसकी आपको काफ़ी ज़रूरत भी है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन ऐसी चीज़ों पर काम करने की ज़रूरत है, जो आपकी सेहत में सुधार ला सकती हैं। भविष्य में अगर आपको आर्थिक रुप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। आज के दिन में आप बहुत व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम के वक्त अपने मनपसंद कामों को करने के लिए भी आपके पास पर्याप्त समय होगा। क्योंकि आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। अपने दोस्तों के मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

अगर आप पिछले कुछ वक़्त से झुंझलाहट महसस कर रहें हैं तो आपको याद रखना चाहिए कि सही कर्म और विचार आज आपके लिए बहुप्रतीक्षित राहत लेकर आएंगे। यदि आप किसी से उधार वापस मांग रहे थे और अब तक वो आपकी बात को टाल रहा था तो आज बिना बोले ही वो आपको पैसा लौटा सकता है। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

मज़बूती और निडरता का गुण आपकी मानसिक क्षमताओं में इज़ाफ़ा करेगा। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। आज आप फुर्सत के क्षणों में कोई नया काम करने का सोचेंगे लेकिन इस काम में आप इतना उलझ सकते हैं कि आपके जरुरी काम भी छूट जाएंगे। ऐसा लगता है कि आज आप अपने जीवनसाथी के साथ बहुत ख़र्चा कर सकते हैं। बावजूस इसके, आप इस वक़्त का पूरा लुत्फ़ उठा पाएंगे। जब आपके पास ज़्यादा खाली समय हो, तो नकारात्मक विचार आपको ज़्यादा परेशान करते हैं। अतः सकारात्मक पुस्तकें पढ़ें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इज़ाफ़ा करेगा। आपके जीवन–साथी की सेहत तनाव और चिंता का कारण बन सकती है। सिर्फ़ स्पष्ट समझ के माध्यम से आप अपनी पत्नी/पति को भावनात्मक सहारा दे सकते हैं। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आपको अपने जीवन में आज किसी खास इंसान की कमी खल सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद सेहत अच्छी रहेगी। लेकिन इसे हमेशा के लिए सच मानने की ग़लती न करें। अपनी ज़िंदगी और सेहत का सम्मान करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ आज समय गुजारेंगे लेकिन किसी पुरानी बात के फिर से सामने आने की वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी होने की आशंका है। सुबह जीवनसाथी से आपको कुछ ऐसा मिल सकता है, जिससे आपका सारा दिन ख़ुशगवार गुज़रेगा। दोस्तों से गपशप करना एक अच्छा टाइमपास हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

मौज–मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। अटके हुए मामले और घने होंगे व ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाएंगे। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जो धुंध आपके चारों तरफ़ छायी हुई है और आपकी प्रगति को बाधित कर रही है, उससे बाहर निकलने का समय है। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। पारिवारिक सदस्य या जीवन–साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। कोई फिल्म या नाटक देखकर आज आपका मन पहाड़ों में जाने का कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

मनोवैज्ञानिक डर आपको बेचैन कर सकता है। सकारात्मक सोच और हालात के उजले पहलू को देखना आपको इससे बचा सकता है। बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। आप कुछ समय अपने व्यक्तित्व को निखारने में लगा सकते हैं, क्योंकि आकर्षक व्यक्तित्व का आत्म–निर्माण में अहम योगदान होता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गाड़ी चलाते समय सावधान रहें। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। आज आपका आपस में कुछ ज्यादा विवाद हो सकता है जिसके दूरगामी परिणाम वैवाहिक जीवन के लिए नकारात्मक हो सकते हैं। योग ध्यान का सहारा लेना आज आपको मानसिक रुप से प्रबल बनाएगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज के दिन आराम करना ज़रूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुज़रे हैं। नयी गतिविधियाँ और मनोरंजन आपके लिए विश्राम करने में सहायक सिद्ध होंगे। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। पिता या बड़ा भाई आज आपकी किसी गलती पर आपको डांट सकता है। उनकी बातों को समझने की कोशिश करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते हैं। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। परिवार की जरुरतों को पूरा करते–करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे। जीवनसाथी के साथ हँसते–खिलखिलाते, हर पल के मज़े लेते हुए आप महसूस करेंगे कि आप किशोरावस्था में लौट गए हैं। सुबह की ताजी धूप आज आपको नई ऊर्जा प्रदान करेगी।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 05 फरवरी 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : माघ , शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 12:38 तक
नक्षत्र : भरणी रात्रि 08:34 तक
योग : शुक्ल रात्रि 09:18 तक
करण : विष्टि दोपहर 01:24 तक
चन्द्र राशि : मेष रात्रि 03:16 तक
सूर्योदय : 06:46, सूर्यास्त 06:13 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:45 , सूर्यास्त 06:22 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 06:14 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:37, सूर्यास्त 06:05 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : दुर्गा अष्टमी , भीष्माष्टमी , बुधाष्टमी , भद्रा दोपहर 01:32 तक

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान कैबिनेट बैठक: प्रदेश के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास के लिए 3 नई नीतियों का अनुमोदन

जयपुर,04 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में मंत्रिमण्डल की बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास के लिए राजस्थान टैक्सटाइल एण्ड अपैरल पॉलिसी, राजस्थान डेटा सेंटर एवं राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी लाने, युवाओं को सक्षम एवं सशक्त बनाकर विकसित राजस्थान के संकल्प की सिद्धि के लिए नई युवा नीति के अनुमोदन, विश्वविद्यालयों के वाइस–चांसलर्स को कुलगुरू की पदवी प्रदान करने के लिए राजस्थान यूनिवर्सिटीज लॉज (अमेण्डमेंट) बिल लाने, रीको औद्योगिक क्षेत्रों के विकास को गति देने उद्देश्य से राजस्थान लैण्ड रेवेन्यू (अमेण्डमेंट वैलिडेशन) बिल लाने सहित कार्मिक कल्याण और सेवा नियमों में संशोधन से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले किए गए।

मंत्रिमण्डल की बैठक के बाद संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल एवं पीएचईडी मंत्री कन्हैया लाल बताया कि राज्य सरकार वस्त्र व परिधान के क्षेत्र में प्रदेश को एक ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करना चाहती है। इसे ध्यान में रखते हुए आज कैबिनेट में मंजूर की गई

राजस्थान टैक्सटाइल एण्ड अपैरल पॉलिसी–2025 प्रदेश में टैक्सटाइल एण्ड अपैरल क्षेत्र के सतत् व समग्र के साथ–साथ इस क्षेत्र में रोजगार सृजन, कौशल विकास, नवाचार, उत्पादकता और निर्यात को बढ़ावा देगी। वहीं दूसरी ओर इससे वैश्विक स्तर पर स्थानीय वस्त्र उत्पादकों की दक्षता और विश्वसनीयता में भी वृद्धि होगी। इस नीति से प्रदेश के वस्त्र उत्पादक लाभान्वित होंगे और राज्य में लगभग 40 हजार रुपए के संभावित निवेश से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

पटेल ने बताया कि सूचना प्रौद्योगिकी एवं तकनीकी के बढ़ते प्रभाव को ध्यान में रखते हुए राजस्थान में निजी क्षेत्र में डेटा सेंटर्स की स्थापना को प्रोत्साहित के लिए राजस्थान डेटा सेंटर पॉलिसी–2025 को कैबिनेट द्वारा मंजूरी प्रदान की गई। इस पॉलिसी का उद्देश्य राज्य में एक विश्व स्तरीय डेटा सेंटर इकोसिस्टम विकसित करना है एवं राजस्थान को डेटा सेंटर क्षेत्र में प्रमुख गंतव्य बनाना है। यह नीति राज्य में स्थापित होने वाले डेटा सेंटर्स गतिविधियों की दक्षता, सुरक्षा और विश्वसनीयता को प्रभावी बनायेगी। इस नीति में डेटा सेंटर सेक्टर को प्रोत्साहित करने के लिए एसेट क्रिएशन इंसेंटिव, सनराइज इंसेंटिव, ब्याज अनुदान, बैंकिंग, ट्रांसमिशन व व्हीलिंग शुल्क में छूट, भूमि संबंधी फ्लेक्सिबल भुगतान सुविधा, स्टांप ड्यूटी, भू–रूपांतरण व विद्युत शुल्क में छूट तथा बाह्य शुल्क से छूट सहित कई प्रावधान किए गए हैं।

राजस्थान में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत मुफ्त में कैंसर का इलाज करा रही सरकार

जयपुर,04 फरवरी (एजेंसियां)। विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर केंद्र सरकार ने कैंसर रोगियों के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं पहल शुरू की हैं, जिससे उनके उपचार और देखभाल को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। कैंसर मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें, इसके लिए राजस्थान सरकार ने भी कैंसर से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए स्टेट इंटीग्रेटेड कैंसर टास्क फोर्स का गठन किया है। यह फोर्स प्रदेश में कैंसर के निदान, जांच, उपचार और रोकथाम के लिए कार्यरत है। साथ ही, राजस्थान सरकार 'मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना' के तहत राज्य के लोगों की कैंसर सहित सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज फ्री में करवाती है।

आचार्य तुलसी कैंसर अनुसंधान केंद्र के विशेषज्ञ प्रोफेसर और हेड डॉ. शंकरलाल जाखड़ ने कहा, राजस्थान में 'मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना' चल रही है जो सभी प्रकार के लोगों को कवर करती है। जब कोई परिवार इसमें रजिस्टर्ड हो जाता है, तो उस परिवार के सभी सदस्यों का बीमा हो जाता है। इसके तहत रजिस्टर्ड अस्पतालों में कभी इलाज करवाया जा सकता है। यह योजना विभिन्न बीमारियों के पैकेज के साथ आती है, जिसमें लगभग सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज शामिल है। चाहे मरीज कितना भी गरीब हो, वह अपना इलाज बहुत अच्छे तरीके से करवा सकता है, चाहे वह सरकारी या प्राइवेट अस्पताल में हो।

कैंसर जैसी बीमारियों के लिए, जहां उपचार की लागत बहुत ज्यादा हो सकती है, इस योजना में पेमेंट एक्सटेंशन का प्रावधान है, ताकि अगर पैसा खत्म हो जाए और वाजिब कारण हो, तो मरीज का पूरा इलाज निःशुल्क हो सके। यह योजना मरीजों के लिए एक वरदान क्योंकि जिनके पास आयुष्मान कार्ड है, वे सभी इसमें शामिल हैं।

भारतीय संस्कृति से जुड़ी महान योग परम्परा सूर्य नमस्कार स्वास्थ्य के लिए वरदान : राज्यपाल

जयपुर,04 फरवरी (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सूर्य नमस्कार भारतीय संस्कृति से जुड़ी महान योग परम्परा है। यह स्वास्थ्य लिए वरदान है। उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार मन व शरीर दोनों को तंदुरुस्त रखता है। बागडे मंगलवार को क्रीड़ा भारती संगठन द्वारा सूर्य सप्तमी पर आयोजित सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में 108 साधकों ने एक साथ सूर्य नमस्कार से जुड़ी योग की।

राज्यपाल ने कहा कि योग की भारतीय परंपरा 'सूर्य नमस्कार' से ही प्रारंभ होती है। यह योग के आगे के आसनों के लिए हमें तैयार करता है। उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार मनुष्य के भीतर की ऊर्जा का संधान कर तन और मन को स्वस्थ करता है। राज्यपाल प्रतिदिन हर व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति ध्यान देते समय देने और सूर्य नमस्कार करने का आह्वान किया। उन्होंने क्रीड़ा भारती को देश की महत्वपूर्ण संगठन बताते हुए कहा कि पारंपरिक खेलों के साथ भारतीय संस्कृति से जुड़ी इसकी गतिविधियां अनुकरणीय है। इस अवसर पर राज्यपाल बागडे ने क्रीड़ा की स्मारिका खेल सृष्टि का भी लोकार्पण किया। उन्होंने इस दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन बच्चों को अपनी ओर से नकद इनाम देकर भी सम्मानित किया।

दौसा पुलिस ने सेक्स टॉर्शन के आरोपी गिरफ्तार

दौसा,04 फरवरी (एजेंसियां)। जिले में महिला पुलिस थाना और डीएसटी टीम ने एक शातिर सेक्स टॉर्शन के आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो सोशल के जरिए महिलाओं को जाल में फंसा कर उनके अश्लील वीडियो बनाकर उन्हें वायरल करने की धमकी देकर रुपये ऐंठता था। एसपी सागर राणा के निर्देशानुसार एएसपी गुरुशरण राव और डीएसपी रवि प्रकाश के नेतृत्व में महिला थानाधिकारी प्रेमचन्द ने इस मामले में महत्वपूर्ण कार्रवाई की। आरोपी रमन लाल को गिरफ्तार किया गया, जो फर्जी इंस्टाग्राम और फेसबुक आईडी के जरिए महिलाओं से दोस्ती करता और फिर उन्हें अश्लील वीडियो कॉल पर उकसाता। इसके बाद, बिना उनकी सहमति के इन वीडियो कॉल्स के स्क्रीन रिकॉर्ड्स बना कर उन्हें वायरल करने की धमकी देता था।30 जनवरी को पुलिस पास एक पीड़िता की शिकायत आई, जिसमें उसने बताया कि आरोपी ने उसे 5 लाख रुपये ऐंठने के लिए धमकाया था। पुलिस टीम में डीएसपी रवि प्रकाश शर्मा, थानाधिकारी प्रेमचन्द, और डीएसटी प्रभारी प्रदीप राव, जगमाल, विजय कुमार और हेमन्त कुमार शामिल जिन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया।

जेजेटी यूनिवर्सिटी का 13वां दीक्षांत समारोह से पहले पुलिस ने लिया सुरक्षा का जायजा, तेलंगाना की गवर्नर होंगे मुख्य अतिथि

झुंझुनू,04 फरवरी (एजेंसियां)। जगदीश प्रसाद झाबरमल टीबड़े वाला विश्वविद्यालय का 13' वां दीक्षांत समारोह 5 फरवरी को प्रातः 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। जानकारी देते हुए जेजेटी के चेयरपर्सन डॉ. विनोद टिबडेवाला ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तेलंगाना के गवर्नर जिष्णु देव वर्मा होंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता चेयरपर्सन डॉ.विनोद करेंगे इस समारोह में सभी शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की

जाएगी। कार्यक्रम में जिले भर के शिक्षाविदों सहित गणमान्य लोग शामिल होंगे। कार्यक्रम को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेंद्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमंत नोगिया उप पुलिस अधीक्षक ग्रामीण हरि सिंह धायल घनूरी थाना प्रभारी रामनारायण चोयल पुलिस अधिकारियों ने जेजेटी कैंपस का सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जायजा लिया इस अवसर पर मुख्य वित्त अधिकारी डॉ अमन गुप्ता,पी आर ओ डॉ रामनिवास सोनी मौजूद थे। तेलंगाना गर्वनर 4 फरवरी को रात्रि जयपुर राज भवन से रात्रि 8:30 जेजेटी यूनिवर्सिटी केंपस पहुंचेंगे रात्रि विश्राम के बाद गवर्नर देव वर्मा 5 फरवरी चुडैला स्थित जेजेटी यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे 11:30 पर स्वागत एवं गार्ड ऑफ ऑनर होगा इसके बाद दीक्षांत समारोह की शैक्षिक शोभायात्रा,राष्ट्रगान एवं सरस्वती वंदना, विश्वविद्यालय गीत एवं राजस्थानी महिमा गीत के बाद दीक्षांत समारोह का किया जाएगा।

भाजपा की सरकार बनने के बाद हरियाणा ने सर्वांगीण विकास मामले में लगाई ऊँची छलांग : सैनी

चंडीगढ़,04 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद प्रदेश ने सर्वांगीण विकास के मामले में ऊँची छलांग लगाई है। उन्होंने कि वर्ष 2014 से पहले और 2014 के बाद राज्य के हर कोने में बुनियादी ढांचे से लेकर कल्याणकारी कार्यक्रमों में बहुत बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है और आमजन इन बदलावों को प्रत्यक्ष रूप से महसूस भी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री आज यहां मंत्रिमंडल की बैठक के बाद वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, सहकारिता मंत्री डॉ अरविन्द शर्मा और सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के महानिदेशक के मकरंद पांडुरंग भी उपस्थित थे। शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव की घोषणा के संबंध में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी निकाय चुनाव को लेकर पूर्ण तैयारी है। एक

अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार आयुष्मान कार्ड योजना के तहत सभी निजी अस्पतालों को इलाज का पैसा लगातार रिफंड कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की डबल इंजन की सरकार द्वारा गरीब और जरूरतमंद लोगों को आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज का लाभ प्रदान किया जा रहा है। हरियाणा में इस योजना के तहत अब तक लगभग 20 लाख लोग लाभान्वित हो चुके हैं।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि दिल्ली चुनाव प्रचार के दौरान वहां के लोगों ने बताया कि वे आयुष्मान कार्ड योजना के लाभ से वंचित रहे हैं। दिल्ली सरकार ने मोहल्ला क्लीनिक में ही जरूरतमंद लोगों को उलझा दिया जिसमें फर्स्ट एड की सुविधा ही मिलती है। स्वास्थ्य जरूरत के समय अस्पताल में एडमिट होने पर दिल्ली में आयुष्मान योजना के तहत कोई लाभ नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अरविन्द केजरीवाल ने 10 सालों में दिल्ली के लोगों को सिर्फ लॉलीपॉप देने का काम किया। दिल्ली लोगों में वर्तमान आम आदमी पार्टी की सरकार के प्रति भारी रोष है और वह 5 फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस रोष को निकालने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घोषणा भी की है कि आयुष्मान कार्ड योजना के तहत दिल्ली में जरूरतमंद लोगों को 10 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा प्रदान की जाएगी।

हरियाणा पुलिस द्वारा गैंगस्टरों पर निरंतर प्रहार को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कि राज्य सरकार का दायित्व लोगों को सुरक्षा प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि जो गलत करेगा उसे उसका अंजाम भुगतना होगा। जो भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होंगे उनके खिलाफ पुलिस द्वारा कठोर कार्रवाई अमल में ले जाएगी। भ्रष्टाचार को लेकर पूछे गए एक अन्य प्रश्न के उत्तर मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में भ्रष्टाचार से कोई समझौता नहीं है और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।मुख्यमंत्री ने केंद्र की तीसरी टर्म की सरकार के वर्ष 2025–26 बजट को विकसित भारत मजबूत बुनियाद बताते हुए कहा कि ये बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को मजबूती देने वाला बजट है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार चाहे कितना ही अच्छा काम कर ले लेकिन आलोचना करना विपक्ष की मजबूरी है। उन्हें अपनी राजनीति को जिंदा रखना लेकिन विपक्ष का विरोध एक हद तक ही होना चाहिए जिससे कि समाज को नुकसान न हो।

हरियाणा कैबिनेट ने आढ़तियों को प्रदान की बड़ी राहत

चंडीगढ़,04 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा जीव (संरक्षण) नियम, 2024 को मंजूरी दी गई। नए नियमों के तहत वन्यजीव विभाग से संबंधित विभिन्न प्रकार के परमिट प्राप्त करने के लिए मानदंड स्थापित किए गए हैं। हरियाणा वन्यजीव (संरक्षण) नियम, 1974 को वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के प्रावधानों के तहत निरस्त कर दिया गया है, और वन्यजीव (संरक्षण) नियम, 2024 को हरियाणा सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया। हरियाणा वन्यजीव (संरक्षण) नियम, 2024 के तहत वन्यजीव विभाग से परमिट और अनुमोदन प्राप्त करने की प्रक्रिया के संबंध में जनता के लिए दिशा–निर्देश और प्रक्रियाएं तैयार की गई हैं।

हरियाणा निकाय चुनाव 2025: 2 मार्च को होगी वोटिंग, आचार संहिता लागू

चंडीगढ़,04 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में नगर निकाय चुनावों की तारीखों की घोषणा हो गई है। राज्य चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने आज पंचकूला में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरी चुनावी प्रक्रिया की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में 2 मार्च 2025 को निकाय चुनाव के लिए होगा, और इसके नतीजे 12 मार्च को घोषित किए जाएंगे।

हरियाणा में इस बार कई नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर परिषदों में चुनाव होंगे। नगर निगम चुनाव: फरीदाबाद, मानेसर, पानीपत, रोहतक, करनाल, गुरुग्राम और हिसार में मेयर और पार्षदों का चुनाव होगा। अंबाला– सोनीपत में सिर्फ मेयर पद के लिए चुनाव होगा। राज्य में 21 नगर पालिकाओं में पार्षदों के चुनाव कराए जाएंगे। पटौदी, थानेसर, अंबाला और सिरसा की नगर परिषदों में पार्षदों के लिए चुनाव होगा।

चुनाव की घोषणा के साथ ही हरियाणा में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। अब किसी भी प्रकार की नई सरकारी घोषणा या विकास कार्यों की स्वीकृति दी जा सकेगी। हरियाणा में नगर निकाय चुनाव हमेशा से राजनीतिक दलों के लिए परीक्षा माने जाते हैं। ये चुनाव न केवल स्थानीय प्रशासन की दिशा तय करेंगे, बल्कि आगामी विधानसभा चुनावों से पहले जनता की नब्ज भी टटोलने का मौका देंगे।

अनिल विज की कड़ी कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप

अम्बाला,04 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन और श्रम मंत्री अनिल विज द्वारा सोमवार शाम अम्बाला–नारायणगढ़ हाईवे पर ओवर लोडिड वाहनों के खिलाफ लगाए गए छापे के दौरान कुल 18 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है जिन पर 2.54 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया है। दो वाहन चालकों मौके पर ही चालान भर दिए गए थे जबकि शेष वाहनों को जब्त किया गया था। इन वाहनों को जुर्माना राशि भरने पर ही छोड़ा जाएगा। कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने बताया कि 18 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई थी जिन पर 2.54 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया और यह राशि वाहन चालकों से वसूल की जाएगी। गौरतलब है कि अम्बाला–नारायणगढ़ हाईवे पर सोमवार शाम परिवहन मंत्री अनिल विज ने एकाएक छापा मारा था और हाईवे पर स्वयं उतरकर ओवरलोडिड वाहनों की जांच शुरू कर दी थी। जांच के दौरान कई वाहनों में अनियमितताएं पाई गई थी इन वाहनों को जब्त किया गया था। छापे की जानकारी मिलते ही मौके पर आरटीए अम्बाला और पुलिस टीमें पहुंच गई थी। छापे के दौरान कई वाहन चालकों के दस्तावेज मंत्री अनिल विज ने स्वयं चैक किए जबकि उन्होंने ट्रकों में लोड किए गए सामान का वजन व आकार चैक किया था। मंत्री विज की इस कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप की स्थिति मच गई थी। विज ने मौके पर ही तब कहा था कि उनका प्रयास है कि प्रदेश में ओ–वरलोड वाहन न चले और वाहन चालक पूरे दस्तावेजों के साथ चले।

एसीबी ने रिश्वत लेते हुए निरीक्षक को रंगे हाथ पकड़ा

पंचकुला,04 फरवरी (एजेंसियां)। एंटी करप्शन ब्यूरो (ए.सी.बी.) की करनाल टीम ने 4 फरवरी 2025 को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, करनाल के निरीक्षक राजीव कुमार को 10,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

शिकायतकर्ता विकास शर्मा, जो खर–ाजपुर, जिला करनाल के निवासी हैं, ने ए.सी.बी. करनाल को अपनी शिकायत में बताया कि उसकी पत्नी रजनी और भाई विक्रम कुमार के नाम राशन डिपो हैं। यह डिपो राजीव कुमार, निरीक्षक और अमन कुमार, ए.एफ.एस.ओ., खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, खण्ड कुंजपुरा के अधीन हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार, खाद्य ने उसके राशन डिपो पर खराब गेहूं भेजा था, जिसके बारे में उसने विभाग के अधिकारियों से शिकायत की थी।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

सीएम नीतीश कुमार बोले-

बिहार में बड़े पैमाने पर बहाली होगी 6837 को दिया गया नियुक्त पत्र

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 6,837 नवनियुक्त कनीय अभियंताओं और अनुदेशकों के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित 'संवाद' में आयोजित इस नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में मुख्यमंत्री ने सांकेतिक रुप से नवनियुक्त 10 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह के माध्यम से आज विभिन्न विभागों के अंतर्गत नवनियुक्त 6,341 कनीय अभियंताओं एवं श्रम संसाधन विभाग के अंतर्गत 496 अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुनः हम बिहार के सभी जिलों का दौरा कर रहे हैं और वहां की समस्याओं और जरूरतों से अवगत हो रहे हैं। हमलोगों को जिन समस्याओं या जरूरतों की जानकारी मिल रही है उनका यथाशीघ्र निराकरण किया जाएगा। बड़े पैमाने पर बहाली भी की जाएगी। इसके लिए विभागों में रिक्त पड़े पदों को चिन्हित किया जा रहा है। वर्ष 2005 के पहले बिहार की स्थिति काफी दयनीय थी जिससे आप सभी भंलीभांति अवगत हैं। हमलोग प्रारंभ से ही बिहार को आगे बढ़ाने में लगे लग हुए हुए हैं। केंद्र सरकार का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है। मैं आप सभी नवनियुक्त अभ्यर्थियों से यही अपेक्षा करूंगा कि आप अपने दायित्वों का निर्वहन ठीक ढंग से करेंगे। मैं एक बार फिर से आप सभी नवनियुक्त अभ्यर्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि आज इस नियुक्ति पत्र वितरण समारोह के माध्यम से विभिन्न विभागों द्वारा चयनित 6,837 नवनियुक्त कनीय अभियंताओं एवं अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा रहा है। नवनियुक्त 6,341 कनीय अभियंताओं में जल संसाधन विभाग के द्वारा नवचयनित 2,338 अभ्यर्थियों, योजना एवं विकास विभाग अंतर्गत नवचयनित 1273 अभ्यर्थियों, ग्रामीण कार्य विभाग अंतर्गत नवचयनित 759 अभ्यर्थियों, पथ निर्माण विभाग के द्वारा नवचयनित 530 अभ्यर्थियों लघु जल संसाधन विभाग अंतर्गत नवचयनित 484 अभ्यर्थियों, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग अंतर्गत नवचयनित 478 अभ्यर्थियों, भवन निर्माण विभाग अंतर्गत नवचयनित 430 अभ्यर्थियों तथा नगर विकास एवं आवास विभाग के माध्यम से नवचयनित 49 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया जा रहा है। मैं उन सभी विभागों को धन्यवाद देता हूं, जिनके द्वारा आप सभी अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल ने स्वागत संबोधन किया जबकि श्रम संसाधन विभाग के सचिव दीपक आनंद ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, उर्जा, योजना एवं विकास मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, नगर विकास एवं आवास मंत्री नितिन नवीन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री नीरज कुमार सिंह, लघु जल संसाधन मंत्री संतोष कुमार सुमन, श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह, भवन निर्माण मंत्री जयंत राज, पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद शामिल थे।

शादी और तिलक का पोस्टर चिपकाकर हो रही शराब की तस्करी, हेक्सा कार से बड़ी खेप बरामद

पटना (एजेंसियां)।

पूर्ण शराबबंदी वाले बिहार में अब तस्कर पुलिस की आंखों में धूल झोंक कर शराब की तस्करी के लिए शादी-ब्याह के के शुभ लगन-मुहुर्त को भी माध्यम बना रहे है। तस्कर लगनौती मौसम में लग्जरी गाड़ियो पर शुभ तिलक या शुभ विवाह का स्टिकर लगाकर उस वाहन से शराब की बड़ी-बड़ी खेप की ढुलाई कर रहे है। वाहन पर तिलक या विवाह का स्टिकर देख कर पुलिस को भी शक-शुबहां नही हो रहा है और शराब तस्करों का भी काम चल जा रहा है।

औरंगाबाद के दाउदनगर थाना की पुलिस ने शराब तस्करी के एक ऐसे ही मामले का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने शुभ तिलक लिखी टाटा की 2018 मॉडल की करीब 20 लाख की कीमत वाली लग्जरी हेक्सा कार से 2250 बोतल देसी शराब और 40 लीटर के 18 गैलन कच्चा स्प्रिट बरामद किया हैं।

दाउदनगर थानाध्यक्ष फहीम आजाद खान ने बताया कि खुफिया इनपुट मिला कि एक कार से शराब की बड़ी खेप पटना की ओर ले जाई जा रही है। इस सूचना पर तरारी नहर पुल के पास पुलिस ने वाहनों की तलाशी शुरू की। इस दौरान पुलिस को देखते ही एक टाटा की हेक्सा गाड़ी को छोड़कर चालक चुपके से फरार हो गया।

जब गाड़ी की तलाशी ली गई तो वाहन से 450 लीटर देसी शराब और 720 लीटर कच्चा स्प्रिट बरामद किया गया। बरामद शराब 50 पेटी में है और एक पेटी में 200 एमएल के 45 बोतल शराब है। इस तरह कुल 2250 बोतल शराब बरामद हुआ है। साथ ही 18 लीटर के 40 गैलन में कुल 720 लीटर स्प्रिट बरामद हुआ है। बरामद स्प्रिट से भारी मात्रा में शराब बनाई जा सकती थी। जब्त शराब की कीमत 2 लाख से अधिक आंकी जा रही है। वाहन से शराब की खेप मिलने के बाद पुलिस वाहन को जब्त कर थाना ले आई है।पुलिस ने बताया कि जब्त वाहन पर शुभ तिलक का स्टिकर लगा था। मामले में पुलिस वाहन के चालक और मालिक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी है।

सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत, चार की हालत गंभीर

पटना (एजेंसियां)।

जमुई जिले के सिकंदरा थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा मंगलवार की सुबह करीब तीन बजे सिकंदरा मुख्य चौक पर हुआ। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने स्थानीय लोगें की मदद से घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी चालक की तलाश में छापेमारी कर रही है।

बताया जा रहा है कि नवादा जिले के रोह थाना अंतर्गत कुंज गांव से एक स्कॉर्पियो पर छह लोग सवार होकर लखीसराय जिले के कजरा थाना अंतर्गत अरवां गांव तिलक फलदान में गए थे। लौटने के दौरान सुबह करीब 3:00 बजे लखीसराय रोड से नवादा रोड प्रवेश करने के क्रम में जमुई से शेखपुरा की ओर तेज गति में बालू लेकर जा रहे 18 चक्का ट्रक ने स्कॉर्पियो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सिकंदरा चौक के समीप मिडिल स्कूल के गेट को तोड़ते हुए स्कॉर्पियो स्कूल के कैंपस तक जाकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई।

हादसे में स्कार्पियो सवार रोह थाना क्षेत्र के कुंज गांव निवासी 62 वर्षीय अरुण सिंह, 66 वर्षीय रमाकांत सिंह और 70 वर्षीय वीरेंद्र सिंह की मौत हो गई। वहीं कुंज गांव निवासी 50 वर्षीय विपिन सिंह, 14 वर्षीय कृपा शंकर गौरव, एवं स्कार्पियो चालक नवादा जिले के महुली गांव निवासी 35 वर्षीय वरुण कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। इनका इलाज चल रहा है। घटना के बाद मरने वालों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बिहार की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी एएसपी

एनडीए को दलित-अल्पसंख्यकों की सुरक्षा में बताया विफल

दरभंगा (एजेंसियां)।

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर आजाद समाज पार्टी ने सभी सीटों पर प्रत्याशी उतारने का एलान किया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जौहर आजाद ने मंगलवार को समस्तीपुर में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि बिहार में दलित और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बढ़ रहे हैं, लेकिन एनडीए सरकार उनकी रक्षा करने में असफल साबित हो रही है। वहीं, महागठबंधन भी इस मुद्दे पर खुलकर सामने नहीं आ रहा है। ऐसी स्थिति में आजाद समाज पार्टी अपने संगठन को मजबूत कर दलितों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए मजबूती से खड़ी होगी।

जौहर आजाद ने कहा कि उनकी पार्टी समस्तीपुर जिले की सभी 10 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। उन्होंने बताया कि पार्टी बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी तरह सक्रिय हो चुकी है। इसके लिए जिला प्रभारी को गांव-गांव जाकर संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद अब जमीनी स्तर पर मजबूती से काम किया जाएगा, जिससे दलित, महादलित और अल्पसंख्यक समाज की समस्याओं को हल किया जा सके।

प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि एनडीए सरकार दलितों और अल्पसंख्यकों की रक्षा करने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि जहां सरकार उन्हें न्याय नहीं दिला रही, वहीं विपक्ष भी इस मुद्दे पर चुप्पी साधे बैठा है। उन्होंने महागठबंधन पर हमला करते हुए कहा कि विपक्ष के नेताओं को बंद कमरों में बयान देने के बजाय सड़कों पर उतरकर अन्याय के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए।

उन्होंने बताया कि बिहार में दलितों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। एक आंकड़े के मुताबिक राज्य में 6000 से अधिक उत्पीड़न के मामले दर्ज हुए हैं, लेकिन अधिकांश पीड़ितों को अब तक न्याय नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि सरकारी व्यवस्था न्याय दिलाने में असफल हो रही है और बिहार की कानून व्यवस्था बद से बदतर हो चुकी है।

प्रदेश अध्यक्ष ने बिहार में हो रही प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राज्य में बार-बार परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं, जिससे मेधावी छात्रों का भविष्य अंधकार में जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार न तो शिक्षा व्यवस्था को सुधारने में सक्षम है और न ही रोजगार की गारंटी देने में। इस दौरान आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। इनमें भीम आर्मी के जिला अध्यक्ष डॉ. निलेश कुमार, आजाद पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष इंद्र प्रसाद राम, युवा जिला अध्यक्ष मोहम्मद अनामुल हुसैन और प्रदेश महासचिव डीएस रविदास प्रमुख रूप से शामिल थे।

ट्रेन से कटकर इंटर के छात्र की मौत

सरस्वती पूजा का प्रसाद खाने जा रहा था युवक

पटना (एजेंसियां)।

नालंदा के बख्तियारपुर-राजगीर रेल खंड पर रविवार की शाम एक दर्दनाक हादसे में इंटरमीडिएट परीक्षार्थी की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। यह घटना बिहार थाना क्षेत्र के रेलवे गुमटी के पास घटी, जहां शेखपुरा जिले के सुजवलपुर निवासी 19 वर्षीय राहुल कुमार की अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई।

मृतक के भाई अनिल कुमार ने बताया कि राहुल बिहारशरीफ में रहकर मजदूरी के साथ अपनी पढ़ाई कर रहा था और इस वर्ष इंटर की परीक्षा दे रहा था। रविवार की शाम सरस्वती पूजा के मौके पर प्रसाद खाने के लिए वह पैदल रेलवे गुमटी की ओर गया था, तभी अज्ञात ट्रेन की चपेट में आ गया।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने रेलवे ट्रैक से करीब 30 मीटर दूर एक गड्ढे में गंभीर रूप से घायल युवक को देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। बिहार थाना

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहुल को इलाज के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेजा, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही राहुल के परिजन सदर अस्पताल पहुंचे। जहां बेटे की मौत की खबर सुनकर उनकी चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया। पूरे परिवार का रो-रो कर बुरा हाल था। इधर, बिहार थाना अध्यक्ष सम्राट दीपक ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हिंसक झड़प में युवक की चाकू से गोदकर हत्या, दो बेटों समेत मां गिरफ्तार

दरभंगा (एजेंसियां)।

मधुबनी के नगर थाना क्षेत्र के नोनिया टोली में बीती रात एक मामूली विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। इस घटना में एक युवक की हत्या कर दी गई और एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या आरोपी मां और दो बेटों को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक, रात करीब 12 से एक बजे के बीच नोनिया टोली में दो पक्षों के बीच विवाद शुरू हुआ, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। इस दौरान दिवंगत रामचंद्र महतो का बेटा डोमा कुमार, एक युवक शंभू कुमार को पकड़कर पीटने लगा। जब उसे बचाने के लिए राम खेलावन प्रसाद के बेटे मनोज कुमार (40) आगे आए, तो डोमा और उसके परिवारवालों ने उनके साथ भी मारपीट शुरू कर दी। इसी बीच डोमा कुमार घर के अंदर से छुरा निकाल लाया और मनोज कुमार पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। छुरे से गोद दिए जाने के कारण मनोज लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े और मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, झगड़े में एक अन्य युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार, अवर निरीक्षक मनोज कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। पुलिस ने गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया, जबकि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों के बयान के आधार पर हत्या आरोपी डोमा कुमार, उसके भाई विजय कुमार और मां गुलाब देवी को गिरफ्तार कर लिया।

सुबह करीब नौ बजे मृतक के परिजनों और मोहल्लेवासियों ने नगर थाना चौक को जाम कर दिया। प्रदर्शनकारी हत्या आरोपियों को पुलिस से उनके हवाले करने की मांग कर रहे थे। इस प्रदर्शन के कारण शिवगंगा, वाटसन, महिला महाविद्यालय और सूरी स्कूल परीक्षा केंद्र जाने वाले परीक्षार्थियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

हालात बिगड़ते देख नगर थाना अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार और अवर निरीक्षक मनोज कुमार ने बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाया। अधिकारियों के समझाने के बाद ही सड़क जाम खत्म कराया गया और यातायात बहाल हुआ।

नगर थाना अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार ने बताया कि हत्या के इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल इलाके में स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन पुलिस एहतियातन नजर बनाए हुए है। इस वारदात के बाद पूरे इलाके में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।

सड़क हादसे में दो भाइयों की मौत, घर लौट रहे थे दोनों

नालंदा (एजेंसियां)।

नालंदा में मंगलवार की सुबह सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। हादसा परवलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बदौनी मोड़ के पास हुआ। मरने वालों की पहचान परवलपुर थाना क्षेत्र के चौसंडा निवासी विनोद पासवान के पुत्र चुन्नू पासवान (19) एवं इस्लामपुर थाना क्षेत्र के मोहद्दीपुर गांव निवासी गुप्तेश्वर पासवान के पुत्र विक्रम कुमार (18) के रूप में की गई है। दोनों आपस में ममेरे-फुफेरे भाई लगते थे।

इस मामले में परवलपुर थानेदार पप्पू कुमार ने बताया कि सड़क हादसे में एक युवक की घटनास्थल पर ही जबकि दूसरे युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। शवों को कब्जे में लेकर पुलिस पोस्टमार्टम कराने की प्रक्रिया में जुट गई है। आवेदन मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

परिजनों ने बताया कि चुन्नू रांची से बस पर सवार होकर बिहार शरीफ लौटा था। उसे लाने के लिए विक्रम बाइक से बिहार शरीफ गया था। इसके बाद चुन्नू और विक्रम बाइक पर बैठकर घर के लिए लौट रहे थे। तभी बदौनी मोड़ के पास सामने से आ रही गाड़ी ने चकमा दे दिया। इस कारण बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे इमली के पेड़ से टकरा गई। इसमें दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि चुन्नू पासवान मैट्रिक की पढ़ाई पूरी करने के उपरांत रांची काम करने के लिए चला गया था। वहीं विक्रम इंटरमीडिएट का छात्र था। इस हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com